ANNUAL REPORT 2016-17

भारतीय जन संचार संस्थान

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

Aruna Asaf Ali Marg, JNU New Campus
New Delhi - 110067

DG IIMC presenting a special memento to the Chief Guest Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Union Minister for Information and Broadcasting during IIMC 49th Convocation.

General (Dr) V. K. Singh (Retd), Hon'ble Minister of State for External Affairs graced the Valedictory Function as Chief Guest for the 66th Batch of Diploma Course in Development Journalism in November 2016

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2016-17

भारतीय जन संचार संस्थान

वर्ष 2016-2017 की वार्षिक रिपोर्ट

प्रस्तावना

भारतीय जन संचार संस्थान (आई आई एम सी) का पंजीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (21) 1860 के तहत हुआ था। इसकी स्थापना 17 अगस्त 1965 को पत्रकारिता, मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मूलभूत लक्ष्यों की पूर्ति हेतु हुई थी।

संस्थान की शुरुआत के समय इसमें निदेशक के अलावा चार प्राध्यापक और यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन-UNESCO) का एक परामर्शदाता शामिल था। इतने छोटे आकार और कम सदस्यों वाले इस संस्थान ने शुरुआती दौर में राज्य एवं केंद्र सरकार के सूचना सेवा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। कोलंबो योजना के तहत कुछ विदेशी प्रशिक्षुओं को भी इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया। इसके अलावा संस्थान लघु स्तर पर शोध अध्ययन के क्षेत्र में भी सक्रिय रहा है।

अपनी स्थापना के मूल लक्ष्य ''केंद्र और राज्य सरकारों के सूचना और प्रचार कर्मियों को और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों की सूचना एवं प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराना'' की पूर्ति हेतु हुई थी। संस्थान ने गत 52 वर्षों में आधुनिक युग में तेज़ी से विस्तृत होते हुए तथा परिवर्तनशील मीडिया उद्योग की विविध एवं अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अनेक विशेष पाठ्यक्रमों की शुरुआत और उनका सफल प्रबंधन किया है।

31 मार्च, 2017 की स्थिति को सामने रखा जाए तो आज भारतीय जन संचार संस्थान भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के अलावा प्रिंट मीडिया पत्रकारिता में हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू और ओडिया भाषा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसके अलावा संस्थान रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

संस्थान 1969 से ही भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में अफ़्रीकी, एशियाई, लातीन अमरीकी और पूर्वी यूरोपीय देशों के मिड कैरियर श्रमजीवी पत्रकारों के लिए विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह जिन विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत किया जा रहा है वह हैं:- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई टेक-ITEC), विशेष राष्ट्रमंडल अफ़्रीकी सहायता योजना (स्काप-SCAAP) तथा कोलंबो योजना के तहत तकनीकी सहयोग योजना (टी सी एस -TCS) कार्यक्रम।

संस्थान केंद्र और राज्य सरकारों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के मीडिया, प्रचार और प्रचालन से जुड़े विभिन्न संगठनों में कार्यरत संचार कर्मियों की प्रशिक्षण संबंधी निरंतर बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक सप्ताह से चार सप्ताह तक की अवधि के विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। इसमें ख़ास तौर से सेना और पुलिस के अधिकारियों के लिए संचालित किए जाने वाले कोर्स शामिल हैं। संस्थान प्रशिक्षण, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं इत्यादि के आयोजन में विविध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से भी सहयोग करता है तथा संयुक्त शोध परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

हाल में जन संचार के क्षेत्र में काफी तेजी से कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और ये निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले और उसमें अहम भूमिका निभाने वाले कारक के रूप में उभरे हैं। जन संचार ने बड़ी ही तीव्रता से महत्वपूर्ण एवं उच्च प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कर लिया है तथा विभिन्न शैक्षणिक विधाओं के विद्यार्थियों के लिए इस क्षेत्र से जुड़ना एक बड़ा आकर्षण बन गया है।

वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने संचार माध्यमों (मीडिया) के विस्तार और उनके काम करने के तरीके में आ रहे बदलावों की प्रक्रिया तेज़ की है। इसका स्वरूप बदलने में सूचना प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने छात्रों, शिक्षकों और संचार कर्मियों के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी की हैं। प्रौद्योगिकी में जितनी तेज़ी से बदलाव आ रहा है, उतनी ही तेज़ी से जन संचार और मीडिया के शिक्षण का स्वरूप भी बदल रहा है।

शिक्षा के किसी भी दूसरे क्षेत्र में बदलाव की प्रक्रिया इतनी तेज़ नहीं रही है। माध्यम के प्रभाव को बनाए रखने और उसमें निरंतर वृद्धि के लिए उभरती हुई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करना निश्चित ही समय की मांग है; साथ ही नये मीडिया से जुड़ने और उसमें विस्तार के तरीके खोजने की भी जरूरत है।

इसके मद्देनज़र संस्थान तेज़ी से बदलती हुई नई ज़रूरतों का सामना करने के लिए पाठ्यविषयों का निरंतर मूल्यांकन करता है, जिससे बदलते हुए परिदृश्य में भी संस्थान द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता बनी रहती है। संस्थान भविष्य में मीडिया संस्थानों से जुड़ने की इच्छा रखने वाले युवा छात्र-छात्राओं को जन संचार के लिए आवश्यक सामान्य कौशल तथा इस क्षेत्र के विभिन्न आयामों की बारीकियों और तकनीकों का प्रशिक्षण देता है।

संस्थान विद्यार्थियों को समाज के उपयोगी सदस्यों के रूप में विकसित होने में मदद करता है। विकास की इस प्रक्रिया में जानकारियों और ख़बरों को समाज के अन्य लोगों तक व्यापक पैमाने पर पहुंचाने के लिए सूचनाओं और संचार माध्यमों का प्रभावपूर्ण इस्तेमाल ज़रूरी है। अपनी इसी विशिष्टता के कारण संस्थान और इससे निकलने वाले छात्रों ने अपना एक अलग मुकाम हासिल किया और पहचान स्थापित की है।

संस्थान सूचना के ऐसे ढांचे के निर्माण में तथा उसे और सुचारू व मज़बूत बनाने में मदद करता है, जो न केवल भारत अपितु सभी विकासशील देशों के लिए उपयोगी हो। संस्थान केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों और अंगों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक निकायों के अलावा अनुरोध हासिल होने पर अन्य संस्थाओं, संगठनों और विभिन्न निकायों को भी उनकी ज़रूरत के अनुसार विशेषज्ञता और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बढ़ती लोकप्रियता तथा क्षेत्रीय ज़रूरतों की पूर्ति के लिए संस्थान ने 1993 में ढेंकानाल (ओडिशा) में एक शाखा खोली ताकि क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस समय वहां दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा पत्रकारिता पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यह अंग्रेज़ी और ओडिया भाषा के पाठ्यक्रम हैं।

विस्तार का अगला चरण वर्ष 2011 और 2012 में संपन्न हुआ। 2011 में भारतीय जन संचार संस्थान के दो नये क्षेत्रीय परिसर मिज़ोरम के आइज़ोल तथा महाराष्ट्र के अमरावती में खोले गए। 2012 के दौरान संस्थान के दो और क्षेत्रीय परिसर जम्मू (जम्मू और कश्मीर) तथा कोट्टयम (केरल) में खोले गए। चारों नये क्षेत्रीय परिसर अंग्रेज़ी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करते हैं जबकि पहले से कार्यरत पांचवें क्षेत्रीय परिसर ढेंकानाल में अग्रेज़ी और ओडिया, दोनों भाषाओं के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

इस तरह वर्ष 2011-12 और 2012-13 में संस्थान का स्वरूप एक दिल्ली आधारित संस्थान (जिसकी एक शाखा ढेंकानाल, ओडिशा क्षेत्रीय परिसर वाला संस्थान था), से पूरी तरह बदल कर राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में परिवर्तित हो गया। अब यह राष्ट्रव्यापी उपस्थिति के क्षेत्रीय परिसरों वाला एक ऐसा संस्थान है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और उसकी उपस्थिति कुल छह केंद्रों में है। उत्तर भारत में दिल्ली समेत अब भारतीय जन संचार संस्थान के उत्तर (जम्मू), दक्षिण (कोट्टयम), पूर्व (ढेंकानाल), पश्चिम (अमरावती) और उत्तर–पूर्व (आइज़ोल) में स्थापित परिसरों समेत कुल पांच प्रमुख क्षेत्रीय परिसर कार्यरत हैं।

संस्थान को भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। संस्थान की गतिविधियों का मार्गदर्शन कार्यकारी परिषद करती है। इस परिषद् के अध्यक्ष सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव हैं। वो ही भारतीय जन संचार संस्थान समिति के अध्यक्ष का भी पदभार संभालते हैं। समिति में सूचना और प्रसारण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा संस्थान की संकाय के प्रतिनिधि और मीडिया जगत के विख्यात संचार कर्मी शामिल होते हैं। संस्थान के महानिदेशक कार्यकारी परिषद के सदस्य-सचिव होते हैं।

स्थापना के पचास से भी अधिक वर्षों तक निरंतर कठिन परिश्रम तथा बेहतरीन परिणाम देने की भावना की लगातार जारी कोशिश के कारण ही संस्थान विभिन्न मीडिया क्षेत्रों में पेशेवर पत्रकारों की एक बड़ी संख्या उपलब्ध करवा पाने में कामयाब रहा है। इस वजह से संस्थान ने संचार के शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में "उत्कृष्ट केंद्र" की प्रतिष्ठा हासिल कर ली है।

2016-17 के दौरान शैक्षिक और प्रशिक्षण गतिविधियां

भारतीय सूचना सेवा अधिकारियों का प्रशिक्षण

2016 में, ग्यारह भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) समूह 'ए' अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 9 फ़रवरी से 8 नवंबर, 2016 तक मीडिया और संचार में अपने 9 महीने का प्रवेश प्रशिक्षण पूरा किया। उनके प्रवेश प्रशिक्षण का एक प्रमुख अनुभव 11 से 14 सितंबर, 2016 तक छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के प्रभावित क्षेत्रों की एक लघु यात्रा थी। इस तरह का प्रयोग पहली बार पाठ्यक्रम का हिस्सा बना। इस यात्रा का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को एलडब्लूई प्रभावित क्षेत्र में सूचना और संचार की महत्ता, मायनों और उनके आदान-प्रदान के तरीकों समेत पूरी प्रक्रिया से अवगत कराना था। जानकारियाँ हासिल करने के तरीकों को समझने समेत इन्हें संचार तंत्र के माध्यम से त्वरित गतिशीलता प्रदान करना भी इन अधिकारियों की ड्यूटी का एक अहम अंग है।

पहली बार अधिकारी प्रशिक्षुओं को सप्ताह भर का रक्षा संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके लिए अधिकारी प्रशिक्षुओं को असम राइफ़ल्स से संबद्ध किया गया। आरंभिक प्रशिक्षण में ही रक्षा संबंधी यह प्रशिक्षण पहली बार कोर्स में शामिल किया गया। इससे अधिकारी प्रशिक्षुओं को पूर्वोत्तर क्षेत्र के तीन राज्यों मणिपुर, मेघालय और असम को अधिक विस्तार से जानने का अवसर प्राप्त हुआ। अधिकारी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान इस बार फ़िल्म एंड टीवी इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया (एफ़टीआईआई) में भी कुछ समय प्रशिक्षण दिया गया ताकि वो टीवी और फ़िल्म निर्माण की बारीकियों को सीख सकें। भारत की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने और उसे बेहतर ढंग से समझने और जानने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से उन्हें भारत दर्शन दौरा भी कराया गया।

अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भारत के राष्ट्रपति से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति ने उन्हें संबोधित करते हुए देश के प्रशासन में भारतीय सूचना सेवा की अति महत्वपूर्ण भूमिका की महत्ता से अवगत कराया। इन अधिकारियों को सूचना एवं प्रसारण मंत्री

श्री एम. वेंकैया नायडू और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री कर्नल श्री राज्यवर्धन राठौड़ (सेवानिवृत्त), एवीएसएम के साथ बातचीत का अवसर भी मिला।

इनके अलावा, 2016 में दस आईआईएस वरिष्ठ ग्रेड ग्रुप 'बी' अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 14 दिसंबर 2015 से 13 जून 2016 तक 'संचार और मीडिया' में एक बुनियादी पाठ्यक्रम किया। इस बुनियादी पाठ्यक्रम में पहली बार सरकारी कार्यपद्धति, सामान्य वित्तीय नियम (जीएफ़आर-GFR) इत्यादि पर 10 दिन का मॉड्यूल शामिल था। फ़िल्म मूल्यांकन और डॉक्युमेंटरी निर्माण पर भी पहली बार एक मॉड्यूल आरंभ किया गया। इस मॉड्यूल में अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 'दिल्ली की सड़कों पर जीवन' विषय पर दो वृत्तचित्र तैयार किए। अधिकारी प्रशिक्षुओं ने कार्यालय प्रक्रियाओं, वित्त और बजट जैसे मुद्दों पर सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) में एक सप्ताह का प्रशिक्षण लिया। अधिकारी प्रशिक्षुओं लद्दाख, कश्मीर और पंजाब की 10 दिन की एक अध्ययन यात्रा के लिए भी गए।

इसके अलावा भारतीय सूचना सेवा के ग्रुप 'ए' के पंद्रह अधिकारी प्रशिक्षुओं के नए दल का नौ माह का प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 16 जनवरी 2017 से आरंभ हुआ।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से ही कड़े परिश्रम से अपने प्रशिक्षण की विषय-वस्तु में सुधार करते हुए मीडिया और संचार शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान बना लिया है। आज इसे इस क्षेत्र के प्रशिक्षण संस्थानों में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। यह मीडिया उद्योग में आने के इच्छुक प्रशिक्षुओं के लिए हिन्दी, अंग्रेज़ी, ओडिया पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जनसंपर्क तथा रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हासिल करने का अवसर प्रदान करता है।

संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों में, कक्षा में प्रशिक्षण, कड़े अभिप्रयासों, प्रायोगिक पत्रों और परियोजनाओं (प्रोजेक्ट) आदि का उचित सम्मिश्रण रहता है। कक्षा में बताई या पढ़ाई गई बातों का अभ्यास करने के लिए क्षेत्रीय भ्रमण के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराया जाता है। विद्यार्थियों के लिए यह कौशल सीखना इसलिए आवश्यक हैं ताकि वो अपने कैरियर में सफलता प्राप्त कर सकें। प्राप्त की जा रही शिक्षा को वास्तविक और व्यावहारिक तौर पर उस वातावरण से जोड़ने के ऐसे अभ्यास उन्हें उन परिस्थितियों से परिचित कराते हैं, जिनका उन्हें मीडिया और संचार उद्योग में सामना करना पड़ सकता है। ये पाठ्यक्रम एक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के अलावा समाज में मीडिया कर्मियों की भूमिका को परिभाषित करते हैं।

तीव्रता से विकसित होते हुए मीडिया एवं संचार के क्षेत्र में बदलती हुई प्रवृत्तियों और तकनीक के साथ चलने के लिए पाठ्यक्रमों की विषय वस्तु की निरंतर समीक्षा की जाती है और उनमें संशोधन किए जाते हैं ताकि परिवर्तित परिस्थितियों में भी पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता कायम रखी जा सके।

पाठ्यक्रमों को तैयार करते समय, उद्योग की विविधतापूर्ण आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है ताकि विद्यार्थी नीतिपरक एवं ज़मीनी यथार्थ से भी परिचित हों। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों में ज़िम्मेदारी की भावना भरने का भी प्रयास किया जाता है ताकि वो भारत के बहुभाषी, बहुधर्मी,और बहुआयामी समाज में अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने में समर्थ हो सकें। संस्थान अपने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप उपलब्ध कराने में भी मदद करता है ताकि वे पाठ्यक्रम के समाप्त होने पर नौकरी प्राप्त

करने के लिए आवश्यक कुशलता हासिल कर सकें। कोर्स की समाप्ति के बाद कैंपस प्लेसमेंट शिविर समेत अन्य तरीकों से उन्हें नौकरी प्राप्त करने में मदद की जाती है। ये नियुक्तियां समाचारपत्रों, टीवी चैनलों, मीडिया कार्यालयों और विज्ञापन एवं जन संपर्क एजेंसियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में होती हैं।

पत्रकारिता (हिंदी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत हिंदी समाचारपत्रों, पत्रिकाओं, टीवी एवं रेडियो के लिए कौशलपूर्ण एवं व्यावसायिक तौर पर प्रशिक्षित मीडिया पेशेवरों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए की गई। भारत में मीडिया के विकास के साथ-साथ शीघ्र ही पाठ्यचर्या में नये मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफ़ार्म का समावेश किया गया। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्रदान करना और समाचार एकत्रीकरण, प्रोडक्शन, प्रस्तुतिकरण और प्रसारण की प्रक्रिया में व्यावसायिक कौशल देना है।

वर्ष 2016-17 में हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम के कोर्स में 56 विद्यार्थी थे। पाठ्यक्रम के प्रारंभिक चरण में संचार के सिद्धांत और अवधारणाओं तथा पत्रकारिता के इतिहास और कानून एवं आचार संहिता पर विशेष बल दिया गया। पहले सप्ताह से ही प्रशिक्षुओं को कंप्यूटर पर हिंदी में यूनिकोड का प्रशिक्षण दिया गया ताकि प्रकाशन हेतु उनके हिंदी टंकण कौशल और सॉफ़्टवेयर ज्ञान में बढ़ोतरी हो सके। दोनों सत्रों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक, दोनों पक्षों पर समान रूप से ध्यान दिया गया।

शैक्षिक वर्ष के दौरान हिंदी पत्रकारिता विभाग ने विद्यार्थियों की समझ और व्यावहारिक योग्यताओं के विकास के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया। विभाग ने बिज़नेस पत्रकारिता, राजनीतिक रिपोर्ट लेखन, फ़ोटोग्राफ़ी, संपादन एवं अनुवाद पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया।

वर्ष 2013 में हिंदी पत्रकारिता के लिए उद्योग द्वारा सर्वाधिक प्रयुक्त एक एकीकृत समाचार संपादन प्रणाली प्राप्त करके विशेष कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई ताकि उसमें प्रयोगशाला पत्रों का प्रकाशन किया जा सके। इस वर्ष विद्यार्थियों ने न्यूज़ रैप संपादन प्रणाली तथा एकीकृत एडोबे पर अपने प्रायोगिक पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने पाठ्यक्रम के दौरान डिज़ाइन पब्लिशिंग सॉफ़्टवेयर में संपादन और अन्य प्रायोगिक पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत किए।

विभाग धीरे-धीरे पेपररहित प्रशिक्षण की ओर बढ़ रहा है। विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत तौर पर व समूहों में 50 से अधिक प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि वो अपना काम संस्थान के नेटवर्क पर सीधे अन्य विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ साझा करें।

इस बार विद्यार्थी एक शैक्षणिक दौरे पर सूरजकुंड मेले में भी गए और उन्होंने इस दौरे की रिपोर्टिंग करते हुए विशेष प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने रेडियो और टेलीविजन के लिए भी इसकी रिपोर्टिंग की।

मीडिया में व्यावसायीकरण के बढ़ते हुए रुझान की वजह से मीडिया का स्वरूप बदल रहा है पर इसकी अपनी ज़िम्मेदारियां भी हैं। वो ज़िम्मेदारियां पूरी तरह नज़रअंदाज़ ना हों, इस उद्देश्य से संस्थान विकास संचार में प्रशिक्षण पर ख़ास ज़ोर देने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों ने संस्थान के सामुदायिक रेडियो स्टेशन में काफी रूचि दिखाई और समूहों में इसके लिए कई कार्यक्रम तैयार किए।

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर सभी विद्यार्थी विभिन्न संगठनों में व्यावहारिक अभ्यास के लिए गए। संस्थान के प्लेसमेंट विभाग ने

केंद्रीकृत इंटर्नशिप/नियोजन पखवाड़े के दौरान विद्यार्थियों को समाचारपत्रों और उनके डिजिटल संस्करणों, टेलीविजन चैनलों और समाचार एजेंसियां में प्लेसमेंट में मदद की। विद्यार्थियों का दैनिक भास्कर, नवभारत टाइम्स ऑनलाइन, अमर उजाला डिजिटल, इंडिया टुडे डिजिटल, जागरण जोश और हरिभूमि और उनके ऑनलाइन संस्करणों, ए बी पी न्यूज और ए पी एन टीवी में नियोजन हुआ जबकि कुछ छात्रों ने उच्च अध्ययन को चुना।

पत्रकारिता (उर्दू) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: भारतीय जन संचार संस्थान में उर्दू पत्रकारिता का डिप्लोमा पाठ्यक्रम दिल्ली परिसर में 2013-14 में शुरू हुआ था और 2016-17 में कार्यकारी परिषद् द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद इस डिप्लोमा कोर्स का उन्नयन करके इसे स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स का दर्जा प्रदान किया गया। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले नौ में से छह छात्रों ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

अंग्रेज़ी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पत्रकारिता पाठ्यक्रम: भारतीय जन संचार संस्थान का सबसे प्रमुख कोर्स अंग्रेज़ी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पत्रकारिता पाठ्यक्रम है। यह नौ महीने की अवधि का गहन एवं अभ्यास आधारित पाठ्यक्रम है जो युवा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर पत्रकार बनाता है। वर्ष 2016-17 के दौरान इस कोर्स में 57 छात्रों को प्रवेश मिला। विद्यार्थियों को इनहाउस और सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ ही व्यावहारिक और फ़ील्डवर्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक, सामुदायिक और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम बदलावों की भी जानकारी दी गई। उन्हें मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए ज़रूरी रिपोर्टिंग, लेखन और संपादन के मौके मीडिया की सभी विधाओं में उपलब्ध कराए गए ताकि वो अपने ज्ञान का व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम बनें। उन्हें अख़बार और पत्रिका प्रकाशन उद्योग में पेज तैयार करने की प्रचलित प्रणालियों के अलावा इस क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीनतम पद्धतियों के उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया गया।

विद्यार्थियों की संपादकीय टीमों ने 20 प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने समूहों में आठ समाचार वेबसाइट एवं ब्लॉग बनाए। इनमें परिसर की अद्यतन घटनाएं और स्थानीय समाचारों की दृश्य तथा श्रव्य सामग्री थी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम तैयार किए। इन्हें संस्थान में "अपना रेडियो" पर प्रसारित किया गया।

विद्यार्थियों के रिपोर्टिंग एवं लेखन कौशल को समुन्नत करने के लिए उन्हें देश की राजधानी दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में धरना व प्रदर्शनों और सामयिक मामलों सहित प्रमुख घटनाओं, चुनावी रैलियों तथा ग्रामीण रिपोर्टिंग की कवरेज करने के लिए भी भेजा गया। अंग्रेज़ी पत्रकारिता विभाग हमेशा से घटनास्थल पर जाकर रिपोर्टिंग करने पर खास ज़ोर देता है। इस बार विद्यार्थी एक शैक्षणिक दौरे के तौर पर सूरजकुंड मेले में भी गए और उन्होंने इस दौरे की रिपोर्टिंग करते हुए विशेष प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने रेडियो और टेलीविजन के लिए भी इसकी रिपोर्टिंग की।

विशेष प्रयोगशाला पत्रों में कई समसामयिक मुद्दों पर फ़ोटो, फ़ोटो निबंध और कई विशेष लेख भी प्रकाशित किये गए। इसके अलावा छात्रों ने, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय समेत कई अन्य शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठियों और व्याख्यान सत्रों में शिरकत की। उनको विभिन्न टीवी चैनलों द्वारा आयोजित कई विचारप्रेरक लाइव चर्चाओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया। उन्हें चार दिवसीय भ्रमण यात्रा पर हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला ले जाया गया जहां उन्होंने भारत-चीन और भारत-तिब्बत मुद्दों पर कई कार्यशालाओं में भाग लिया। इन गहन

प्रायोगिक अभ्यासों और सैद्धांतिक कक्षा के प्रशिक्षण ने उनके व्यावसायिक और शैक्षिक कौशल को पैना करने में मदद की। विद्यार्थियों ने धर्मशाला और तिब्बती समुदाय पर विशेष संस्करण प्रकाशित किए।

संस्थान के अधिकांश छात्रों का मीडिया उद्योग के प्रतिष्ठित संगठनों में नियोजन हुआ। विद्यार्थियों को प्रेस ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया (पीटीआई), एडफैक्टर्स पीआर, नेटवर्क 18, टाइम्स इंटरनेट लिमिटेड, बिज़नेस स्टैंडर्ड, आज तक ऑनलाइन, ब्लूमबर्ग-क्विंट, इंडियन एक्सप्रेस ऑनलाइन, फाइनेंशियल एक्सप्रेस ऑनलाइन, दूरदर्शन और एबीपी जैसी प्रतिष्ठित और प्रमुख मीडिया संस्थानों में नियुक्तियां हासिल हुईं।

विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: संस्थान विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग उद्योग के लिए बेहतरीन पेशेवर कर्मी तैयार करने के गौरव को निरंतर प्राप्त करता रहा है। विज्ञापन एवं जनसंपर्क में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सर्वाधिक बल समकालीन और प्रगतिशील अध्ययन पर रहता है। इसके साथ सुविचारित पाठ्यक्रम तथा शिक्षण और उद्योग का अनुभव इस पाठ्यक्रम की विशेष पहचान के तौर पर उभरा है।

वर्ष 2016-17 में विज्ञापन एवं जनसंपर्क पाठ्यक्रम में कुल 67 विद्यार्थी थे। पाठ्यक्रम की पाठ्चर्या के 10 प्रश्नपत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को गहन शिक्षण, प्रशिक्षण एवं कौशल अभिवृद्धि अभ्यास कराया गया। गत वर्षों की भांति संस्थान के संकाय के अलावा उद्योग जगत की सर्वोत्तम हस्तियों ने भी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने कई नामी गिरामी ब्रांडों, मीडिया के खोजी मुद्दों तथा संकट प्रबंधन सिमुलेशन और कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सी एस आर-CSR) ब्रांड निर्माण इत्यादि पर कार्य किया।

इस बार सैद्धांतिक पढ़ाई के दौरान नए तरीकों का भी इस्तेमाल किया गया। इनमें छात्रों को बेहतर ढंग से समझाने के लिए चरित्रों द्वारा नाटक अदायगी, केस स्टडीज़, किताबों की समीक्षा और प्रश्नोत्तरी इत्यादि के रूप में अध्यापन की नवीन पद्धतियां आरंभ की गईं।

छात्रों ने कई महत्वपूर्ण विज्ञापन अभियानों पर काम किया। उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय के लिए बनाए गए सड़क सुरक्षा संबंधित विज्ञापन के लिए 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार भी जीता। छात्रों ने अपने यह विज्ञापन विशेषज्ञों और मंत्रालय के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत किए और अपनी सृजनात्मक क्षमता, निर्माण के उच्च स्तर और लगन से सबको प्रभावित किया। इस साल न केवल सूचना और जनसंपर्क डिप्लोमा कार्यक्रम के छात्रों बल्कि अन्य क्षेत्रीय परिसरों के कई अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी विज्ञापन और जनसंपर्क उद्योग में अच्छी नियुक्तियां हासिल हुईं।

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड, टाटा, ऐड्फ़ैक्टर्स, एडलमैन पीआर, एवियन मीडिया, पीआर पंडित, स्कूपव्हूप, वैट कंसल्ट, मिक्स्ड रूट जूस, द लिंक्स, व्हाट कंसल्ट, एक्सेंचर, एक्ज़ियम, डिजीकॉम, लेट्ज़ चेंज फाउंडेशन आदि जैसी कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों में छात्रों को रोजगार मिला। सबसे अधिक वेतन पैकेज टाटा की तरफ से आया जिसने एक छात्र को 9.27 लाख रुपये सालाना वेतन की पेशकश की।

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में 45 छात्रों ने रेडियो और टीवी पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। इन विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक तौर पर व्यापक, गहन और कड़े अभ्यास का सामना करना पड़ा।

तीव्रता से विकसित होते हुए मीडिया उद्योग और बदलती हुई तकनीकों के अनुसार पाठ्यचर्या में लगातार बदलाव किया जाता

है। इसमें कुल दस प्रश्नपत्र शामिल थे, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को विविध मीडिया विषयों जैसे रेडियो, टीवी पत्रकारिता, टेलीविजन एवं फ़िल्म प्रोडक्शन, न्यू मीडिया पत्रकारिता तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क पर शैक्षिक व्याख्यानों के साथ-साथ प्रचुर व्यावहारिक कौशल प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम का प्रमुख ज़ोर प्रायोगिक और व्यावहारिक अभ्यासों पर रहता है जो इस संस्थान के विद्यार्थियों को इसी क्षेत्र के अन्य सार्वजनिक और निजी संस्थानों के मुकाबले खास बनाता है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए शीर्ष मीडिया संगठनों में कार्यरत विषयों के विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियों को नियमित तौर पर आमंत्रित किया गया ताकि वो अपने-अपने विषयों, क्षेत्रों और तकनीक के बारे में नवीनतम प्रगति की जानकारी प्रदान कर सकें।

रेडियो और टीवी पत्रकारिता के छात्रों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान की गई यह कड़ी मेहनत उनके द्वारा विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर प्रस्तुत की गई लघु फिल्मों और वृत्तचित्रों में स्पष्ट तौर पर दिखाई दी। इन छात्रों की प्रस्तुतियों को उनकी निर्भीक विषयवस्तु, समृद्ध कौशल और तकनीक का नए रूप में इस्तेमाल करने में दिखाई कुशलता के कारण व्यापक सराहना मिली।

रेडियो और टेलीविजन विभाग से इस शैक्षणिक सत्र में सफलतापूर्वक डिप्लोमा लेने वाले 80 प्रतिशत से अधिक छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को कई प्रमुख राष्ट्रीय मीडिया संगठनों ने पत्रकारिता और तकनीकी विभागों में रोजगार मिला।

इसके अलावा विभाग ने संस्थान के अन्य पांच विभागों के विद्यार्थियों को भी प्रसारण माध्यम का आवश्यक तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण नियमित तौर पर उपलब्ध कराया। विभाग ने रेडियो और टीवी पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का संचालन भी किया।

न्यू मीडिया एंड आईटी विभाग

न्यू मीडिया एंड आईटी विभाग का उद्घाटन 20 मई, 2016 को निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया गया:

- छात्रों के बीच न्यू मीडिया की समझ विकसित करना और उन्हें न्यू मीडिया की संभावनाओं और सीमाओं को आंकने में सक्षम बनाना;
- न्यू मीडिया से जुड़े मामलों में शोध करना;
- डिजिटल मल्टीमीडिया के ऐप्लीकेशंस का इस्तेमाल कर सकने में सक्षम (अनुप्रयोग क्षमताओं वाले) संचार पत्रकारों को विकसित करना;
- मीडिया उद्योग से संबंधित समसामयिक नए पाठ्यक्रमों को आरंभ करना;
- ई-सामग्री विकसित करने और भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए डिजिटल अभियानों में भाग लेने हेतु;

विभाग सभी विभागों में न्यू मीडिया प्रश्नपत्र पढ़ाने में मदद करता है और डाटा जर्नलिज़्म, डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल उपकरण, मोबाइल पत्रकारिता और ऑनलाइन पत्रकारिता पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2016-2017 में प्रमुख गतिविधियां

- विभाग ने न्यू मीडिया पर कंसोर्टियम फ़ॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन (सीईसी), पीजी पाठशाला, स्वयं और नेशनल

रिपोज़िटोरी ऑफ़ ओपन एजुकेशनल कोर्सेज़ के लिए ई-सामग्री तैयार की है;

- विभाग वर्तमान में एक शोध कर रहा है कि विभिन्न मंत्रालयों द्वारा नागरिकों के साथ जुड़ने और उनके हितों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कैसे किया जा रहा है; परियोजना पर खर्च की जाने वाली राशि यूजीसी-यूपीई फोकस एरिया-II प्रोजेक्ट (मैसूर विश्वविद्यालय) द्वारा वहन की जा रही है;
- विभाग ने पाठ्यक्रम विकास और मूल्यांकन हेतु प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसएचए) के साथ सहयोग किया है।

वर्ष 2016-2017 में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- केरल के छात्रों के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता पाठ्यक्रम;
- भूटान के सूचना अधिकारियों के लिए न्यू मीडिया पर पाठ्यक्रम;
- कर्नाटक के सूचना सेवा अधिकारियों के लिए न्यू मीडिया प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम;
- संचार अनुसंधान विभाग (डीकोर) के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम-एफडीपी);
- आईआईएमसी के संचार अनुसंधान विभाग (डीकोर) के सहयोग से पंचायती राज, पेय जल और स्वच्छता अधिकारियों हेतु संचालन के लिए सोशल मीडिया प्रणाली।

विभाग संस्थान की वेबसाइट www.iimc.gov.in और सोशल मीडिया प्रबंधन करता है।

भारतीय जन संचार संस्थान, ढेंकानाल परिसर की गतिविधियां

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भारतीय जन संचार संस्थान का दूसरा परिसर ओडिशा के ढेंकानाल में 1993 में शुरू किया। देश में जन संचार और पत्रकारिता प्रशिक्षण और शोध की बढ़ती ज़रूरतों के मद्देनज़र इसकी आवश्यकता महसूस हुई। भुवनेश्वर से करीब 80 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित यह दर्शनीय और मनोहारी केंद्र ढेंकानाल, रेल और सड़क मार्ग (एनएच-55) दोनों से जुड़ा हुआ है और यह मध्य ओडिशा के आतंरिक ग्रामीण और भील इलाके के पास पड़ता है।

भारतीय जन संचार संस्थान का ढेंकानाल परिसर अगस्त 1993 में, अंग्रेज़ी पत्रकारिता की 40 सीटों वाले स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के साथ एक किराए की जगह पर शुरू हुआ। संस्थान अपने स्थायी परिसर में वर्ष 2000 में स्थानांतरित हुआ। 7.5 एकड़ में फैला यह नया परिसर पानिओहाला पर्वत की घाटी में बसा हुआ है। आने वाले वर्षों में धीरे धीरे सीटों की संख्या बढ़ाई जाती रही और अब वर्तमान क्षमता 62 सीटों की है।

1993 से लेकर अब तक, आई आई एम सी के ढेंकानाल परिसर से 1200 से अधिक पेशेवर पत्रकार प्रशिक्षण ले चुके हैं। इनमें से ज़्यादातर आज मुख्यधारा के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों, सरकारी संस्थानों और गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं। एक बहुत बड़ा वर्ग जन संपर्क और विज्ञापन के क्षेत्र से भी जुड़ा हुआ है। इनमें से कई लोग खुद के मीडिया संस्थान शुरू कर चुके हैं जबकि कुछ अध्यापन के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

ओडिया भाषा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: भारतीय जन संचार संस्थान के ढेंकानाल परिसर में शैक्षणिक वर्ष -2002 2001 में ओडिया मीडिया की ज़रूरतों के मद्देनज़र 15 सीटों के साथ ओडिया पत्रकारिता वाले स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत की गई। अब वर्तमान क्षमता 23 सीटों की हैं। जन संचार संस्थान द्वारा हिंदी के बाद शुरू किया जाने वाला यह भाषाई पत्रकारिता का दूसरा पाठ्यक्रम है।

क्षेत्रीय मीडिया उद्योग इस पाठ्यक्रम के संचालन में पूरा सहयोग दे रहा है। संपादक और कई वरिष्ठ पेशेवर मीडिया पत्रकार अक्सर ढेंकानाल परिसर में आकर छात्रों के साथ अंतर्संवाद करते हैं। इस संस्थान के कई छात्रों ने ओडिशा के प्रमुख मीडिया संस्थानों में अपनी पहचान बनाई है। मीडिया से जुड़े मुद्दों पर छात्रों के ज्ञान में बढ़ोतरी करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों और विशेषज्ञों को भी समय-समय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ढेंकानाल परिसर के सक्रिय संकाय के सदस्यों के अलावा ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन और पी आई बी जैसे अलग-अलग मीडिया संस्थानों से भी कई अतिथियों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाता है ताकि वो विद्यार्थियों के साथ ज्ञान साझा कर सकें। पत्रकारिता और मीडिया में एक अलग पहचान बना चुके विख्यात लोगों और विशेषज्ञों को भी विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु व्याख्यानों के लिए आमंत्रित किया जाता है। पत्रकारिता में कार्यरत पत्रकारों को भी प्रशिक्षण देने हेतु बुलाया जाता है।

शैक्षणिक गतिविधियां

इस कैंपस के छात्रों का अकादमिक प्रदर्शन शुरू से ही सराहनीय रहा है। यहाँ कक्षाओं में पढ़ाई पर जोर की अपेक्षा कक्षा कार्यशालाओं सहित फ़ील्ड में जाकर कार्य करने पर अधिक बल दिया जाता है।

वर्ष 2016-2017 के दौरान, छात्रों ने कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को कवर किया। उन्होंने भुवनेश्वर में आयोजित अंजलि (ANJALI) अंतर्राष्ट्रीय बाल महोत्सव और खुर्दा में आयोजित नाट्य चेतना थिएटर फ़ेस्टिवल के बारे में बुलेटिन प्रसारित किए। उन्होंने पारादीप में कैनफ़ेस्ट (15वां राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव) के आयोजकों की मीडिया कवरेज में मदद की। छात्रों ने भुवनेश्वर में आयोजित ओडिशा विकास सम्मेलन 2017 और सोशल इनोवेशन समिट में भाग लिया और उसे कवर भी किया। छात्रों ने 20 से 26 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित हुए पहले पुरी बीच कार्निवल को भी कवर किया।

लैब जर्नलों के चार अंकों के प्रकाशन के अलावा, छात्रों ने अगस्त के मध्य से लेकर शैक्षणिक सत्र के अंत तक प्रत्येक कार्य दिवस पर अंग्रेज़ी और ओडिया में दैनिक समाचारपत्रों को प्रकाशित किया। संस्थान की वीडियो प्रयोगशाला से टेलीविजन पर समाचार प्रस्तुति एक अन्य नियमित अभ्यास था, जो उनकी दैनिक शैक्षणिक गतिविधि में शामिल था।

विडियो अभ्यास की तरह ही संस्थान की ऑडियो प्रयोगशाला से ऑडियो समाचार प्रस्तुति भी की गयी। उन्होंने ब्लॉग और वेबसाइट पर काम करने और उन्हें अपडेट करने का काम भी साप्ताहिक अभ्यास के तौर पर किया। इन अभ्यासों का उद्देश्य छात्रों को प्रिंट, वीडियो, ऑडियो, वेब और सोशल मीडिया में प्रशिक्षित करना था। उनकी कुछ रेडियो प्रस्तुतियों को ऑल इंडिया रेडियो, कटक और रेडियो नमस्कार, कोणार्क द्वारा प्रसारित किया गया।

छात्रों ने सामयिक मुद्दों पर प्रस्तुतियां तैयार कीं, जो उनकी दैनिक शैक्षणिक गतिविधि का हिस्सा थीं। इन गतिविधियों ने उन्हें शोध में उत्कृष्ट और प्रस्तुति कौशल में प्रखर बनाया। टीवी न्यूज़ कैप्सूल, रेडियो फ़ीचर और वृत्तचित्र प्रस्तुत करने में उनकी पकड़ बनी।

उन्होंने ब्लॉग्स और वेबसाइट्स तैयार कीं। उन्हें समाचार संग्रह, उसके कलेवर और प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना भी सिखाया गया।

संगोष्ठियां एवं कार्यशालाएं

भारतीय जन संचार संस्थान, ढेंकानाल कैंपस ने शैक्षणिक वर्ष में कई कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित कीं, जिसमें शामिल हैं:

1. 4 अगस्त, 2017 को "रीज़नल लैंग्वेज जर्नलिज़्म, प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी।
2. 16 नवंबर, 2016 को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर ढेंकानाल यूनियन ऑफ़ जर्नलिस्ट्स के सहयोग से "प्रेस काउंसिल ऑफ़ इंडिया इन द डिजिटल एरा" पर संगोष्ठी।
3. 22 नवंबर, 2016 को भारतीय प्रशासनिक सेवा संस्थान (आई आई पी ए), ओडिशा चैप्टर के सहयोग से "सिविल सोसायटी ऐंड पब्लिक सर्विस" पर संगोष्ठी।
4. 22 जनवरी को ट्रस्ट (TRUST), भुवनेश्वर के साथ मिलकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा को दूर करने के लिए संगोष्ठी।
5. 31 जनवरी, 2017 को भुवनेश्वर में विकीपीडिया की टीम के सहयोग से "राइटिंग फ़ॉर विकीपीडिया" पर कार्यशाला।
6. 9 फ़रवरी, 2017 को भुवनेश्वर के सहयोग से "अंडरस्टैंडिंग द स्ट्रक्चर एंड प्रोसेस ऑफ़ स्टेट बजट एंड बजट ऐन इन्स्ट्रूमेंट फ़ॉर डिवेलपमेंट" पर कार्यशाला।
7. 20 फरवरी, 2017 को प्रेस काउंसिल ऑफ़ इंडिया (पीसीआई) और ओडिशा पत्रकार संघ के सहयोग से न्यायमूर्ति सी के प्रसाद, अध्यक्ष, पीसीआई, नई दिल्ली की अध्यक्षता में "प्रेस स्वतंत्रता की रक्षा में पीसीआई की भूमिका" पर संगोष्ठी।
8. 5 मार्च, 2017 को कला परिषद, ढेंकानाल के सहयोग से "थियेटर : अ यूनीक मीडियम ऑफ़ कम्युनिकेशन" पर संगोष्ठी।

शिक्षण कार्यक्रम

भारतीय जन संचार संस्थान**,** ढेंकानाल कैंपस द्वारा वर्ष 2016-2017 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम :

1. 28 नवंबर से 2 दिसंबर 2016 तक ओडिशा सरकार के जन संपर्क अधिकारियों के लिए एक सप्ताह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. 13 जनवरी, 2017 को भारतीय विद्या भवन, कोलकाता के छात्रों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. 20 से 24 मार्च, 27 से 31 मार्च और 8 से 12 मई, 2017 के बीच ओडिशा स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के डीजेएमसी छात्रों के लिए तीन विशेष मीडिया प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।

अन्य गतिविधियां

छात्रों के लिए कई अन्य पाठ्यक्रम गतिविधियां आयोजित की गईं। संस्थान के स्थापना दिवस और हिंदी दिवस के अवसरों पर

वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों ने 19 अगस्त को विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस मनाया। 26 जनवरी को डिस्ट्रिक्ट राइटर्स फ़ोरम, ढेंकानाल के सहयोग से एक साहित्यिक उत्सव 'शब्दांजली' का आयोजन किया गया। शैक्षणिक वर्ष के दौरान शब्दांजली के दो और संस्करण आयोजित किए गए।

प्रो. के. एम. श्रीवास्तव की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर, उनकी स्मृति में एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। 29 अगस्त, 2016 को आंध्र विश्वविद्यालय के प्रो डी. वी. आर. मूर्ति द्वारा प्रथम प्रो. के. एम. श्रीवास्तव मेमोरियल व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान का विषय था "भारतीय पत्रकारिता की परंपरा"।

छात्रों ने एआईआर कटक के लिए एक घंटे का विविधतापूर्ण कार्यक्रम तैयार किया, जिसे दो भागों में युववाणी पर प्रसारित किया गया।

पुरस्कार जीतने वाली फिल्मों और वृत्तचित्रों को नियमित आधार पर प्रदर्शित किया गया। बाद में आयोजित सत्रों में इन फिल्मों और वृत्तचित्रों द्वारा उठाए गए विषयों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

प्लेसमेंट

वर्ष 2016-2017 के शैक्षणिक सत्र के दौरान कैंपस प्लेसमेंट्स का सत्र छात्रों के लिए अच्छा रहा। केंद्रीयकृत परिसर चयन प्रक्रिया के बाद दिल्ली और ढेंकानाल से डिप्लोमा लेने वाले अंग्रेज़ी पत्रकारिता के 70% से अधिक छात्रों को अलग-अलग मीडिया संगठनों में रोजगार मिला। ओडिशा पत्रकारिता पाठ्यक्रम के 17 छात्रों में से नौ छात्रों को ओडिशा के अख़बारों या टेलीविजन चैनलों में रोजगार मिला। इनमें प्रमेया, ओटीवी, इनाडु डिजिटल और पंचायत राज विभाग के तहत ओडिशा सरकार की परियोजना ओडिशा आजीविका मिशन-ओडिशा लाइवलीहुड मिशन (ओएलएम-OLM) शामिल हैं।

प्रकाशन

ढेंकानाल कैंपस ने इस शैक्षणिक वर्ष में चार मोनोग्राफ़ प्रकाशित किए। श्री सुबीर घोष द्वारा लिखित ‘‘हिस्टरी ऑफ़ पब्लिक रिलेशन एंड क्राइसिस मैनेजमेंट’’ के अतिरिक्त ओडिया भाषा में एक मोनोग्राफ़ "संबाद प्रसंगा -2" भी प्रकाशित किया गया। इसके अलावा मीडिया माइंड-4 (ढेंकानाल परिसर में दिए गए व्याख्यानों का संग्रह) भी जारी किया गया।

भारतीय जन संचार संस्थान के आइज़ोल परिसर की गतिविधियां

भारतीय जन संचार संस्थान का भारत के उत्तर-पूर्व में मिज़ोरम में स्थित आइज़ोल परिसर 2011 से शुरू हुआ। इस परिसर से निकले कई छात्रों ने देश भर के तमाम प्रमुख मीडिया संगठनों में कामयाबी हासिल करते हुए इस प्रशिक्षण केंद्र की विशेष पहचान बनाई है। अगस्त, 2016-17 में शुरू हुए शैक्षणिक सत्र के छात्रों ने भी कामयाबी का यह सिलसिला कायम रखा। इस सत्र के दौरान कई जानेमाने विशेषज्ञ पत्रकारों और अतिथि संकाय ने भी संस्थान का दौरा किया और छात्रों को संबोधित किया।

संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश और अपर महानिदेशक श्री मयंक अग्रवाल द्वारा आइज़ोल परिसर का दौरा इस वर्ष

की प्रमुख घटना रही। दिल्ली स्थित मुख्यालय में संस्थान के कार्यों तथा अपनी तमाम व्यस्तताओं और ज़िम्मेदारियों के बावजूद श्री सुरेश ने यहां का दौरा किया और स्थायी परिसर के निर्माण कार्य की खुद जांच की। इसके अलावा उन्होंने विद्यार्थियों और कर्मचारियों की दिक्कतों का भी जायज़ा लिया। श्री सुरेश ने इंजीनियरों के एक दल के साथ मिज़ोरम विश्वविद्यालय परिसर में बन रहे संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण कार्यस्थल का भी दौरा किया। यह निर्माण कार्य 2018 के अंत तक पूरा होना तय है।

संस्थान के संकाय के सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत में महानिदेशक श्री सुरेश ने न केवल छात्रों को अमूल्य मार्गदर्शन दिया बल्कि इस संस्थान के भविष्य को लेकर अपना नज़रिया भी पेश किया। मिज़ोरम विश्वविद्यालय के जन संचार विभाग द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी में श्री सुरेश ने मुख्य वक्ता के तौर पर भाषण भी दिया, उन्होंने पत्रकारिता के व्यवसाय से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार भी व्यक्त किए। आइज़ोल के दूरदर्शन केंद्र के साथ हुए एक साक्षात्कार में उन्होंने भारत के उत्तर पूर्व और मिज़ोरम राज्य के संदर्भ में भारतीय जन संचार की महत्ता पर अपना दृष्टिकोण पेश किया।

कोर्स के दूसरे सत्र के दौरान छात्रों ने कोलकाता के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ़ोटोग्राफ़ी के प्रणब बसु द्वारा आयोजित दो दिवसीय फ़ोटो वर्कशॉप में भाग लिया। यह छात्रों के लिए काफ़ी बेशकीमती अनुभव रहा और यहां उन्हें फ़ोटोग्राफ़ी से संबंधित जानकारियों समेत मूलभूत सिद्धांतों जैसे लाइटिंग व फ़्रेमिंग को जानने और समझने का अनुभव प्राप्त हुआ। छात्रों ने मिज़ोरम सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले वार्षिक पर्यटन उत्सव, एंथुरियम उत्सव को भी कवर किया और अपने लैब जर्नल के लिए काफ़ी सामग्री एकत्रित की। प्रकाशित की गई सामग्री में कई रिपोर्ट और सुंदर फ़ोटो निबंध शामिल थे।

शैक्षणिक तौर पर छात्रों ने रेडियो और टेलीविजन के लिए न्यूज़ बुलेटिन के अलावा 10 लैब जर्नलों का प्रकाशन किया। छात्रों के दो समूहों ने दो नयी वेबसाइट्स भी बनायीं और उनका निरंतर अद्यतन भी किया। दिल्ली के परिसर में आयोजित केंद्रीयकृत चयन प्रक्रिया के दौरान, आइज़ोल परिसर के तीन छात्रों को रोजगार का प्रस्ताव मिला।

भारतीय जन संचार संस्थान के अमरावती परिसर की गतिविधियां

भारत के पश्चिमी भाग में स्थित संस्थान के अमरावती केंद्र के परिसर में अंग्रेज़ी पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा कर रहे छात्रों को पत्रकारिता, संपादन, टीवी, न्यू मीडिया, रेडियो और फ़ोटोग्राफ़ी जैसी विधाओं के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण और अभ्यास करवाया गया। साल भर के दौरान पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर लेक्चर देने के लिए मीडिया विशेषज्ञों को परिसर में आमंत्रित किया गया।

संस्थान के दैनिक प्रकाशन के अलावा शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने परिसर में मासिक और 12 साप्ताहिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जो शहर में हो रही गतिविधियों की कवरेज पर आधारित थी। इसके अलावा छात्रों ने अमरावती में आयोजित उत्सवों, राष्ट्रीय प्रेस दिवस और राज्य की राजनीति पर विशेष अंकों का भी प्रकाशन किया। शहर की गतिविधियों और घटनाओं को फ़ोटोग्राफ़ी सीख रहे छात्रों ने अपने कैमरे में कैद किया।

पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के लिए छात्रों ने चेनुष्ठा गांव पर एक वृत्तचित्र भी बनाया। यह वृत्तचित्र गांव के विकास पर आधारित था। इसके अलावा उन्होंने मुंबई के एक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता के लिए, तीन मिनट की एक लघु फ़िल्म बनाई। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार इसे 36 घंटे के भीतर बनाकर भेजने की शर्त

को भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

छात्रों के तीन समूहों ने टेलीविजन पाठ्यक्रम के लिए तीन वृत्तचित्र भी तैयार किए। उन्होंने शहर में प्रवासियों, पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों के व्यापार और स्थानीय व्यंजन ''मांडे'' जैसे विषयों को कवर किया। इन वृत्तचित्रों के लिए शोध, फिल्मांकन, संपादन और रिकॉर्डिंग आदि का सारा काम छात्रों ने स्वयं ही किया। रेडियो अभ्यास-सत्र के लिए छात्रों ने बुलेटिन तैयार किए।

मार्च 2017 में नागपुर में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पांच छात्रों ने हिस्सा लिया। उन्होंने न्यू मीडिया पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम से जुड़े कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने वाशिम ज़िले के बंबार्डा गांव का दौरा किया। वहां उन्होंने सिंचाई के क्षेत्र में काम कर रहे उद्यमियों, कृषि समिति के सदस्यों और किसानों से बातचीत की। यात्रा से लौटने के बाद उन्होंने इस यात्रा पर एक विशेष अंक भी प्रकाशित किया।

न्यू मीडिया के लिए, छात्रों ने अपने मोबाइल फ़ोन इस्तेमाल करके छोटी ख़बरें तैयार कीं और ब्लॉग चलाने और समाचारों के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स के संचालन का तरीका सीखा।

हर वर्ष की तरह छात्रों ने 2 अक्तूबर को पास के पहाड़ी पर्यटन-स्थल चिखलदरा और सेवाग्राम का दौरा किया।

भारतीय जन संचार संस्थान के जम्मू परिसर की गतिविधियां

भारतीय जन संचार संस्थान के जम्मू परिसर में छात्रों को कक्षाओं में सैद्धांतिक पढ़ाई तो प्रदान की ही गई, व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने और अध्ययन के लिए कक्षाओं के बाहर भी स्थानीय दौरों पर ले जाया गया। छात्रों के लिए पैनल चर्चा और संवादात्मक सत्र भी आयोजित किए गए। पत्रकारिता के विशेषज्ञों द्वारा रेडियो और टेलीविजन के लिए समाचार लेखन, भाषा पत्रकारिता, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से की जाने वाली रिपोर्टिंग, टीवी न्यूज़ प्रोडक्शन और ब्रेकिंग न्यूज़ इत्यादि पर विशेष कक्षाएं आयोजित की गईं। व्यावहारिक ज्ञान के लिए कोर्स के दौरान संपादन कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

स्वर्गीय प्रोफ़ेसर श्री के एम श्रीवास्तव की स्मृति में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसका विषय था 'कन्फ़्लिक्ट रिपोर्टिंग': "इज़ द मीडिया बायस्ड ऑर ऑब्जेक्टिव"। इस परिचर्चा का संचालन दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष (2015-16) श्री राहुल जलाली ने किया। परिचर्चा में प्रेस क्लब ऑफ़ जम्मू के अध्यक्ष, जम्मू में टाइम्स नाउ, आज तक, ज़ी न्यूज़, पीटीआई इत्यादि प्रमुख समाचार चैनलों के ब्यूरो प्रमुखों के अलावा जन संपर्क अधिकारी, रक्षा (पीआरओ-डिफ़ेंस) और राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन/पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर भी शामिल थे। जम्मू विश्वविद्यालय और जम्मू के आई आई एम सी के छात्रों ने इसमें बड़ी संख्या में भाग लिया।

छात्रों ने जम्मू और कश्मीर के प्रमुख चुनाव अधिकारी के साथ चुनाव संबंधी कई मुद्दों पर विस्तृत बातचीत की। प्रमुख चुनाव अधिकारी ने इस अवसर पर योग्य मतदाताओं की चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने और आदर्श आचार संहिता जैसे प्रमख मुद्दों पर भारतीय चुनाव आयोग की भूमिका पर प्रकाश डाला।

21 जून, 2017 को भारतीय जन संचार संस्थान के उत्तरी क्षेत्रीय परिसर, जम्मू ने जम्मू के ही चन्नी हिम्मत के "एवर ग्रीन पार्क" की "मॉर्निंग वॉकर्स एसोसिएशन" (Morning Walkers Association) के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

किया। खराब मौसम के बावजूद चन्नी हिम्मत के पंच मंदिर में इस समारोह का आयोजन पूरे उत्साह और समर्पण की भावना से किया गया। इसमें जन संचार संस्थान द्वारा की गई पहल का महिलाओं समेत सभी उपस्थित लोगों ने काफ़ी स्वागत किया। इस अवसर पर यह घोषणा की गई कि अब यह आयोजन भविष्य में सालाना तौर पर आयोजित होता रहेगा। स्थानीय समाचारपत्रों ने इस आयोजन की विस्तार से कवरेज की।

जम्मू परिसर में महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान का दौरा:

संस्थान के महानिदेशक श्री के जी सुरेश ने फ़रवरी, 2017 में जम्मू परिसर का दौरा किया। उन्होंने संकाय और विद्यार्थियों से अपने रिपोर्टिंग जीवन के अनुभव भी बांटे। श्री सुरेश ने फ़ील्ड रिपोर्टिंग के दौरान तथ्यों की जांच-पड़ताल और खबर के स्रोत सूत्र से बातचीत पर बल दिया। उन्होंने स्थानीय मीडिया और पत्रकारों से भी मुलाकात और संवाद किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने केरन बंतलाब में बन रहे स्थायी कैंपस परिसर के निर्माण स्थल का भी दौरा किया और कार्य की प्रगति का आकलन किया।

जम्मू और कश्मीर सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने राज्य सरकार के निर्देश पर भारतीय जन संचार संस्थान को 15 एकड़ ज़मीन मुहैया करा दी है। इसका अधिग्रहण करने के बाद 1800 मीटर लंबी बाहरी दीवार के निर्माण का कार्य इस समय ज़ोरों पर है। इसके निर्माण का काम सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सिविल निर्माण खंड देख रहा है।

महानिदेशक का मानना था कि परिसर के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करते समय इस बात का ख़ास ख्याल रखा जाए कि निर्माण स्थल के कारण राज्य और इस इलाके या क्षेत्र का प्राकृतिक और नैसर्गिक माहौल भंग ना हो। इसके बाद संस्थान के महानिदेशक श्री के जी सुरेश ने राज्य मंत्री श्रीमती प्रिया सेठी और उच्च शिक्षा विभाग में सचिव तथा आयुक्त डॉ. असगर हसन समून और प्रभागीय आयुक्त श्री पवन कोतवाल से भी मुलाकात की। इन सभी ने जम्मू के केरन में बनने वाले स्थायी परिसर के लिए हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

संस्थान के परिसर, छात्रावास और आसपास के इलाकों में गांधी जयंती के अवसर पर एक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इसमें संकाय, स्टाफ़ और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात करके उनसे इलाके को साफ़ और स्वच्छ रखने का अनुरोध किया। आसपास के इलाकों में फैले कूड़े-कचरे को हटाने के संस्थान के अभियान का सभी ने स्वागत किया।

भारतीय जन संचार संस्थान के कोट्टयम परिसर की गतिविधियां

वर्ष 2016-17, भारतीय जन संचार संस्थान के कोट्टयम परिसर के लिए काफ़ी उल्लेखनीय रहा। इस साल ना केवल शैक्षणिक पहल करते हुए कई नए कदम उठाए गए बल्कि भवनों के निर्माण कार्य में भी काफ़ी तेज़ी आई। इसके अलावा छात्रों का प्लेसमेंट का प्रतिशत काफ़ी अच्छा रहा। साल भर के दौरान संकाय के सदस्यों के अलावा अच्छी संख्या में विभिन्न दिग्गज पत्रकारों और विशेषज्ञों ने भी परिसर के छात्रों को व्याख्यान दिए और उनके ज्ञान में समृद्धि की।

कोट्टयम के अंग्रेज़ी पत्रकारिता के चौथे सत्र के सफल रहे विद्यार्थियों को नियुक्तियां हासिल करने में खासी सफलता मिली। संस्थान

के दिल्ली परिसर में आयोजित प्लेसमेंट सप्ताह में परिसर के विद्यार्थियों का अच्छा नियोजन हुआ। लगभग 46 प्रतिशत का प्लेसमेंट दिल्ली स्थित पी.टी.आई. के मुख्यालय में ही हुआ। कुछ अन्य को टाइम्स ऑफ़ इंडिया समूह और ए पी एन समेत अन्य संस्थानों में रोजगार मिला। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक चले इस प्लेसमेंट अभियान में हिस्सा लेने वालों में करीब 86 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्लेसमेंट हासिल हुआ।

मेंटरशिप पहल

भारतीय जन संचार संस्थान का एक सफल और अभूतपूर्व प्रयास मेंटरशिप पहल है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित एक पहल है। भारतीय जन संचार संस्थान कोट्टयम का यह अनूठा तरीका सुनिश्चित करता है कि छात्र नौकरी हासिल होने के पहले ही कुशलता और सक्षमता हासिल कर लें। परिसर में प्रत्येक छात्र को एक श्रमजीवी पत्रकार मेंटर के तौर पर मार्गदर्शन प्रदान करता है। कोर्स की समाप्ति और दिल्ली में आयोजित होने वाले नियोजन शिविर के बीच के अंतराल में छात्रों को द हिंदू, आउटलुक मैगज़ीन और द न्यू इंडियन एक्सप्रेस में भेजा गया। वहां इन विद्यार्थियों ने मुख्यधारा के राष्ट्रीय मीडिया में कामकाजी पत्रकारों के साथ काम किया और उन्हें अपने लेखों, ख़बरों या खुद संपादित की गई खबरें प्रकाशित करने का मौका मिला। यह अनुभव छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाने में काफी सहायक सिद्ध हुआ है। साक्षात्कारों के दौरान यह स्पष्ट रूप से जाहिर होता है कि प्रतिष्ठित अख़बारों में काम करने और लेख छपने का उनके आत्मविश्वास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दरअसल भारतीय जन संचार संस्थान कोट्टयम में पत्रकारिता कार्यक्रम की सफलता का श्रेय मज़बूत व्यावहारिक दृष्टि तथा संचार के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों के साथ अंतर्संवाद को दिया जा सकता है।

पम्पाड़ी, कोट्टयम में नया परिसर:

कोट्टयम के पम्पाड़ी में वर्ष 2016-17 में संस्थान के नए परिसर के निर्माण का कार्य काफ़ी तेज़ गति से चल रहा है। 10 एकड़ में फैले इस मनोहारी और दर्शनीय परिसर का अब तक लगभग 55 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जल्दी ही संस्थान के क्षेत्रीय परिसर की स्थायी इमारत में स्थानांतरित होने की संभावना है।

विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भारतीय जन संचार संस्थान गुट निरपेक्ष एवं विकासशील देशों के संचार क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवर कर्मियों और मिड कैरियर श्रमजीवी पत्रकारों के लिए वर्ष में दो बार विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करता है। इस पाठ्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक) तथा विशेष राष्ट्रमंडल अफ़्रीकी सहायता योजना (स्काप) कार्यक्रमों के अंतर्गत किया जाता है।

चार महीने की अवधि के इस पाठ्यक्रम का आयोजन वर्ष में दो बार जनवरी से अप्रैल तथा पुनः अगस्त से नवंबर (दिसंबर) तक किया जाता है। वर्ष 2016-17 के दौरान 45 विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। संस्थान के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से अब तक 127 देशों के 1524 पत्रकार लाभान्वित हुए हैं।

भारतीय जन संचार संस्थान के विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा कोर्स की मांग काफ़ी ज़्यादा है। अफ़्रीका, एशिया, पूर्वी यूरोप और लातिनी अमरीका के मिड कैरियर पत्रकारों के लिए काफ़ी मददगार है। इस कोर्स में एक सत्र में 25 सीट होती हैं। विकास पत्रकारिता कार्यक्रम के प्रारूप को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह कार्यरत पत्रकारों और संचार कर्मियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करे। इससे उन्हें विकास और आर्थिक मुद्दों की रिपोर्टिंग करने में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षमता हासिल होती है।

कोर्स का प्रारूप विकास की प्रक्रिया और संचार के साधनों के बीच मौजूद महत्वपूर्ण संबंध, उसकी महत्ता और जानकारियों के निरंतर प्रचार-प्रसार की ज़रुरत को उजागर करने के लिए व्यापक रूप से तैयार किया गया है। संस्थान के संकाय, प्रख्यात विद्वानों और मीडिया तथा विकास पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ कक्षा-व्याख्यानों के द्वारा छात्रों को इसकी अहमियत से परिचित कराते हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान, 1 अगस्त से 27 नवंबर, 2016 तक विकास पत्रकारिता में 66 वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 14 विभिन्न देशों से आए 22 पत्रकार छात्रों के साथ आयोजित किया गया। कोर्स का उद्घाटन आई आई एम सी के महानिदेशक श्री के जी सुरेश ने किया। उन्होंने छात्रों के साथ विस्तार से बातचीत भी की। विदाई समारोह का आयोजन 22 नवंबर, 2016 को हुआ जिसमें विदेश मामलों के राज्य मंत्री जनरल (डॉ) वी के सिंह (सेवानिवृत्त), माननीय मुख्य अतिथि थे।

विकास पत्रकारिता में 67वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2 जनवरी से 30 अप्रैल, 2017 तक 19 विभिन्न देशों (दो नए देश लीबिया और मॉन्टेनीग्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए) से आए 23 छात्रों के साथ आयोजित किया गया। कोर्स का उद्घाटन सूचना और प्रसारण मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा 17 जनवरी, 2017 को पी आई बी, कॉन्फ्रेंस हॉल, शास्त्री भवन, नयी दिल्ली में किया गया।

अल्पकलीन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और सम्मेलन

भारत और अन्य विकासशील देशों के संदर्भ में मीडिया और जन संचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को बेहतर समझने और विभिन्न संबंधित क्षेत्रों की उभरती हुई प्रवृत्तियों और तकनीकों के प्रति संबद्ध कर्मियों में जागरूकता बढ़ाने और उनके कौशल में वृद्धि करने के उद्देश्य से संस्थान, संचार से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

संस्थान सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों के कर्मियों के लिए नियमित अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। विभिन्न राज्यों के रक्षा अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों; और केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संस्थानों के कर्मियों की व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान द्वारा कई विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। और साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संगठनों में काम करने वालों को भी इस कोर्स में प्रवेश दिया जाता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, संस्थान ने ऐसे सात पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया, इसमें रक्षा सेवा अधिकारियों के लिए पांच पाठ्यक्रम शामिल थे। इन पाठ्यक्रमों से कुल 163 अधिकारी/प्रशिक्षु लाभान्वित हुए, जिसमें जनरल रैंक के रक्षा सेवा

अधिकारी भी शामिल थे। वर्ष 2016-17 के दौरान आयोजित लघु पाठ्यक्रमों के विवरण की सूची, परिशिष्ट 'क' में शामिल की गई है। अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने ऐसे कुल 688 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है। इस दौरान भारत और विदेश के 14,414 से अधिक कर्मी प्रशिक्षित किए हैं।

शोध संचार विभाग

वित्तीय वर्ष 2016-2017 के दौरान शोध गतिविधियां

संस्थान के संचार शोध विभाग (डीकोर) का पूरा ध्यान इस मूल बात पर केंद्रित है कि संचार माध्यमों का व्यवस्थित अध्ययन शैक्षणिक गतिविधियों का एक अहम अंग रहे। पत्रकारिता और जन संचार में शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित परंतु प्रमुख संस्थान होने के नाते इसकी अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। इस तरह के शोध और अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जन संचार माध्यम व संचार कार्यक्रमों की पहुंच और प्रभाव को समझना और उनका विश्लेषण करना है।

डीकोर ने पिछले 50 वर्षों में संचार से जुड़े विषयों पर शोध के क्षेत्र में विभिन्न विषयों और विषय-वस्तुओं पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनमें स्वास्थ्य, चुनाव, बहुमाध्यम अभियान, सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण, गैर पारंपरिक ऊर्जा, पर्यावरण, फिल्म सेंसरशिप, एचआईवी/एड्स, गांवों से शहरों में पलायन, पंचायती राज सशक्तीकरण जैसे 200 से अधिक शोध अध्ययन शामिल हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा शुरू किए गए या चलाए जा रहे मीडिया अभियानों का मूल्यांकन करना डीकोर की शोध गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है।

दरअसल डीकोर मीडिया उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ वक्ताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की एक टीम के साथ मिलकर काम करती है। आपसी सहयोग के द्वारा यह टीम नए-नए विषयों पर शोध अध्ययन करने की पहल करती है। इसके अतिरिक्त यह टीम शैक्षणिक प्रस्तावों और अपनाए जाने वाले मानकों, प्रक्रियाओं तथा नीतियों का भी निर्धारण करती है।

1. परियोजनाएं और प्रशिक्षण कार्यशालाएं

क) राष्ट्रीय शोध परियोजनाएं

पंचायती राज संस्थानों के सशक्तीकरण के लिए एक संचार रणनीति तैयार करना

(पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार)

संस्थान ने मिशन संचालन योजना समीक्षा यानी एम ओ पी आर (मिशन ऑपरेशंस प्लानिंग रिव्यू-MoPR) पंचायती राज मंत्रालय के लिए संचार क्षेत्र में स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर अपनाई जाने वाली रणनीति विकसित की है। इस अभियान में किस योजना में क्या कमी है और कहां कमी है, जैसी बातों की पहचान की गई है। इसमें उस विशेष क्षेत्र के लिए अपनाए जाने वाले कारगर संचार माध्यम का चयन, संचार संदेशों में समुचित बदलाव और विभिन्न स्तरों पर शीघ्रता से त्रुटि सुधार आदि जैसे मुद्दों पर ख़ास ध्यान दिया गया है।

संचार रणनीति का संपूर्ण ध्यान नॉलेज, एटिट्यूड एंड प्रैक्टिसिस यानी कैप (केएपी-KAP) को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक

योजना विकसित करना है। यह उस अभिकल्पना के अनुकूल है, जिसमें पंचायती राज संस्थान समेकित विकास के लिए उत्तरदायित्व को सक्षम करने और स्थापित करने के लिए विकेंद्रीकृत और सहभागिता वाले स्थानीय स्वशासन को प्राप्त करने की अवधारणा का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी सहभागी मिल कर प्रयास करते हैं।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों में संचार माध्यमों और संचार व्यवस्था परिस्थितियों में आ रही बाधाओं व रुकावटों तथा खासियतों की जांच और पहचान करने के लिए कार्यक्षेत्र में विशेष अध्ययन किया गया। हरियाणा के पटौदी ब्लॉक और जम्मू-कश्मीर के जम्मू और उधमपुर ज़िले में 'ग्राम उदय अभियान' के आयोजन की जांच करने के लिए अतिरिक्त अध्ययन किया गया।।

ख) राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रभावी पेयजल और स्वच्छता कार्यक्रम प्रबंधन के लिए न्यू मीडिया टूल का सहभागी संचार दृष्टिकोण और उपयोग

(पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधिबद्ध)

संचार में क्षमता निर्माण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमुख संस्थान के नाते आई आई एम् सी ने पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के लिए पंजाब, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा और उत्तराखंड के प्रतिभागियों के लिए तीन दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रशिक्षण में जिन मुद्दों पर ख़ास ध्यान दिया गया, वो थे:-

- पेयजल और स्वच्छता (डीडब्लूएस-DWS) कार्यक्रम की भागीदारी की निगरानी और मूल्यांकन
- संचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए पारस्परिक संचार कौशल
- सामुदायिक जागृति और भागीदारी के लिए न्यू मीडिया और डिजिटल साधनों का इस्तेमाल।

पेयजल और स्वच्छता कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण सामग्री का विकास

इसमें शामिल है:-

- सामुदायिक रेडियो पर पुस्तिका का विकास
- मूल्यांकन और स्थिति विश्लेषण संचार की आवश्यकता
- समस्या कुंजी और हल कुंजी
- सहभागिता आधारित अनुसंधान दृष्टिकोण मॉड्यूल: कार्यक्षेत्र में इस्तेमाल तकनीकें
- डिजिटल मीडिया: परंपरागत आई ई सी पद्धतियों से परे।

ग) राष्ट्रीय परियोजनाएं (वर्तमान)

1. उपभोक्ता सशक्तीकरण और व्यवहार परिवर्तन : "जागो ग्राहक जागो" मीडिया अभियान के प्रभाव का आकलन

(उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधिबद्ध)

शोध अध्ययन का उद्देश्य "जागो, ग्राहक जागो" संचार अभियान की प्रभावशीलता का आकलन करना है। उपभोक्ताओं में जागरूकता का स्तर बढ़ाने और अपने हकों की मांग करने के प्रति वो कितने सजग और प्रेरित हुए हैं तथा अपने लक्ष्य में अभियान ने कितनी सफलता हासिल की है, इसकी जांच और आकलन ऐसे अध्ययनों के मार्फ़त होती है। यह अध्ययन विभिन्न संचार माध्यमों पर चलाए गए इस अभियान से शिकायत निवारण प्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में जागरूकता पैदा होने, अभियान/ संदेश की प्रभावशीलता, उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण/नीयत में बदलाव, इसका उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला असर और प्रक्रियात्मक बाधाओं की जांच करता है। ये नतीजे इस वजह से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये नए बाज़ार केंद्रों के रूप में उभर रहे उन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक होंगे, जिनके लिए मीडिया योजना और रणनीति का अगला चरण तैयार किया जाना है।

2. राष्ट्रीय संचार नीति का मसौदा तैयार करना

डीकोर एक ऐसे राष्ट्रीय संचार नीति पत्र का मसौदा तैयार करने का प्रयास कर रहा है जो संविधान के दायरे में रहते हुए एक व्यापक संचार नीति होने की कसौटी पर खरा उतरे। मसौदा नीति पत्र सरकार और मीडिया संचार के पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए अन्य देशों में मौजूद नीतियों का विश्लेषण करेगा और भारत के लिए अनुकूलित प्रावधानों का प्रस्ताव देगा। संचार के क्षेत्र में तेज़ी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के मद्देनज़र इस पर ख़ास ध्यान देना ही एक दूरगामी दृष्टिकोण वाली नीति बनाने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

3. संचार शोध के 50 वर्षों का संकलन

भारतीय जन संचार संस्थान के संचार शोध अनुसंधानों के पचास वर्षों (1965-2015) का संकलन डिजिटल प्रारूप में तैयार किया जा रहा है।

घ) विशेष कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संगोष्ठियां

1. भारतीय जन संचार संस्थान ने 8-11 सितंबर, 2016 को दिल्ली में **विश्व मीडिया सम्मेलन** के आयोजन के लिए **ईस्ट वेस्ट सेंटर, हवाई, यूएसए** के साथ भागीदारी की। भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश उद्घाटन सत्र में वक्ता थे। संस्थान की प्रोफ़ेसर और डीकोर की सदस्य सुश्री डॉ. गीता बामजई, निम्नलिखित सत्रों में पैनलिस्ट थीं:-

- पत्रकारिता शिक्षा में रुझान और चुनौतियां
- भारत में भाषाई पत्रकारिता: नई मंजिलें और उभरती चुनौतियां

संगोष्ठी के दौरान भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा "भारत में भाषाई पत्रकारिता: नई मंजिलें और उभरती चुनौतियां" विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया जिसमें अपर महानिदेशक श्री मंयक कुमार अग्रवाल, सह प्राध्यापक श्री शिवाजी सरकार, श्रीमती शाश्वती गोस्वामी, सहायक प्राध्यापक सुश्री रिंकु पेगु पैनलिस्ट के रूप में थीं। इस सत्र का संचालन डॉ. आनंद प्रधान ने किया।

2. 19-21 सितंबर, 2016 के बीच यूनिवर्सिटी ऑफ़ ऑक्सफोर्ड में "पब्लिक हेल्थ जर्नलिज़्म" पर प्रायोगिक कार्यशाला

भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश और प्रोफ़ेसर गीता बामजई ने 19 से 21 सितंबर, 2016 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में नागरिक स्वास्थ्य पत्रकारिता (पब्लिक हेल्थ जर्नलिज़्म) पर प्रायोगिक कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने भारत में पत्रकारिता के छात्रों और मध्य स्तर के पत्रकारों के लिए सामुदायिक सहायता और प्रायोजन कार्यक्रम (सीएएसपी-CASP) को तेज़ी प्रदान करने के तौर-तरीकों की रूपरेखा पर चर्चा की।

कार्यशाला का उद्देश्य था:

- सार्वजनिक स्वास्थ्य पत्रकारिता पर आधारित सीएएसपी पाठ्यक्रम को ठीक करना
- थॉमसन रॉयटर्स की मेंटरशिप रणनीति को भारतीय स्थितियों और परिवेश में ढाल कर लागू करना
- ऑनलाइन और ई-पाठ्यक्रम विकसित करना
- स्वास्थ्य पर मीडिया कवरेज की आकलन प्रणाली
- दीर्घावधि प्रभाव का पता लगाने और आकलन करने के लिए योजना तैयार करना

प्रस्तावित: सीएएसपी कार्यक्रम के तहत स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2017-19):

भारत में मध्य स्तर के पत्रकारों और पत्रकारिता के छात्रों के लिए सामुदायिक सहायता और प्रायोजन कार्यक्रम (सी ए एस पी) को शुरू करने का प्रस्ताव है। इस कोर्स में जिन क्षेत्रों पर ख़ास ध्यान रखा जाएगा, वो निम्नलिखित हैं :

1. विकास के मुद्दों पर आधारित ऐसा पाठ्यक्रम, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य अहम विषय हो
2. समालोचनात्मक मूल्यांकन कौशल
3. अभ्यास-आधारित शोध पाठ्यक्रम
4. फ़ील्डवर्क एवं शोध निबंध

3. भारतीय जन संचार संस्थान की प्रोफेसर गीता बामजई ने यांगून में 25 और 26 अक्टूबर, 2016 को स्वान (SWAN) के आठवें वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया।

4. भारतीय जन संचार संस्थान ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम ओ ई एफ़ एंड सी सी) और बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड (बी सी आई एल) द्वारा 15 मार्च, 2017 को भारत में जैव सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को मज़बूत करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूनाइटेड नेशंस एन्वायरनमेंट प्रोग्राम)-यूएनईपी/वैश्विक पर्यावरण सुविधा (ग्लोबल एनवायरमेंट फेसिलिटी)-जीईएफ़ द्वारा समर्थित फ़ेज़ II बायोसेफ़्टी क्षमता निर्माण परियोजना को कार्यान्वित करने हेतु आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

- भारतीय जन संचार संस्थान ने आयोजित की गई प्रदर्शनी में भी भाग लिया और **"कपैसिटी बिल्डिंग इन कम्युनिकेटिंग साइंस एंड बायोसेफ़्टी"** परियोजना पर हासिल हुए परिणाम पेश किए।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम ओ ई एफ़ एंड सी सी) द्वारा कार्यान्वित यूएनईपी/जीईएफ़ द्वारा समर्थित फ़ेज़ II बायोसेफ़्टी क्षमता निर्माण परियोजना के तहत 7-8 अप्रैल, 2016 को "स्ट्रेंथनिंग द बायोसेफ़्टी कपैसिटी इन इंडिया एंड शेयरिंग ऑफ़ एक्स्पीरिएंसेज़ इन द रीजन" पर हुए क्षेत्रीय सम्मेलन में संस्थान की प्रोफ़ेसर गीता बामजई ने भाग लिया।

च) अंतर्राष्ट्रीय शोध कार्यक्रम (प्रस्तावित)

1. **दक्षिण एशिया क्षेत्र में मीडिया में महिलाओं पर क्षेत्रीय (दक्षिण एशिया) परियोजना: यूनेस्को-स्वान-आई आई एम सी (UNESCO-SWAN-IIMC)** की भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, मालदीव, अफ़गानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार और भूटान के परस्पर सहयोग से लागू की जाने वाली परियोजना।

प्रस्तावित परियोजना का लक्ष्य है:

- मीडिया में महिलाओं का चित्रण और उनसे जुड़े मुद्दों की जांच करना: अनुपस्थित, उपेक्षित या नकारात्मक प्रस्तुति
- नौकरी के अवसर, भूमिका और कार्यस्थल की परिस्थितियों के संदर्भ में मीडिया में काम करने वाली महिलाओं की स्थिति का जायज़ा लेना और आकलन करना
- मीडिया संगठनों और विज्ञापन एजेंसियों में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता का आकलन करना
- मीडिया संगठनों में महिलाओं के प्रति तय की गई संवेदनशील नीति और उन दिशानिर्देशों के पालन में अंतर का आकलन करना
- सभी नौ सहभागी देशों में कार्यान्वयन के लिए महिला संवेदनशीलता मापदंड का एक मानक विकसित करना

छ) अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

1. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के लिए आवश्यक कौशल क्षमता का प्रशिक्षण तथा मीडिया और मनोरंजन उद्योग से संबंधित पदों और नौकरियों से संबंधित कौशल क्षमता उपलब्ध कराना।

भारतीय जन संचार संस्थान फैकल्टी द्वारा अन्य अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी

इनके अलावा न्यू मीडिया और आई टी विभाग की प्रमुख डॉ अनुभूति यादव को कैलिफ़ोर्निया के सान मटेयो में अगस्त में एडमोडो द्वारा पैनल चर्चा में आमंत्रित किया गया। इस चर्चा में शिक्षकों में पेशेवर रवैया विकसित करने में अपनाए जाने वाले औपचारिक तथा अनौपचारिक तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

डॉ. सुरभि दहिया ने 3 मई 2016 को हेलसिंकी, फिनलैंड में आयोजित संगोष्ठी में "भारतीय पत्रकारों की सुरक्षा" विषय पर विश्व प्रैस फ्रीडम डे के अवसर पर एक पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. दहिया "जर्नलिज्म एजुकेशन" पर एक सत्र की अध्यक्षता भी की तथा लीसेस्टर, यूके में आयोजित "पत्रकारिता में नैतिक मुद्दों" पर एक पत्र भी प्रस्तुत किया।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश

2016-17 के शैक्षणिक वर्ष के लिए निम्नलिखित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया, मार्च 2016 में शुरू हुई। प्रमुख समाचारपत्रों में इसकी बाबत मार्च के महीने में ही विज्ञापनों का प्रकाशन किया गया। आवेदन प्राप्ति के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 10 मई, 2016 थी। स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी), दिल्ली
2. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), दिल्ली, ढेंकानाल, आइज़ोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम
3. विज्ञापन और जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
4. रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
5. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ओडिया), ढेंकानाल, ओडिशा
6. उर्दू पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (बाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर तक उन्नत किया गया), दिल्ली

उपरोक्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं में कुल 4733 आवेदन आए। इनमें से पाठ्यक्रम-वार 1945 ने पत्रकारिता (हिंदी) और (अंग्रेज़ी); 1229 ने रेडियो और टीवी पत्रकारिता; 1496 ने विज्ञापन एवं जन संचार पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन भेजे। उर्दू पत्रकारिता के लिए 12 और ओडिया कोर्स के लिए 51 आवेदन प्राप्त हुए।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों (ओडिया पत्रकारिता के अलावा) के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा 29 मई, 2016 को आयोजित की गई। यह प्रवेश परीक्षा पूरे देश में विभिन्न केंद्रों में आयोजित हुई - दिल्ली, अहमदाबाद, लखनऊ, पटना, कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, बंगलूरु, मुंबई, नागपुर, आइज़ोल, भोपाल, चेन्नई, जम्मू, कोच्चि, रायपुर, रांची और हैदराबाद। ओडिया पत्रकारिता स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा भुवनेश्वर में 30 मई, 2016 और उर्दू पत्रकारिता में डिप्लोमा कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा नई दिल्ली में 30 मई, 2016 को आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा के बाद जून-जुलाई 2017 में साक्षात्कार और समूह चर्चाएं आयोजित हुई। सभी क्षेत्रीय केंद्रों समेत दिल्ली में प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई और 1 अगस्त, 2016 को नई दिल्ली और सभी क्षेत्रीय परिसरों में ओरिएंटेशन लेक्चर के साथ सत्र की शुरुआत हुई।

49वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

वर्ष 2015-16 के शैक्षणिक सत्र के लिए सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का दीक्षांत समारोह भारतीय जन संचार संस्थान परिसर में 15 सितम्बर, 2016 को आयोजित हुआ। इस 49वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारत के केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री एवं शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन श्री वेंकैया नायडू थे। श्री नायडू ने इस अवसर पर दीक्षांत भाषण दिया।

विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के कुल 341 छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किये गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कारों से नवाज़ा गया।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी छात्रों की सूची **परिशिष्ट "ख"** में संलग्न है।

प्लेसमेंट

भारतीय जनसंचार संस्थान ने 15 फ़रवरी से 27 फ़रवरी, 2016 के दौरान प्लेसमेंट पखवाड़े का आयोजन किया। इस कैंपस प्लेसमेंट में 71 कंपनियों ने हिस्सा लिया। कुल 245 विद्यार्थियों को नौकरियां हासिल हुईं। 19 छात्रों को भुगतान सहित इंटर्नशिप मिली जबकि 16 को केवल इंटर्नशिप मिली, चार छात्रों को परिसर के बाहर से नौकरियां मिलीं।

51वां वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने अपना 51वां वार्षिक दिवस 17 अगस्त, 2016 को मनाया। यह भारतीय जन संचार संस्थान का 52वां स्थापना दिवस भी था। संस्थान के नई दिल्ली स्थित परिसर इस अवसर पर मैराथन दौड़, क्रिकेट मैच और म्यूज़िकल चेयर जैसी कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अलावा एक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। यह स्टाफ के सदस्यों और छात्रों के साझा प्रयास की वजह से संभव हुआ। स्थापना दिवस के मौके पर वरिष्ठ टीवी पत्रकार श्री रजत शर्मा को विशेष तौर पर भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस समारोह में संस्थान के अध्यक्ष और सूचना और प्रसारण मंत्रालय सचिव श्री अजय मित्तल मुख्य अतिथि थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली परिसर में 15 अगस्त, 2016 को 70वां स्वतंत्रता दिवस काफी धूमधाम और उत्साह से मनाया गया। संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश ने इस अवसर पर तिरंगा फ़हराया और छात्रों को समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्य बोध और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता और मन में इसको लेकर गहरी भावना बसाने की ज़रूरत पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए देशभक्ति से भरपूर फिल्म "द लीजेंड ऑफ़ भगत सिंह" का विशेष शो आयोजित किया गया। समारोह का एक मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम रहा। इसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गानों पर अपना ख़ास आयोजन पेश किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

संस्थान ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस 12 जनवरी, 2017 समेत उसी दिन होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर एक ख़ास कार्यक्रम का आयोजन किया। भव्य पैमाने पर आयोजित यह कार्यक्रम संस्थान ने सैम (SAM) के साथ संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर फ्यूज़न बैंड द्वारा – 'एटरनल ब्लिस (Eternal Bliss)' का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद के

जीवन पर आधारित यह प्रस्तुति बैले शैली में थी। गायक और नृत्य निर्देशक श्रेय खन्ना इस आयोजन के माध्यम से जादू भरा समां बाँधने में पूरी तरह कामयाब रहे।

स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला की पुन:शुरुआत

भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा इस साल स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला को फिर से शुरू करने के मद्देनज़र एक प्रमुख लेक्चर के लिए प्रोफेसर दया थुसू को आमंत्रित किया गया। प्रोफेसर थुसू इंटरनेशनल कम्युनिकेशन के प्रोफ़ेसर होने के अलावा लंदन की वेस्टमिनिस्टर यूनिवर्सिटी में शुरू हुए भारतीय मीडिया सेंटर के संस्थापक और सहनिदेशक भी हैं। 19 अगस्त, 2016 को आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर थुसू ने कम्युनिकेटिंग इंडियाज़ सॉफ़्ट पावर : बुद्धा टु बॉलिवुड' (Communicating India's Soft Power: Buddha to Bollywood) 'विषय पर अपना व्याख्यान पेश किया।

2 सितंबर, 2016 को एक ख़ास वार्ता का आयोजन किया गया। यह महिलाओं और बच्चों की साइबर सुरक्षा विषय पर थी। इसका आयोजन भारतीय जन संचार संस्थान ने इंडिया फाउंडेशन फॉर रूरल (स्टडीज़ इन्फोर्ड्स) के साथ मिल कर किया। अमरीका की साइबर कानून विशेषज्ञ वकील सुश्री पैरी आफ़ताब ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित किया। पैरी को हाल में तेजी से विकसित हो रहे इन्टरनेट कानून के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने के लिए ख्याति मिली है।

जानी-मानी लेखक और स्तंभकार पुष्पा गिरिमाजी को 18 नवंबर, 2016 को एक ख़ास व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया जिसका शीर्षक "मीडिया और उपभोक्ता मामले" था। पुष्पा गिरिमाजी ने अपने अभिभाषण के दौरान छात्रों को उपभोक्ता मामलों के विभिन्न आयामों और क्षेत्रों से जुड़ी पत्रकारिता में आने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने इस क्षेत्र में अपने तीन दशकों की लम्बी यात्रा के अनुभव भी साझा किये।

स्वर्ण जयंती व्याख्यान की इसी कड़ी में 9 दिसंबर, 2016 को वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा सांसद श्री स्वप्न दासगुप्ता ने "भारतीय मीडिया की वर्तमान स्थिति'' पर व्याख्यान दिया।

13 दिसंबर, 2016 को बैंकाक की चुलालांगकॉर्न यूनिवर्सिटी के डॉ. कलिंगा सेनेविरत्ने ने भारतीय जन संचार संस्थान का दौरा किया। उन्होंने पत्रकारिता की शिक्षा में पनप रहे नए बौद्ध दृष्टिकोण पर आयोजित एक अंतर्संवाद सत्र में संस्थान के अधिकारियों, अध्यापकों, विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं के साथ एक विचारपूर्ण और बौद्धिक संवाद स्थापित किया। डॉक्टर सेनेविरत्ने ने विकास पत्रकारिता के छात्रों के लिए 14 मार्च, 2017 को आधे दिन की एक कार्यशाला का भी आयोजन किया।

जाने-माने सूफ़ी विद्वान् हज़रात सय्यद बाबर अशरफ़ ने स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला में शिरकत करते हुए संस्थान में 16 जनवरी, 2017 को सूफ़ीवाद पर एक व्याख्यान दिया।

शैक्षिक जुगलबंदी

भारतीय जन संचार संस्थान ने डॉक्टर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम स्टडी सर्किल के साथ मिल कर 10 फ़रवरी, 2017 को ‘"शैक्षिक जुगलबंदी"’ का आयोजन किया। इस ख़ास सत्र का संचालन संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश ने किया। इस सत्र के

दौरान विशेष तौर पर आमंत्रित किये गए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रोफ़ेसर चिंतामणि महापात्रा और लेखक व पत्रकार श्री श्याम भाटिया ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

17 फरवरी, 2017 को संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में जानी-मानी फिल्म पत्रकार, लेखक और इतिहासकार सुश्री भावना सोमाया ने विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ अंतर्संवाद किया।

1 मार्च, 2017 को संस्थान में भारतीय मूल के विख्यात अमरीकी लेखक, पत्रकार और कथाकार श्री अमान अली ने एक विशेष लेक्चर दिया।

8 मार्च, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर ''कहानी'' फिल्म की लेखिका सुश्री अद्वैता काला ने एक विशेष लेक्चर दिया। कॉलमनिस्ट सुश्री काला लेखिका के तौर पर कई पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं।

पहला राष्ट्रीय प्रेस दिवस भाषण

भारतीय जन संचार संस्थान ने अपने दिल्ली स्थित परिसर में पहली बार राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर भाषण का आयोजन किया। 15 नवंबर, 2016 को आयोजित हुए इस समारोह में वरिष्ठ पत्रकार और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

अन्य प्रमुख गतिविधियां

बांग्लादेश सिनेमा और टेलीविजन इंस्टीट्यूट (BCTI) के दल द्वारा जन संस्थान का दौरा: बांग्लादेश सिनेमा और टेलीविज़न इंस्टीट्यूट के एक दल ने 24 जून 2016 को दिल्ली के भारतीय जन संचार संस्थान का दौरा किया। 17 छात्रों के इस दल की अगुवाई इंस्टीट्यूट से जुड़े श्री एम. हामिद कर रहे थे। उनके साथ इस दल में श्री ज़ाकिर हुसैन वाइस-चेयरमैन, बांग्लादेश फ़िल्म सेंसर बोर्ड व संयुक्त सचिव, सूचना मंत्रालय, बांग्लादेश सरकार और सुश्री उम्मल ख़ैर फ़ातिमा, सहायक निदेशक, बीसीटीआई भी शामिल थे।

विमेन फ़ीचर सर्विसेज़ के साथ संयुक्त रूप से चित्र प्रदर्शनी का आयोजन: भारतीय जन संचार संस्थान ने अपने परिसर में विमेन फ़ीचर सर्विस और गर्ल काउंट के सहयोग से 26 अगस्त, 2016 को 'ईच क्लिक काउंट्स' नामक एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर आधारित इस फोटो प्रदर्शनी में भारत में लड़कियों की महत्ता पर ख़ास जोर दिया गया। इसका आयोजन लिंग अनुपात की गिरती दर और लिंग आधारित भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।

शिक्षक दिवस समारोह: 5 सितंबर, 2016 को शिक्षक दिवस के मौके पर एक ख़ास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जन संचार क्षेत्र से जुड़े रहे दिग्गज वरिष्ठतम प्रोफ़ेसर श्री एन. एन. पिल्लई मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित थे। उन्होंने अपने जीवन में एक अध्यापक के तौर पर रहे अनुभवों को संस्थान के विद्यार्थियों के साथ बांटा। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इसमें छात्रों ने अपनी-अपनी प्रतिभाओं और क्षमताओं के कुछ उदाहरण पेश किये।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता: 30 सितंबर, 2016 को ''स्ट्रीट लाइफ'' विषय पर एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थानों पर रहने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेताओं का चयन दो सदस्यीय पैनल ने किया। इनमें से एक संस्थान के सदस्य थे जबकि दूसरे बाहरी निर्णायक थे।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित स्किट प्रतियोगिता में भारतीय जन संचार संस्थान की टीम को द्वितीय पुरस्कार: भारतीय जन संचार संस्थान के प्रतिभाशाली छात्रों की एक टीम ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित एक स्किट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसका आयोजन इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने ''सतर्कता सप्ताह'' समारोह के दौरान किया था। भारतीय जन संचार संस्थान की स्किट टीम ने 25 अक्तूबर, 2016 को आयोजित इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल करके संस्थान का नाम रोशन किया। पुरस्कार में ट्रॉफ़ी के अलावा उन्हें 50 हज़ार रुपये का नकद पुरस्कार भी हासिल हुआ।

अमरीका की रटगर्ज़ यूनिवर्सिटी के छात्रों और अध्यापकों द्वारा संस्थान का दौरा: अमरीका की न्यू जर्सी की रटगर्ज़ यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर जिल कैपुज्जो के नेतृत्व में 14 मार्च, 2017 को छात्रों और अध्यापकों के एक दल ने भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली स्थित कैंपस का एक शैक्षणिक दौरा किया। इन लोगों ने संस्थान के विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ अपने कोर्स की रिसर्च से संबंधित विषयों पर अंतर्संवाद किया। यह विदेशी विद्यार्थी अपने विश्वविद्यालय में भारत से जुड़े एक कोर्स की रिसर्च के सिलसिले में यहाँ आए थे। इनका पाठ्यक्रम ''भारत का इतिहास, संस्कृति और जन संचार'' पर आधारित है, जिसमें प्रोजेक्ट के सिलसिले में भारत की यात्रा और यहाँ आ कर इन बातों पर रिसर्च करना पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा है। ।

स्पिक मैके के साथ सह आयोजन: भारतीय जन संचार संस्थान ने स्पिक मैके के साथ मिल कर दिल्ली परिसर में 17 मार्च, 2017 को मल्हार घराने के सितारवादक जोश फ़ेनबर्ग के एक कॉन्सर्ट का आयोजन किया।

राजभाषा का प्रयोग

भारत सरकार की राजभाषा नीति के तहत इस वर्ष के दौरान संस्थान के कामकाज में हिन्दी के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर बल देने पर ख़ास ध्यान दिया गया। हिंदी के इस्तेमाल में लगातार बढ़ोतरी के प्रयास किए गए। संस्थान के कर्मचारियों को ज़रूरी प्रशिक्षण और प्रोत्साहन प्रदान करने पर ज़ोर दिया गया। अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने और राजभाषा हिन्दी में काम करने की झिझक को दूर करने के लिए संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान में 1 से 15 सितम्बर, 2016 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया । इस दौरान विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें संकाय के सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के ढेंकानाल क्षेत्रीय केन्द्र में 1-7 सितम्बर, 2016 तक "हिन्दी सप्ताह" मनाया गया। संस्थान के अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों यानी अमरावती, आईज़ोल, जम्मू और कोट्टायम क्षेत्रीय केन्द्रों में 14 सितम्बर, 2016 को "हिन्दी दिवस" मनाया गया।

बुनियादी सुविधाओं, सहायता और सेवाओं का सुदृढ़ विस्तार

संस्थान अपने विद्यार्थियों को पर्याप्त और उपयुक्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है ताकि यहाँ के

विद्यार्थी इस क्षेत्र में सामने आ रही नई-नई चुनौतियों का पूरे आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम बनें। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे बदलावों के कारण बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार करने और उसे सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। इन विभिन्न आधुनिक उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण कार्य को अपेक्षित रूप से प्रभावी बनाता है। इसी बात को ध्यान में रख कर मौजूदा इमारतों में अतिरिक्त मंज़िलों का निर्माण किये जाने का भी ध्यान रखा जा रहा है ताकि संस्थान भविष्य में छात्रों की बढ़ती संख्या और अतिरिक्त सुविधाओं के अनुकूल बन सके।

शिक्षण के उपकरण/सुविधाएं

मीडिया, जन संचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा प्रदान करने और शोध की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों में से एक होने की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप भारतीय जन संचार संस्थान के पास अच्छी और पर्याप्त सुविधाएं हैं। संचार प्रशिक्षण के दौरान कक्षाओं तथा व्यावहारिक अभ्यासों में इन सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाता है, तथा इनका लगातार उन्नयन किया जाता है।

भूमंडलीय नेटवर्क आवाज़, वीडियो और डाटा के एकीकृत मंच की ओर अग्रसर है। सूचना और संचार के क्षेत्र में तेज़ी से बदल रही प्रौद्योगिकी के विकास के साथ तालमेल बनाये रखने और शिक्षा तथा शोध के विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग के लिए संस्थान के पास इंटरनेट सुविधा संपन्न आधुनिकतम कंप्यूटर हैं। ये उपकरण और कनेक्टिविटी सुविधा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक समाचार संपादन, वेब पत्रकारिता, मल्टीमीडिया, डिज़ाइन, प्रकाशन और ग्राफ़िक्स में प्रशिक्षण देने में अत्यंत महत्व रखते हैं। आधुनिक डेस्कटॉप जैसे उपकरण विद्यार्थियों को मल्टीमीडिया, एनीमेशन, कंप्यूटर ग्राफ़िक्स, डेस्कटॉप प्रकाशन आदि में दिए जाने वाले प्रशिक्षण को आसान बनाते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के साधन

वर्ष 2011-12 के दौरान, भारतीय जन संचार संस्थान को आधुनिकतम बहुगीगाबाइट वाले नेशनल नॉलेज नेटवर्क (NKN) से जोड़ा गया। इस नेटवर्क को देशभर की सभी ज्ञान संबंधी संस्थाओं के उच्च गति वाले एकीकृत नेटवर्क के तौर पर विकसित किया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान का हिस्सा होने की वजह से संस्थान को 1Gbps या उससे भी अधिक तेज गति की इंटरनेट सुविधा प्राप्त है। इस प्रकार के ज्ञान तंत्र का उद्देश्य देश में ऐसे उच्चस्तरीय संस्थान बनाना है जो आवश्यक शोध सुविधाओं और उत्कृष्ट स्तर के प्रशिक्षित पेशेवर पत्रकार मुहैया करवा सकें। तेज गति वाला नेशनल नॉलेज नेटवर्क विभिन्न परिवेशों और भौगोलिक विविधताओं से संबंध रखने वाले वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, संचारकों और विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण और उभरते हुए क्षेत्रों से संबंधित ज्ञान का प्रजनन और प्रसार करने में मदद करता है।

संस्थान के पास अपने विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने के लिए असीमित कॉन्फ़िगरेशन्स और सॉफ़्टवेयर सम्पन्न आधुनिक कम्प्यूटर और एन आई सी 2Mbps बैकअप वाले ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन भी हैं। ये सुविधाएं संस्थान के ब्रॉडबैंड को तीन विभिन्न कार्यशालाओं के ज़रिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में सहायक होती हैं। यह तीन हैं कंप्यूटर प्रयोगशाला, बहु माध्यम और डीटीपी कार्यशालाएं। यहाँ अलग-अलग समय पर अलग-अलग समूहों को प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान की

वेबसाइट पर इसके पाठ्यक्रमों और अन्य गतिविधियों की उपयोगी जानकारियां दी गई हैं। इन्हें www.iimc.gov.in पर देखा जा सकता है।

टीवी और विडियो प्रोडक्शन

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं को ज्ञान का मज़बूत और प्रभावी आधार देने के उद्देश्य से संस्थान ने एक आधुनिक प्रोड्क्शन स्टूडियो विकसित किया है जिसमें सिंक और स्पेशल ईफेक्ट्स सहित डिजिटल कैमरे हैं। इसके अलावा संपादन कंसोल भी हैं, जो आई मैक, एफ सी पी मैक प्रो डिजिटल वीडियो संपादन प्रणाली, डिजिटल ध्वनि संपादन और ऑनलाइन डिजिटल वीडियो संपादन सुविधाओं से युक्त है।

संस्थान ने आंशिक रूप से अपने टेप आधारित एनेलॉग यंत्रों को आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी में परिवर्तित किया है। इससे विद्यार्थियों को आजकल सभी टीवी चैनलों में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल कैमरों और नॉन-लीनियर संपादन व्यवस्था का सीधा अनुभव प्राप्त हो रहा है।

संस्थान ने अपनी मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने नई दिल्ली परिसर में उपलब्ध नेटवर्क आधारित डिजिटल नॉन-लीनियर वीडियो संपादन व्यवस्था के लिए एफ सी पी मैक प्रो के वीडियो संपादन यंत्र हासिल किए हैं, जिनमें एकल, नॉन-लीनियर संपादन व्यवस्था और टेलीविजन और मुद्रित माध्यम के लिए उच्च कोटि की डिजिटल ग्राफ़िक व्यवस्था भी है। दृश्य-श्रव्य और मुद्रण के क्षेत्र में प्रशिक्षण को और अधिक मज़बूत करने के लिए संस्थान ने सहायक उपकरणों सहित नए डिजिटल कैमरे भी खरीदे हैं।

अमरावती और आईज़ोल, जम्मू और कोट्टायम क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए भी सामान्य एवं वीडियो डिजिटल कैमरे, टेलीप्रोम्पटर और नॉन-लीनियर संपादन के लिए आई-मैक खरीदे गए हैं।

रेडियो

रेडियो प्रसारण के लिए संस्थान के पास अलग ध्वनि संपादन, एफ एम और वॉयस ओवर स्टूडियो हैं, जिनकी मदद से रेडियो और टेलीविजन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण दिया जाता है।

इन विभिन्न आधुनिक उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण कार्य को अपेक्षित रूप से प्रभावी बनाता है। संस्थान के पास रेडियो खबर एकत्र करने के लिए व्यावसायिक टेप, डिजिटल रिकॉर्डर, माइक्रोफ़ोन और अन्य सहायक उपकरणों सहित आवश्यक सुविधाएं हैं। ध्वनि स्टूडियो में आवश्यकता के अनुरूप समग्र सुविधाएं हैं :-

- यामाहा 03डी फ़ुल ट्रैक कन्सोल रिकॉर्डर।
- स्टैंडबाय रिकॉर्डिंग के लिए सोनी 8 चैनल ऑडियो मिक्सर MXP290-।
- विशषज्ञेता सुविधाओं सहित एक छह चैनल वाला ऑन-एयर कंसोल।
- पोर्टेबल सोनी आईसी रिकॉर्डर्स जो एमपी-3 और डबल्यूएचवी ध्वनि प्रारूपों में सीधे रिकॉर्ड करते हैं।

- श्योर माइक्रोफ़ोन 58 एसएम।
- कार्यक्रम निर्माण के लिए संपादन और रिकॉर्डिंग सुविधाओं सहित एडोबे ऑडिशन सॉफ़्टवेयर इकाइयां।
- प्रसारण के लिए एक मिनिडिस्क प्लेयर, सीडी प्लेयर, केसेट प्लेयर सहित मल्टीट्रैक टैसकैम (TASCAM)।
- विशेष प्रसारण उपकरण।

संस्थान अपने विद्यार्थियों को पर्याप्त और उपयुक्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है ताकि यहाँ के विद्यार्थी इस क्षेत्र की उभरती हुई चुनौतियों का विश्वास के साथ सामना करने में सक्षम हो सकें।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन (अपना रेडियो) 96.9 मेगाहर्ट्ज़ एफ़एम

वर्ष 2005 से भारतीय जन संचार संस्थान का सामुदायिक रेडियो "अपना रेडियो" कार्यरत है। गत तीन वर्षों से इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को पुनः ऊर्जावान बनाने के लिए पहल की गई है। गत वर्ष से प्रसारण प्रतिदिन चार घंटे से बढ़ाकर सात घंटे कर दिया गया है।

अगस्त, 2014 में अपना रेडियो ने एक दैनिक सीधा प्रसारण "अपने आस-पास" शुरू किया और धीरे-धीरे इसकी अवधि बढ़ाकर 60 मिनट कर दी गयी। यह कार्यक्रम अब अपना रेडियो का महत्वपूर्ण कार्यक्रम बन गया है। इस कार्यक्रम में दिन के निर्धारित विषय पर चर्चा की जाती है और विशेषज्ञों को स्टूडियो में या फ़ोन पर इन कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया जाता है ताकि श्रोता भाग ले सकें और उनसे सीधे बात कर सकें।

टीन टॉक सीज़न: 2016 में जवानी की दहलीज़ पर कदम रख रहे बच्चों की समस्याओं पर आधारित श्रृंखला "टीन टॉक सीज़न-1" की सफलता से प्रेरित होकर 2017 में "टीन टॉक सीज़न-2" भी प्रसारित किया गया। यह कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता और योगदान का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर सामने आया।

कम्युनिटी रेडियो सशक्तिकरण तथा संसाधन केंद्र

मार्च, 2017 से भारतीय जन संचार संस्थान के नई दिल्ली स्थित परिसर में एक सामुदायिक रेडियो सशक्तिकरण और संसाधन केंद्र कार्यरत है। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की स्थापना करने, उन्हें शुरू करने और उनके प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण को देने के उद्देश्य से इस केंद्र की स्थापना की गई है। सामुदायिक रेडियो से ताल्लुक रखने वाली विभिन्न पेशेवर, व्यावहारिक और शोध गतिविधियों की वजह से यह व्यस्तता, गहमागहमी और चहल-पहल का केंद्र बना रहता है। सामुदायिक रेडियो के नौ स्टेशनों के स्वयंसेवकों के लिए पहला प्रशिक्षण प्रोग्राम मार्च, 2017 में संपन्न हुआ।

दक्षिण दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से, घरेलू नौकरों, बाल मजदूरी, घरेलू हिंसा के शिकार और वरिष्ठ नागरिक आदि के लाभ के लिए फ़ोन-इन कार्यक्रम/साक्षात्कार प्रसारित किये गए। इसी प्रकार क्षेत्र के कुछ स्कूलों, विशेषज्ञों और रेजिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशनों को भी विभिन्न समाजिक मुद्दों में भागीदारी से जोड़ा गया है। "अपनी चौपाल" और "अपनी बस्ती" जैसे कार्यक्रमों से शहरी गाँवों और झुग्गी-झोपड़ी के निवासियों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इन कार्यक्रमों की वजह

से क्षेत्र के लोगों का प्राधिकारियों से सीधा संपर्क और संवाद कायम हुआ।

अपना रेडियो ने दक्षिण दिल्ली नगर निगम के मेयर और कई निगम पार्षदों से दक्षिण दिल्ली के विभिन्न नगर- पालिका क्षेत्रों की नागरिक समस्याओं के बारे में बात की। इसी प्रकार विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को भी शामिल किया गया।

अपना रेडियो ने लोगों से संबंधित स्वास्थ्य विषयक मुद्दों पर एम्स, मैक्स अस्पताल, फ़ोर्टिस अस्पताल, बत्रा अस्पताल, बी एल के सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल और लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के डॉक्टरों से बात की। अपना रेडियो ने समय-समय पर क्षेत्र के कुछ गैर सरकारी संगठनों जैसे चेतना, सोसाईटी फ़ॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासिज़, कैन सपोर्ट, सीनियर सिटीज़न वेलफेयर एसोसिएशन, फोर्स, सेन्टर फ़ॉर साइंस एंड एन्वायरमेंट, हक, मुस्कान, दस्तकार और इंडस एक्शन की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला है।

फ़ोटोग्राफी

दृश्य संचार की बढ़ती हुई प्रमुखता को ध्यान में रखते हुए और इस संबंध में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थान ने अपने सभी पाठ्यक्रमों में फोटो पत्रकारिता पर मॉड्यूल शामिल किये हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान के पास पूरी तरह से सुसज्जित डिजिटल फ़ोटो प्रयोगशाला के अलावा कई तरह के कैमरे हैं। इनमें पुराने विंटेज कैमरे से लेकर अति आधुनिक डिजिटल एस एल आर कैमरे शामिल हैं। सभी स्टूडियो और कक्षाएं भी प्रशिक्षण में सहायक विविध उपकरणों जैसे एलसीडी प्रोजेक्टर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टीवी मॉनिटर, एलसीडी स्क्रीन आदि से सुसज्जित हैं।

मुद्रणालय

संस्थान के पूर्णतः सुसज्जित और स्वचालित मुद्रणालय और ग्राफ़िक्स विंग विद्यार्थियों को मुद्रण तकनीक और डेस्कटॉप मुद्रण में प्रशिक्षण देने के अलावा ग्राफ़िक डिजाइन, ऑफ़सेट और सिल्क स्क्रीन मुद्रण की सुविधाएं भी प्रदान करते हैं। मुद्रणालय में प्रसंस्करण और बाइंडिंग की सुविधाएं भी हैं। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षाओं तथा सत्र के अंत में होने वाली परीक्षाओं के सभी प्रश्नपत्र और जन संचार संस्थान के अधिकतर प्रकाशन इसी मुद्रणालय में छपते हैं।

सूचना स्रोत केन्द्र और प्रकाशन

सूचना संसाधन केंद्र संस्थान का पुस्तकालय देश में जन संचार का सबसे बड़ा और विशिष्ट पुस्तकालय है। इसमे जन संचार के विभिन्न पहलुओं और उससे जुड़े अन्य मुद्दों पर किताबें उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय में मुद्रित माध्यम, प्रसारण, विज्ञापन, संचार, संचार शोध, जनसंपर्क रेडियो और टेलीविजन, फिल्म, सूचना प्रौद्योगिकी और परंपरागत माध्यम जैसे संबद्ध विषयों पर 33,968 से अधिक पुस्तकें और सजिल्द पत्रिकाएं हैं।

पुस्तकालय द्वारा 82 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं और 32 से अधिक प्रमुख समाचारपत्र खरीदे जाते हैं। पुस्तकालय अपने उपभोक्ताओं को समाचारपत्रों की कतरनों की सेवा भी उपलब्ध कराता है जिसमें समाचार का पूरा रिकॉर्ड तथा विभिन्न प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में जन संचार पर छपे प्रमुख लेख शामिल हैं।

पुस्तकालय पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है और इसने अपनी हाउसकीपिंग तथा सेवा प्रचालन को लिबसिस 7 (LIBSYS 7) नामक नवीनतम पुस्तकालय सॉफ़्टवेयर के माध्यम से स्वचालित कर लिया है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटेलॉग (ओपेक) तथा ऑनलाइन पत्रिकाएं भी अब विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं। पुस्तकालय नें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आधुनिक मल्टीमीडिया और संदर्भ अनुभाग भी विकसित किया है।

भारतीय जन संचार संस्थान की शोध प्रकाशन पत्रिकाएं

अंग्रेजी की शैक्षिक शोध पत्रिका "कम्युनिकेटर" (आईएसएसएन:0588-8093) को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू ने 17 जनवरी, 2017 को नए रूप और कलेवर में फिर से प्रस्तुत (रिलांच) किया। इसके अक्टूबर-दिसंबर, 2016 (अंक 51) और जनवरी-मार्च, 2017 (अंक 52) का प्रकाशन किया गया।

हिन्दी की शैक्षिक शोध पत्रिका ‘‘संचार माध्यम’’ (आईएसएसएन ISSN:2321-2608) के जनवरी से मार्च, 2017 अंक का भी नए कलेवर में प्रकाशन किया गया। यह इस पत्रिका का 29वां अंक था।

प्लान योजनाएं

संस्थान के स्तर को उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की योजना को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 62.00 करोड़ रूपए की राशि का अनुमोदन किया गया, जिसमें सरकारी अनुदान सहायता सीमा 51.50 करोड़ है। योजना में भारतीय जन संचार संस्थान का उन्नयन अर्थात आईआईएमसी परिसर, नई दिल्ली, के वर्तमान मुख्य भवन के ऊपर अतिरिक्त तलों और आई आई एम सी, नई दिल्ली परिसर में व्याख्यान खंड का निर्माण, आईआईएमसी परिसर में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा आईआईएमसी परिसर ढेंकानाल में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा महाराष्ट्र, मिज़ोरम, केरल और जम्मू एवं कश्मीर राज्यों में संस्थान के नए चार क्षेत्रीय केन्द्रों की शुरुआत करना है।

नई दिल्ली परिसर में अतिरिक्त तलों के निर्माण का कार्य 2011 में पूरा हो चुका है। ढेंकानाल परिसर में नये भवनों के निर्माण का कार्य दिसम्बर 2014 में पूरा हुआ। नई दिल्ली परिसर में खाली प्लाट पर नए भवनों के निर्माण का काम विभिन्न नागरिक प्राधिकरणों द्वारा अनापत्ति न प्रदान करने के कारण अभी भी बकाया है। इस समय रिज प्रबन्धन बोर्ड एनसीटी दिल्ली से अनापत्ति की प्रतीक्षा की जा रही है।

अमरावती और आईज़ोल में दो नए क्षेत्रीय केन्द्र अगस्त, 2011 से काम कर रहे हैं। जबकि जम्मू और कोट्टायम में दो और क्षेत्रीय केन्द्र अगस्त, 2012 से काम कर रहे हैं। ये चारों नये क्षेत्रीय केन्द्र वर्तमान में संबंधित राज्य सरकारों/ विश्वविद्यालयों द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराये गए अस्थायी परिसर में स्थित हैं।

‘‘भारतीय जन संचार संस्थान के नये क्षेत्रीय केन्द्र खोलने’’ की योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 94.00 करोड़ रुपये की राशि का अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिसमें से सरकारी अनुदान 90.00 करोड़ का है। योजना में चार नये क्षेत्रीय केन्द्रों में स्थायी परिसरों के निर्माण शामिल हैं जिसके लिए भूमि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निःशु ल्क दी जाएगी।

मिज़ोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने संस्थान को साढ़े आठ एकड़ ज़मीन निःशुल्क लीज़ पर दी है। आईज़ोल में नये भवनों के निर्माण के लिए भारतीय जन संचार संस्थान केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिग में प्रवेश कर चुका है। के.लो.नि.वि. ने मैसर्स त्रिवेणी कंसट्रक्शन लिमिटेड को उनका टेंडर राशि 17,99,68,473/- रुपये के आधार पर ठेका दे दिया और सितम्बर, 2015 के अंतिम सप्ताह में कार्य प्रारम्भ हुआ। मार्च, 2017 तक काम 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

भारतीय जन संचार संस्थान कोट्टायम में संस्थान का क्षेत्रीय केन्द्र खोलने के लिए केरल सरकार ने 10 एकड़ ज़मीन निशुल्क उपलब्ध कराई है। ताल्लुक कार्यालय, कोट्टायम ने आई.आई.एम.सी को भूमि का स्वामित्व हस्तांतरित करने के लिए पट्टा भी जारी कर दिया है। भारतीय जन संचार संस्थान डिपॉज़िट आधार पर कोट्टायम में भवनों के निर्माण के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग में प्रवेश कर चुका है। के.लो.नि.वि. ने मैसर्स एन जे थॉमस एंड कंपनी को उनकी टेंडर राशि 9,85,50,318 के आधार पर ठेका दे दिया है। इस ज़मीन पर निर्माण का काम 2016-17 में शुरू हुआ। मार्च, 2017 तक यहाँ भी 80 प्रतिशत काम पूरा होने का अनुमान रहा।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने भारतीय जन संचार संस्थान को जम्मू के केरन गांव के पास 2016 में 15 एकड़ निःशुल्क ज़मीन उप्लब्ध करायी है। निर्माण से पहले किये जाने वाले ज़मीनी सर्वे पूरे किये जा चुके हैं। भवन की इमारत के नक़्शे और ढाँचे के लिए तथा निर्माण सामग्रियों की सूची समेत अनुमानित लागत का अंदाजा देने के लिए सलाहकार भी नियुक्त किये जा चुके हैं। स्थायी भवन का निर्माण कार्य का ज़िम्मा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सी सी डबल्यू-ए आई आर (CCW-AIR) को निक्षेप कार्य के तौर पर सौंपा गया है। शुरुआती निर्माण में नाले को स्थानांतरित कर ज़मीन पाटना और परिसर की बाहरी दीवार बनाने का काम पूरा हो गया है। कुछ कानूनी अड़चन के कारण एक दिशा में निर्माण कार्य फिलहाल धीमी गति पर है। स्थायी परिसर के निर्माण का काम 2017 के अंत तक फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र सरकार ने जन संचार संस्थान को अमरावती के पास बडनेरा में 15 एकड़ ज़मीन परिसर बनाने के लिए निःशुल्क प्रदान की है। जन संचार संस्थान ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट, भवन निर्माण और अन्य सामग्री की सूची के लिए सलाहकार की नियुक्ति कर दी है। निर्माण से पहले किया जाने वाला इलाके के तलरूप और मिट्टी की जांच का काम जल्दी ही शुरू किया जाएगा।

मुंबई में स्थापित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र - एनिमेशन, विज़ुअल एफ़ेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स (एनसीओई-एवीजीसी यानी नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सेलेंस-एनिमेशन, विज़ुअल एफ़ेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स)

एनीमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) में इस समय भारत विकास के शुरुआती दौर में है। इस क्षेत्र में विकास और बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए भारत सरकार ने जन संचार संस्थान के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप मे राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र-एनिमेशन, विज़ुअल एफ़ेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स यानी एनसीओई-एवीजीसी (NCoE-AVGC) के गठन का निर्णय किया। इस क्षेत्र में विस्तार की अपार सम्भावना के साथ साथ रोज़गार का एक नया क्षेत्र और मौका भी उपलब्ध होते देख सरकार का यह एक दूरगामी सोच वाला फैसला है। भारतीय जन संचार संस्थान के हिस्से के रूप में यह केंद्र अंडर ग्रैजुएट, स्नात्कोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा किफ़ायती दरों पर उपलब्ध कराएगा। केंद्र इन सभी विधाओं में अल्पकालीन पाठयक्रमों का आयोजन भी करेगा।

एनसीओई-एवीजीसी (NCoE-AVGC) सेंटर का निर्माण मुंबई में प्रस्तावित है। महाराष्ट्र के राज्य वित्तीय निगम द्वारा इसकी स्थापना पर दिए प्रस्ताव को 1 नवंबर, 2016 को स्वीकृति प्रदान की गयी। महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रस्तावित केंद्र के लिए मुंबई की फ़िल्म सिटी में 20 एकड़ ज़मीन की पहचान का काम भी कर लिया है।

इस संस्थान में प्रतिवर्ष लगभग 1480 छात्रों को प्रवेश देने की योजना है। जिसमें 60 प्रतिशत सीटें अंडरग्रैजुएट पाठ्यक्रम के लिए होंगी। संस्थान का इरादा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए ख्याति हासिल कर चुके संस्थानों के अलावा इस उद्योग की दिग्गज कंपनियों के साथ भी गठबंधन करने का है।

लगभग सात साल में पूरी तरह सक्रिय होने वाली इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 167.70 करोड़ रुपए आएगी। चार वर्षों में ढांचागत निर्माण पूरा करने की प्रस्तावित स्कीम की लागत लगभग 102.70 करोड़ होने का अनुमान है। शुरूआती वर्षों में अन्य सभी खर्चों का ध्यान रखते हुए 65 करोड़ रुपए की अतिरिक्त व्यवस्था कुल लागत में जोड़ दी गयी है।

जन संचार संस्थान इस प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र-एनिमेशन, विज़ुअल एफ़ेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स केंद्र के गठन की प्रक्रिया शुरू कर चुका है।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के तहत पहल करते हुए भारतीय जन संचार संस्थान ने अपने परिसर को स्वच्छ रखने का बीड़ा उठाया है। देश भर के सभी परिसरों में 2016-17 के दौरान स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियां तथा अभियान चलाए गए। इनमें ना केवल परिसर बल्कि आसपास के इलाकों के स्थानीय नागरिकों को भी सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में अभियान चलाये गये। संस्थान ने अक्तूबर 2016 के दौरान पांच दिनों का एक विशेष अभियान भी सफलतापूर्वक संपन्न किया।

भारतीय जन संचार संस्थान के सामुदायिक रेडियो स्टेशन (96.9 एफ़एम) पर ख़ास रेडियो प्रोग्राम चलाए गए और कई मुद्दों पर संगोष्ठियाँ, चर्चाओं आदि का आयोजन हुआ। जिंगल रूपी विज्ञापन या छोटे सन्देश गीत भी चलाए गए। इनमें स्वच्छ समुदाय अभियान, कूड़ा प्रबंधन, नदियों की साफसफाई, निर्माण कार्यस्थलों पर पनपता कचरा, स्वच्छता अभियान में रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों की भूमिका, बायोमेडिकल कूड़ा प्रबंधन आदि जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याओं को उठाया गया।

आम जनता और आसपास के इलाकों के नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए जानकारियां और संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम किये गए। इन कार्यक्रमों में कई विशेषज्ञों और मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया।

स्वच्छता के इस अभियान की अगुवाई संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश ने की। उनके साथ अपर महानिदेशक, स्टाफ, संकाय के अध्यापकों और संस्थान के छात्रों ने भी इस पहल में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। परिसर के भीतर विभिन्न स्थानों पर कूड़ेदान लगाये गये और वृक्षारोपण अभियान चलाये गये। जन संचार संस्थान के संकाय के सदस्यों और स्टाफ़ ने परिसर को स्वस्थ रखने की शपथ ग्रहण की। इस दौरान कई पुरानी फ़ाइलों और इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट को नष्ट कर दिया गया। संस्थान के विभिन्न कार्यालयों की साफ़ सफ़ायी, बागबानी गतिविधियां और पुराने पड़े कूड़े कबाड़ को नष्ट करना इस अभियान का हिस्सा रहा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2016 को संस्थान में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्घाटन संस्थान के महानिदेशक श्री के. जी.सुरेश ने किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों और संस्थान के स्टाफ़ के लिए आयोजित एक योग सत्र में सभी ने भागीदारी की। इसके सफल आयोजन के बाद से संस्थान के स्टाफ़, संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नियमित अंतराल पर योग के सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। संस्थान ने इसके लिए अल्पकालिक योग शिक्षक की नियुक्ति भी की है।

वेलनेस सेंटर

संस्थान के दिल्ली परिसर में एक वेलनेस सेंटर कार्यरत है, जिसमें ऐलोपैथिक, आयुर्वेद और होम्योपैथी के डॉक्टर सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन उपलब्ध रहते हैं। इस केंद्र में एक मनोचिकित्सक भी समय-समय पर उपलब्ध है। संस्थान के सभी परिसरों में आपातकालीन मेडिकल सुविधाएं मुहैया करायी गयी हैं। संस्थान के लिए उपलब्ध डॉक्टर समय-समय पर ढेंकानाल केंद्र जाकर भी रोगियों की जांच करते हैं।

भारतीय जन संचार संस्थान इमारतों का राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम पर नामकरण

भारतीय संस्कृति, मूल्यों और राष्ट्रवाद की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शैक्षणिक, प्रशासनिक और हॉस्टल ब्लॉक्स का नाम बदल कर अब राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम पर रखे गए हैं:-

1.	मुख्य मंच (ऑडिटोरियम)	: महात्मा गांधी मंच
2.	शैक्षणिक ब्लॉक	: चाणक्य ब्लॉक
3.	मिनी ऑडिटोरियम	: लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक मिनी ऑडिटोरियम
4.	छात्रावास-1	: रानी गायदिनल्यु महिला छात्रावास
5.	छात्रावास-2	: बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रावास
6.	ऑफ़िसर्स गेस्ट हाउस	: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम गेस्ट हाउस
7.	कैन्टीन के समीप पार्क	: स्वामी विवेकानंद स्मारक शिला

एम्फ़िथिएटर का नाम मेघदूत रंगमंच रखा गया है।

नागरिक अधिकार-पत्र एवं लोक शिकायत निवारण तंत्र

नये नागरिक घोषणा पत्र को नये दिशा निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है और संस्थान की वेबसाइट पर डाल दिया गया है। इस नागरिक घोषणा पत्र के अनुसार कोई भी नागरिक इस संस्थान से संबंधित किसी भी शिकायत को संस्थान में भेज सकता है और उस शिकायत का निवारण प्राप्त कर सकता है।

संस्थान के एक अधिकारी को जन शिकायत निवारण अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। प्राप्त शिकायतों की जांच संस्थान द्वारा की जाएगी और संस्थान के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर उनका निवारण किया जाएगा।

भारतीय जन संचार संस्थान के लोक शिकायत अधिकारी का पता हैः-

अपर महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान

अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067

भारतीय जन संचार संस्थान की किसी भी सेवा से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति या संस्थान की किसी भी कार्रवायी से पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत के निवारण के लिए इस अधिकारी को लिख सकता है। ऐसा हर व्यक्ति अपनी शिकायत पर की गई कार्रवायी के संबंध में, उसकी शिकायत प्राप्त होने के 30 दिन की अवधि के भीतर, सूचित किये जाने का हकदार है।

यदि कोई आम व्यक्ति या संस्थान का कर्मचारी अपनी शिकायत के संबंध में शिकायत निवारण अधिकारी से मिलने का इच्छुक हो तो वह किसी भी कार्य दिवस को सायं 3 से 4 बजे के बीच बिना किसी पूर्वानुमति के उक्त अधिकारी से मुलाकात कर सकता है।

आंतरिक शिकायत समिति

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम 2013 के अंतर्गत कार्यस्थल पर महिला के विरुद्ध यौन उत्पीड़न शिकायत निवारण तंत्र के हिस्से के रूप में संस्थान में एक आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई है जिसके छह सदस्य हैं तथा एक संस्थान से बाहर की सदस्य हैं।

जागरूकता फैलाने के लिए उठाये गए कदम

- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- इस मुद्दे पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली के परिसर में सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों और संस्थान के सभी परिसरों में 'शून्य सहनशीलता' के पोस्टर लगाये गये।

उपभोक्ता शिकायत समाधान प्रकोष्ठ

भारतीय जन संचार संस्थान में शिकायत समाधान व्यवस्था है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

जहां तक सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन का सवाल है, उसके लिए संस्थान के उप कुलसचिव को प्रमुख

सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत संस्थान के विशष कार्य अधिकारी अपील अधिकारी हैं। सूचना अधिकार अधिनियम के तहत संस्थान के महानिदेशक पारदर्शिता अधिकारी हैं।

आचार संहिता

पेशेवर मीडिया प्रशिक्षण में देश के बेहतरीन संस्थानों में से एक भारतीय जन संचार संस्थान में मीडिया क्षेत्र से जुड़े सभी पाठ्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने और समयबद्ध प्रबंधन के लिए अनुशासन और आचार-व्यवहार के मानकों का उच्चस्तरीय होना ज़रूरी है। इसीलिए संस्थान के विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता और अनुशासनात्मक नीतियों का निर्धारण करने में इस बात का ख़ास ध्यान रखा गया है कि शैक्षणिक मामलों और व्यक्तिगत व्यवहार के सन्दर्भ में छात्रों को स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से पता हो कि उनसे किस तरह का आचरण अपेक्षित है। संस्थान के दिल्ली समेत सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के सभी छात्रों पर यह आचार संहिता लागू होती है। किन्ही भी कार्यों या गतिविधियों का संस्थान के सदस्यों और अन्य छात्रों पर क्या असर पड़ता है, इस बात का ख़ास ध्यान दिया जाता है। आचार संहिता की विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनुशासनात्मक समिति

संस्थान में छात्रों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों से निपटने हेतु अनुशासनात्मक समिति गठित की गई है।

परिशिष्ट "क"

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के दौरान

लघु पाठ्यक्रम / कार्यशालाएं / संगोष्ठियों का आयोजन

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	तिथि	पाठ्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1	अधिकारियों और स्टाफ नियुक्तियों/जन संपर्क/ प्रशिक्षकों के लिए मीडिया कम्युनिकेशन पाठ्यक्रम	6 जून से 24 जून, 2016	प्रो. विजय परमार	15
2	जेसीओ और एनसीओ के लिए वीडियोग्राफी कोर्स	6 जून से 1 जुलाई, 2016	डॉ. आनंद प्रधान	15
3	कर्नाटक सरकार के सहायक निदेशकों, सूचना और जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ सहायक निदेशकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 जून से 17 जून, 2016	डॉ. अनुभूति यादव	16
4	सीनियर ऑफिसर (ब्रिगे/कर्नल/समकक्ष) के लिए मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स	19 से 30 सितंबर, 2016	प्रो. विजय परमार	13
5	मध्य स्तर के अधिकारियों (मेजर/लेफ्टिनेंट क./ समकक्ष) के लिए मीडिया कम्युनिकेशन कोर्स	9 से 20 जनवरी, 2017	प्रो. विजय परमार	16
6	एनडीआरएफ अधिकारियों के लिए जन संपर्क पाठ्यक्रम	16 से 20 जनवरी, 2017	डॉ. सुरभि दहिया	12
7	अधिकारियों और स्टाफ नियुक्तियां/जन संपर्क अधिकारियों के लिए मीडिया कम्युनिकेशन पाठ्यक्रम	6 से 23 फ़रवरी, 2017	प्रो. विजय परमार	15
8	एनडीआरएफ अधिकारियों के लिए जन संपर्क पाठ्यक्रम	13 से 17 फरवरी, 2017	डॉ. सुरभि दहिया	13
9	वरिष्ठ अधिकारियों (मेजर जनरल और ऊपर) के लिए जन संचार कार्यशाला	6 से 10 मार्च, 2017	प्रो. विजय परमार	14
10	कन्या महाविद्यालय, जालंधर से जन संचार/पत्रकारिता के छात्र	8 से 10 मार्च, 2017	डॉ. सुरभि दहिया	25
11	असम सरकार के जनसंपर्क अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	20 से 24 मार्च, 2017	डॉ. सुरभि दहिया	9

परिशिष्ट "ख"

भारतीय जनसंचार संस्थान

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पुरस्कार सूची 2015-16

1. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), नई दिल्ली

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री देविका शर्मा
2.	द हिंदू पुरस्कार	श्री मुकेश रावत
3.	डेक्कन हेरल्ड पुरस्कार	सुश्री मान्या सचदेवा

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), ढेंकानाल कैंपस

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री अराधना लमीचाने
2.	बाबा साहेब डॉ. बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री जॉय टिर्की
3.	नैल्को पुरस्कार	श्री ऋषिकेष मिश्रा

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), आईज़ोल कैंपस

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री शुभ्रा शालिनी

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), अमरावती कैंपस

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री स्पर्श मुद्गल

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), जम्मू कैंपस

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री अभिषेक चतुर्वेदी

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी), कोट्टायम कैंपस

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री नेवेदिता कुमारी सिंह

2. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	पी टी आई पुरस्कार	श्री अंकित ओझा
2.	पं. बनारसी दास चतुर्वेदी पुरस्कार	सुश्री जया पाण्डेय
3.	आई आई एम सी पुरस्कार	श्री अविनाश द्विवेदी
4.	श्री अशोक जी पुरस्कार	श्री शंकर पंडित

3. रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आई आई एम सी पुरस्कार	सुश्री अश्रिता धर
2.	ज़ी टीवी पुरस्कार	सुश्री आर्या हरिकुमार
3.	टीवी टुडे पुरस्कार	श्री पारस
4.	सी एन एन पुरस्कार	सुश्री लिपि उपाध्याय
5.	ज़ी टीवी पुरस्कार	सुश्री अनीता साहू
6.	प्रसार भारती पुरस्कार	सुश्री स्नेहा दिपिका नैंसी बरजो
7.	बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर पुरस्कार	सुश्री नेहा चंद्रा

4. विज्ञापन तथा जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	श्री अचिन गांगुली मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री खुशबू एन. परमार
2.	आई एम सी पुरस्कार	श्री इशान मिश्रा
3.	श्री अनिल बसू मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री एस काव्या
4.	पीआरएसआई पुरस्कार	श्री शुभम सौरव सिंह
5.	पीएसपीआरएफ़ पुरस्कार	सुश्री चंद्रेयी भट्टाचार्य

5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ओडिया पत्रकारिता, ढेंकानाल कैंपस (ओडिशा)

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आई एम सी पुरस्कार	श्री तरुण कुमार साहू
2.	बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर पुरस्कार	सुश्री संघमित्र मलिक
3.	डॉ हरेकृष्ण मेहताब मेमोरियल पुरस्कार	श्री लितुन कुमार साहू

6. उर्दू पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नई दिल्ली

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	मोहम्मद हुसैन

परिशिष्ठ 'ग'

संकाय
नई दिल्ली

महानिदेशक
श्री के.जी. सुरेश

अतिरिक्त महानिदेशक
श्री मयंक कुमार अग्रवाल

डिप्टी रजिस्ट्रार
श्री पी.वी.के. राजा

प्रोफ़ेसर

1.	डॉ. जयश्री जेठवानी (सेवानिवृत्त 31.10.2016)	विज्ञापन एवं जनसंपर्क
2.	श्री विजय परमार	मौखिक एवं दृश्य संचार
3.	डॉ. गीता बामजेई	संचार शोध
4.	डॉ. हेमन्त कुमार जोशी	हिन्दी पत्रकारिता
5.	श्री मुकुल शर्मा	विकास पत्रकारिता

असोसिएट प्रोफेसर

1.	श्री शिवाजी सरकार	अंग्रेजी पत्रकारिता
2.	डॉ. आनन्द प्रधान	फीचर संचार/ लेखन
3.	डॉ. सुनेत्रा सेन नारायण	प्रकाशन
4.	सुश्री शाश्वती गोस्वामी	रेडियो पत्रकारिता
5.	डॉ. अनुभूति यादव	नया मीडिया
6.	डॉ. सुरभि दहिया	अंग्रेज़ी पत्रकारिता

असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

1.	सुश्री रिंकु पेगू	भारतीय सूचना सेवा

ढेंकानाल

प्रोफ़ेसर

1.	डॉ. मृणाल चटर्जी	संचार

Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Union Minister for Information and Broadcasting delivering Convocation Address during IIMC 49th Convocation.

Participants of 66th batch of Development Journalism with General (Dr) V. K. Singh (Retd), Hon'ble Minister of State for External Affairs, DG IIMC Sh K G Suresh & faculty members.

Minister of State for Information & Broadcasting Col Rajyavardhan Rathore (Retd), AVSM was the Chief Guest at a seminar of media educators hosted by IIMC.

DG IIMC Shri K G Suresh interacting with the Senior Officers (Brig/Col/Equiv) who attended Media Communication Course at IIMC in September 2016

DG, ADG and Senior IIS Officers and Probationers during Diwali Celebrations

Veteran Journalist Dr. Chandan Mitra delivering the Orientation Lecture
for PG Diploma students in August 2016

Students getting certificates during Hindi Pakhwara Celebrations

Director General-IIMC and Faculty members during plantation drive at IIMC Delhi in July 2016

A poster competition was organized on the theme “Swacch Bharat Abhiyan” during Hindi Pakhwara celebrations

DG IIMC, Faculty, Staff and studens actively took part in cleanliness drive during Swacchta Pakhwara

Director General, IIMC Shri K. G. Suresh inaugurated International Yoga day event organized in IIMC on 21st June, 2016.

Seminar on "Role of PCI in Defence of Press freedom" in Collaboration with PCI and Odisha Journalist Union organised by the IIMC Eastern Regional Campus on 20th February, 2017. The seminar was chaired by Justice C K Prasad, Chairman of PCI.

Regional Director(IIMC North East Region Campus, Aizawl) Mr LR Sailo, with faculty and students of the 2016-2017 batch, releasing the first lab journal of the academic session.

IIMC Western Regional Campus at Amravati, Maharashtra, students participated in the international conference organized by Department of Journalism of SantTukdoji Maharaja Nagpur University, Nagpur on the theme 'New Media and Freedom of Expression'

DG IIMC Shri K. G. Suresh with faculty members and staff at
IIMC's Southern Regional Campus at Kottayam, Kerala.

DG, IIMC Shri K G Suresh during inspection of site for a permanent
IIMC's Northern Regional Campus, Jammu (J&K)

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

ANNUAL REPORT FOR 2016-17

INTRODUCTION

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860), came into existence on August 17, 1965. It was established with the basic objective of teaching, training and undertaking research in the areas of journalism, media and mass communication.

The Institute began with a modest staff strength of four Professors and one Consultant from UNESCO, besides the Director. The Institute organized training courses for the State and Central Information Service Officers, as well as some foreign trainees under the Colombo Plan and undertook research studies on a small scale. Over the last 52 years, the Institute has graduated into conducting a number of specialized courses for meeting the diverse and demanding requirements of the rapidly expanding and changing media industry in modern times, in keeping with its original mandate "to provide the information and publicity to the personnel of the Central and State Governments, to make available facilities for training and research to meet the information and publicity needs of the public and private sector industries."

As on 31st March, 2017, apart from training officers of the Indian Information Service, the Institute was conducting a number of Post-Graduate Diploma Courses in Print Journalism (English, Hindi, Urdu, Odia), Radio & T.V. Journalism and Advertising & Public Relations. The Institute conducts a Diploma Course in Development Journalism for middle-level working journalists from Asian, African, Latin American and East European countries, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India since 1969, presently under the ITEC, SCAAP and TCS of Colombo Plan Schemes. A number of specialized short-term Courses, ranging from one week to four weeks, are also organized especially for defence officers and police officers and to meet the ever-growing training needs of communication professionals working in various media, publicity and operational outfits of the Central and State Governments, as well as Public Sector Organizations. The Institute also collaborates with different national and international agencies in conducting training, seminars, workshops, etc. and in undertaking joint research projects.

In recent times, mass communication has undergone a paradigm shift and has emerged as a major area of activity greatly impacting the process of decision-making. It has rapidly acquired importance and prominence and has become a major attraction for students pursuing different academic disciplines. The Information Technology Revolution has significantly contributed to the expansion and changing contours of the mass media. It has also posed major challenges for students, teachers and practitioners of the discipline. Rapidly changing technology is transforming the very complexion of the discipline in a manner unknown to any other area of academic activity. The need of the hour undoubtedly is to respond effectively to emerging challenges for maintaining and enhancing the effectiveness of mass media, while simultaneously exploring and expanding the engagement with the new media.

Accordingly, the Institute continuously evaluates and revises its course curricula so as to effectively meet contemporary challenges thrown up by the fast-changing environment. This enables the effectiveness of the Courses being run by the Institute, even in the changed scenario.

The Institute equips young men and women who aspire to ultimately be associated with a variety of media institutions with the basic skills and techniques they require and provides insights into different dimensions of the field. An attempt is made by the Institute to help its students develop into useful members of the

society, with the dissemination of information and communication being aptly considered to be a crucial ingredient of the development process. This is what gives the Institute and its *alumni* a distinct identity and character.

The Institute continuously endeavours to contribute towards the creation and strengthening of an information structure suitable not only for Indian requirements, but also for those of other developing countries. IIMC provides its expertise and consultancy services to other institutions, organizations and bodies in response to requests received from departments and entities of the Central and State Governments, Public Sector Organizations, Universities and other Academic Institutions.

With the growing popularity of the Institute's training activities and with a view to meeting regional aspirations, the Institute opened, in 1993, a Regional Campus at Dhenkanal, Odisha. At present, the Dhenkanal Regional Campus conducts two Courses: a Post-graduate Diploma Course in Journalism (English) and a Post Graduate Diploma Course in Journalism (Odia).

The next phase of expansion of the Institute took place in the years 2011 and 2012. In 2011, two new Regional Campuses of IIMC were opened at Aizawl (Mizoram) and Amravati (Maharashtra). In 2012, two more Regional Campuses of IIMC were opened at Jammu (J&K) and Kottayam (Kerala). These four new Regional Campuses started with offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism (English).

Thus, IIMC has changed its character from being a Delhi-based institute with one Regional Campus in Dhenkanal, Odisha, to an Institute with a nation-wide presence through its Regional Campuses located in all the five major regions of the country, North, South, East, West and North-East, in addition to its Headquarters in New Delhi.

Financial support to the Institute is made available by the Government of India through the Ministry of Information & Broadcasting. The activities of the Institute are guided by its Executive Council, whose present Chairman is the Secretary of I & B Ministry, who also is the President of the Indian Institute of Mass Communication Society. The other Members of the Executive Council include *inter-alia* senior officers of the Ministry of Information & Broadcasting and other Ministries, representatives of the Institute's Faculty and eminent personalities from the world of media. The Director General of the Institute is the Member-Secretary of the Executive Council.

Through its continuous hard work over the half century of its existence and as a result of its excellent delivery mechanisms, the Institute has consistently retained the envious reputation of a centre of excellence in the arena of communication teaching, training and research.

ACADEMIC AND TRAINING ACTIVITIES DURING 2016-17

TRAINING OF INDIAN INFORMATION SERVICE OFFICERS

In 2016, eleven IIS Group 'A' Officer Trainees (OTs) completed their 9 months Induction Training in ***Media and Communication*** from 9th February to 8th November 2016. One of the highlights of their Induction Training was a short exposure visit to Left Wing Extremism (LWE) affected areas in Chhattisgarh from 11th to 14th September 2016. Introduced for the first time, this visit was intended to acquaint the OTs with the information and communication dynamics in the LWE affected region. Also for the first time the Induction Training included a week long Defence attachment, as part of which the OTs were attached to the Assam Rifles. This also provided the OTs an opportunity to learn about the North East region in

greater detail as the attachment covered three states of Manipur, Meghalaya and Assam. The OTs also underwent attachment at FTII where they learnt nuances of TV and Film production. They also went on Bharat Darshan tour which gave them an exposure to cultural rainbow of the country.

The OTs called on the President of India who addressed them and articulated the critical role of Indian Information Service in the Governance of the country. They had the opportunity to interact with the Minister of I&B Shri M. Venkaiah Naidu and Minister of State for I&B Col. Rajyavardhan Rathore (Retd.) AVSM. Meanwhile, the 9 months Induction Training for the latest batch of fifteen OTs of IIS Group 'A' commenced from January 16, 2017.

Apart from the above, in 2016, ten IIS Senior Grade group 'B' OTs also had undergone a Foundation Course in ***'Communication and Media'*** from 14th December 2015 to 13th June 2016. For the first time the Foundation Course included a 10 day module on Government functioning, GFR etc. Also for the first time, a module on film appreciation and documentary production was introduced. In this module, the OTs produced two documentaries capturing the 'Life on the Streets of Delhi'. The OTs also underwent one week training at the Institute of Secretariat Training and Management (ISTM) on topics such as office procedures, finance and budgeting.The OTs also went for a 10 day study trip covering Ladakh, Kashmir and Punjab.

POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

Since its inception, the Institute has carved out a special niche for itself in the area of media and communication education through its continuous, relentless efforts aimed at improving the content and delivery mechanisms of its training. Today, IIMC enjoys pride of place among the galaxy of institutions engaged in imparting teaching in the field. It offers various Post-graduate Diploma Courses in Journalism – Hindi, English, Odia and Urdu, Advertising & Public Relations and Radio & TV Journalism–to aspiring professionals in these disciplines.

The courses offered by the Institute represent a meaningful blend of classroom teaching, duly supplemented by practical orientation through rigorous exercises, lab journals, projects, field visits, etc. This is intended to equip students with the skills needed for success in their careers and to afford them an opportunity to relate the teaching they receive to the ground realities of the environment in which the media and communication industry functions. The courses, besides providing a perspective, aim at defining the role of media professionals in society. The curricula of the courses are continually reviewed and revised by incorporating emerging trends and technologies in the rapidly developing field in order to maintain the relevance of the courses even in changed circumstances. While designing the courses, the diverse requirements of industry are also kept in view, so as to make the students aware of the field realities, as well as ethical considerations. The courses also aim to imbue a sense of responsibility among the students, so that they are in a position to discharge their respective roles effectively in a multi-lingual, multi-religious and multi-ethnic society.

The Institute also assists its students in securing internships that usually lead to gainful employment in Newspapers, TV Channels and Media Houses, as well as Advertising and Public Relations Agencies after completing their courses, through campus placements and otherwise.

The PG Diploma Course in Journalism (Hindi) was started to cater to the growing need for skilled and professionally trained media persons for Hindi newspapers, magazines, TV and radio. With the growth of Media in India, it adapted quickly to include New Media and other Digital platforms in its curriculum.

The primary focus of the course is to impart theoretical background and professional skills required in the processes of news gathering and its production, presentation and dissemination.

In the year 2016-17, the Journalism course in Hindi had 56 students. The initial phase of the course emphasized on the theory and concepts of communication and the history, laws and ethics of journalism. From the very first week, the trainees were imparted skills to use UNICODE on computers for Hindi to strengthen their skills in typing and software for publishing. The theoretical and practical components were equally distributed over the two semesters.

During the academic year, the Department of Hindi Journalism organized several workshops to enhance the understanding and practical abilities of the students. The Department organised special workshops on Business Journalism, Political Reporting, Photography, Editing and Translation.

A special computer lab for Hindi Journalism to produce lab newspapers was setup in 2013 by acquiring the latest integrated news editing system that is being used by the industry in a big way. The students this year produced their own lab journals on News Wrap editing system and integrated Adobe. In design publishing software, they also submitted their editing and other assignments online during the course. The Department is slowly moving towards paperless training and students are encouraged to submit their assignments on network shared by students and teachers. The students produced more than 50 lab journals, individually and in groups.

The students also went for an educational trip to the Surajkund Mela and produced special lab journals on their visit. They also reported these events for radio and television. To partially offset the impact of the growing trend of commercialization of the media, concerted efforts were made to impart training in Development Communication in accordance with the mandate of the Institute. The students took keen interest in the Institute's community radio station and produced programmes for it in groups.

After completion of the course, the students went for internships in various organisations. The placement cell facilitated the placements of the students who were placed in various newspapers and their digital editions, television channels and news agencies. The students got jobs in Dainik Bhaskar, Nav Bharat Times online, Amar Ujala Digital, India Today Digital, Jagran Josh, Hari Bhoomi and its online edition, ABP News and APN TV, while some students went for further studies.

PG Diploma Course in Journalism (Urdu):

The Diploma of Urdu Journalism was upgraded to Post graduate Diploma level after the approval of the Executive Council in 2016-17.

Nine students took admission and six students successfully completed the course.

The PG Diploma Course in Journalism (English) is a flagship programme of the Indian Institute of Mass Communication. This nine-month diploma course is an intense, rigorous and practical-oriented programme which trains young students to become professional journalists.

In the year 2016-17, 57 students were given in-house, theoretical, as well as professional and field training in the basics of journalism and mass communication, including latest developments in electronic, community and digital media. They were given first-hand experience of reporting, writing and editing across media. They were also trained in newspaper and magazine production using the latest design innovations prevailing in the industry.

Around twenty lab journals were produced by the editorial teams of the students. They also created eight news websites and blogs group-wise, that had updates on campus happenings and local news embedded with audio-visuals. Beside this, community radio programmes were also produced by students which were broadcast on Apna Radio 96.9, the institute's own community radio station.

To enhance students' reporting and writing skills, they were sent for covering major events, rural reporting, and current affairs across the national capital and the NCR. The students also brought out special editions on Dharamshala and the Tibetan community.

The English Journalism Department has always encouraged ground reporting. The students brought out news reports/features on the Surajkund Crafts Mela. Their lab journals also included photographs, photo features and special articles on various contemporary issues. Further, students also attended seminars and lectures at India International Centre, India Habitat Centre, Jamia Millia Islamia and Jawaharlal Nehru University, among other academic centres. They were also encouraged to attend several thought-provoking live discussions on various TV channels.

Every year, the Department takes the students for an educational trip and this year was no exception. They were taken on a four-day study tour to Dharamshala in Himachal Pradesh where they attended a number of workshops on Sino-Indian and Indo-Tibetan issues.

Intense practical exercises and theoretical, classroom training helped the students in honing their professional and academic skills and the majority of them bagged jobs in reputed organizations in the mainstream media industry.

In terms of professional placements, students were picked up by reputed media organizations like the Press Test of India (PTI), Adfactors PR, Network 18, Times Internet Ltd., Business Standard, Aaj Tak Online, Bloomberg-Quint, Indian Express Online, Financial Express Online, Doordarshan, ABP among other eminent organisations.

PG Diploma Course in Advertising and Public Relations

The Department of Advertising and Public Relations continues to take pride in preparing the best professionals for the industry. The strong focus on the contemporary and progressive pedagogy with well deliberated course structure harmonises best of the classroom teaching with industry exposure and remains the hallmark of the PG Diploma Course in Advertising and Public Relations.

The PG Diploma Course in Advertising and Public Relations had 67 students in the year 2016-17. The students underwent rigorous teaching, training and hands-on-skill enhancement exercises in 10 papers that comprise the syllabus of the course. As in the past, some of the best faculty from the industry was drawn upon to augment teaching, along with the in-house faculty. The students worked on many live brands, tracked media and did simulations in crisis management, CSR, brand building etc.

Innovative pedagogy was introduced in the form of role-plays, case studies, review of books and quizzes etc. The students worked on an important advertising campaign. They made campaigns on Road Safety for Ministry of Road Transport and won Rs.1 lakh as prize money from the Ministry. The students presented their campaigns to the experts and the Ministry representatives and received accolades for their creative rendition, quality of production and diligence.

The year witnessed overwhelming placement in Advertising and PR not only for the Ad/PR students but students from other courses including regional campuses.

Among many public and private sector companies that came for placement, the foremost have been Power Finance Corporation Limited, TATA, Adfactors, Edelman PR, Avian Media, PR Pundit, SchoopWhoop, Wat Consult, Mixed Route Juice, The LINKS, Accenture, Acxiom, Digiqom, Letz Change Foundation etc. The highest pay package came from the TATA at Rs. 9.27 lacs per annum.

The PG Diploma Course in RTV Journalism

In the academic year 2016-17, all the 45 students of the Department of Radio & TV Journalism, successfully completed the course by undergoing exhaustive classroom teaching and rigorous practical training.

The course curricula has been updated in accordance with the evolving media industry and changing technology. It consisted of total ten papers under which the students were exposed to plentiful academic discourses and hands on skills pertaining to as diverse media subjects as Radio, TV and Print Journalism, Television and Film Production, New Media Journalism and Advertising and Public Relations. The major thrust of the syllabus was on practical exercises with strong industry linkages which provided the students a cutting edge over similar courses run by other public and private institutions.

For practical training, noted subject experts and prominent media professionals associated with top notch media organizations were invited for the classes on a regular basis in order to keep them abreast with the latest developments. This rigour in training duly got reflected in the short films and documentaries made by the RTV students on varied social issues. These students' productions were widely appreciated for their bold content, rich craft and refined technical innovations.

The Department had more than 80 percent placement this year. The students were hired for various journalistic and technical jobs by leading national media organizations.

Alongside, the Department provided all the necessary training with regard to Broadcast Media to the students of the all the other five departments.

The Department also provided practical and technical input to all the departments in the Institute on a regular basis and conducted a few short term courses in various areas of Radio and Television Journalism at regular intervals.

New Media & IT

The Department of New Media & IT was inaugurated on May 20th 2016 with the following objectives:

- To develop an understanding of New Media amongst students and enable them to appreciate potential and limitations of New Media.
- To carry out researches in New Media
- To cultivate communication professionals who have Digital Multimedia application capabilities
- To introduce new courses relevant to the Media Industry

- To develop e-content and participate in the digital initiatives launched by the Government of India

The Department anchors New Media paper in all the departments and workshops are also conducted on Data Journalism, Digital Marketing, Digital Tools mobile journalism and online journalism.

Major Activities in the year 2016-2017

- The Department has produced e-content on New Media for Consortium for Educational Communication (CEC), PG Pathshala, Swayam and the National Repository of Open Educational Courses

- The Department has taken up a research project to analyze how social media is being utilized by the various ministries for citizen engagement. The project is funded by : UGC – UPE Focus Area -II Project (Mysore University)

- The Department has collaborated with **PMGDISHA** Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan for curriculum development & evaluation.

The following training programmes were conducted in 2016-2017

- Media and Information Literacy course for the students from Kerala

- Course on New Media for the Information officers from Bhutan

- Course on New Media technologies for the Information Service Officers from Karnataka

- Faculty Development Programme (FDP) in collaboration with DECORE

- Social Media for Governance for the officials from M/o Panchayati Raj, M/o Drinking Water and Sanitation in collaboration with Department of Communication Research (DECORE) of IIMC

The Department manages the institute's website www.iimc.gov.in and its social media handles.

Activities at IIMC's Dhenkanal Campus

The Ministry of Information and Broadcasting opened the second campus of Indian Institute of Mass Communication (IIMC) in Dhenkanal, Odisha in 1993 to meet the growing need for learning, training and research in journalism and mass communication in the country. Located about 80 km. southwest of Bhubaneswar, Dhenkanal nestles in the rural and tribal hinterland of central Odisha, connected by both rail and road (NH 55).

IIMC, Dhenkanal campus started with a Post Graduate Diploma Course in Journalism (English) with 40 seats in August, 1993 from a rented private accommodation. The Institute shifted to its own campus in May 2000. The 7.5-acre new campus, situated in the valley of Paniohala (means 'hanging water' in Odia) hill commands a majestic view. In subsequent years, the number of seats was increased. Presently it has 62 seats.

Since 1993, IIMC, Dhenkanal campus has produced more than 1200 media professionals. Most of them

are working in leading mainstream national and international media organizations as well as government establishments and NGOs. Many of them are working in public relations and advertising domains as well. Some of them have started media units of their own, while others have joined academics.

PGDJ (Odia) Course: A Post Graduate Diploma Course in Odia Journalism with 15 seats was introduced in 2001-2002 Academic Year in IIMC, Dhenkanal campus to cater to the needs of Odia media. It was the first time that a language journalism course, besides Hindi was launched by IIMC. Currently, it has 23 seats in Odia Journalism course.

The regional media industry has extended full cooperation in running the course. Editors and senior media-professionals often visit the campus and interact with the students. The students of this Institution have made their presence in the leading media organizations in Odisha.

Besides regular faculty, visiting faculty members are invited from various media Organisations including AIR, Doordarshan and PIB, etc. to teach the students at the Dhenkanal Campus. Working journalists are regularly invited to address the students and provide hands on training. Eminent personalities and experts from various fields also often visit the Institute to broaden the knowledge base of the students on media related issues.

Academic Activities: The academic performance of the students of this campus has been commendable from the beginning. The emphasis is more on hands-on training including field assignments and classroom workshops than class room lectures.

During 2016-17, the students covered several major national and international events. They brought out bulletins during ANJALI International Children's Festival held in Bhubaneswar and Natya Chetana Theatre Festival in Khurda. They helped the organizers of Canfest (15th National Theatre Festival) at Paradeep in media coverage and liaisoning. Students participated and covered Odisha Vikash Conclave 2017 and Social Innovation Summit held at Bhubaneswar. First Puri Beach Carnival festival was covered by students from 20th to 26th January 2017.

Besides producing four issues of lab journals, students brought out daily newspapers in English and Odia every working day beginning mid-August till the end of the academic session. News presentation on television from the Institute's video lab was another regular exercise built into their daily academic activity. So was the audio news presentation from the audio lab of the Institute. They prepared blog and website as a weekly exercise. The purpose of these exercises was to train the students in print, video, audio, web and social media. Some of their radio productions were put on air by All India Radio, Cuttack and Radio Namaskar, Konark.

The students made presentations on current issues as part of their daily academic activity. It made them adept in research and honed their presentation skills. They had hands on experience in producing TV news capsules, Radio features and documentaries. They also wrote blogs and designed websites. They were also taught to use social media for news collection, collation and dissemination.

Seminars, Workshops: IIMC, Dhenkanal campus organized several workshops and seminars in the academic year, which included.

1. A national seminar on "Regional Language Journalism, Problems and Prospects" on 4th August 2017.

2. Seminar on "Press Council of India in the Digital Era" on the occasion of National Press Day in association with Dhenkanal Union of Journalists on 16th November 2016.

3. A Seminar on "Civil Society and Public Service" in association with Indian Institute of Public Administration (IIPA), Odisha Chapter on 22nd November, 2016.

3. A Seminar on "Eliminating Violence against Women" in association with TRUST, Bhubaneswar on 22nd January, 2017.

4. Workshop on writing for Wikipedia in association with Team of Wikipedia, Bhubaneswar on 31st January 2017.

5. Workshop on "Understanding the structure and process of State Budget and Budget an Instrument for Development" in association with CYSD Bhubaneswar on 9th February, 2017.

6. Seminar on "Role of PCI in Defence of Press freedom" in Collaboration with PCI and Odisha Journalist Union on 20th February, 2017, chaired by Justice C.K. Prasad, Chairman of PCI, New Delhi.

7. Seminar on "Theatre: A Unique Medium of Communication" in association with *Kala Parisad*, Dhenkanal on 5th March, 2017.

Training Programmes: IIMC, Dhenkanal campus organized following training programmes in 2016-17:
1. A week long training programme for Public Relations Officers of Govt. of Odisha from 28th November to 2nd December 2016.

2. One day training programme for the students of Bharatiya Vidya Bhavan, Kolkata on 13th January, 2017.
3. Specialized Media Training Programme for DJMC students of Odisha State Open University in three different batches form 20th to 24th March, 27th to 31st March and 8th to 12th May, 2017 .

Extra-curricular Activities: Several extra-curricular activities were organized for the students. Debate and essay competitions and cultural programmes were organized on the occasions of Foundation Day and Hindi Divas. Students celebrated World Photography Day on 19th August. A literary festival *'Sabdanjali'* was organized in association with District Writers' Forum, Dhenkanal on January 26. Two more editions of *Sabdanjali* were organised during the academic year.

To observe the first death anniversary of Prof. K. M. Shrivastava, a special lecture was organized in his name. The first Prof. K. M. Shrivastava Memorial lecture was delivered by Prof. D. V. R. Murthy of Andhra University on 29th August 2016. The title of the lecture was "The Tradition of Indian Journalism". Students produced one hour variety programme for AIR Cuttack, which was aired on *Yuvavani* in two episodes.

Award winning movies and documentaries were screened on regular basis followed by discussions on important issues raised and points highlighted by the movies/documentaries.

Placements: The campus placements during the 2016-17 academic session was good. Over 70 percent of English Journalism students got placement in different media organizations following the campus selection initiative in Delhi and Dhenkanal. Nine out of the seventeen students of Odia Journalism course got

placement in Odisha based newspapers and television channels including Prameya, O TV, Enadu Digital and Odisha Livelihood Mission, the Government of Odisha Project under Panchayatraj Department.

Publications: IIMC, Dhenkanal Campus produced four monographs in this academic year: History of Public Relations and Crisis Management, written by Sri Subir Ghosh. Another Monograph in Odia "*Sambad Prasanga-2*" and Media Mind-IV (Compendium of lectures delivered at IIMC, Dhenkanal) were also released by IIMC, Dhenkanal Campus.

Activities at IIMC's Aizawl Campus

Since its inception in 2011, the Indian Institute of Mass Communication's North- East campus at Aizawl, Mizoram has grown in significance, with students from the campus creating their own niche in prominent media houses across the country. Continuing with the trend, the 2016-2017 academic session commenced in August, 2016. Over the course of the session, several eminent guest faculty members visited the institute and addressed the students.

A highlight of the year was the visit of Director General, Shri K.G. Suresh and Additional Director General Shri Mayank Agrawal to the Aizawl campus. Taking time out from their pressing commitments at the headquarters, Shri Suresh reviewed the functioning of the campus to get a first-hand impression of the work being done there including the construction of the permanent campus, and the issues faced by the employees and students. They were accompanied by the team of engineers overseeing the construction of the permanent campus of IIMC Aizawl, which is being built on the Mizoram University campus and is scheduled to be completed by the end of 2018. In a meeting with the faculty and the students, the Director General outlined his vision for the institute and also provided valuable guidance. Shri Suresh also gave the key note address at a national media seminar organised by the Department of Mass Communication, Mizoram University, in which he raised various issues concerning the profession of journalism. The Director General was also interviewed by Doordarshan Kendra, Aizawl in which he talked about IIMC's significance in the context of the state of Mizoram and the North-East.

Over the course of the second semester, the students attended a two-day photography workshop organised by Mr. Pranab Basu of the International Institute of Photography, Kolkata. It was a rewarding experience for the students where they learnt about basic photography concepts like lighting, framing and acquired some valuable hands-on experience. The students also covered the Anthurium festival, the annual tourism festival organised by the government of Mizoram, which resulted in comprehensive stories and beautiful photo-essays for the lab journal.

In terms of academics, the students produced ten lab journals and news bulletins for both radio and television. Two news websites, manned by two separate groups of students were also created and updated regularly. At the centralised campus recruitment process organised at the Delhi campus, three of the students from the Aizawl centre received job offers.

Activities at IIMC's Amravati Campus

The Western Regional Campus of IIMC at Amravati conducted practical exercises along with theory classes for students of PG Diploma in English Journalism on various aspects such as reporting, editing, television, new media, radio and photography. Throughout the year media experts were called to the campus to deliver lectures on various subjects related to journalism.

During the academic year, the campus produced six monthlies and 12 weeklies exclusively based on various city reporting assignments given to students. Other than this, the campus regularly published dailies. Students brought out special issues on festivals in Amravati, National Press Day and State politics. Students learnt photography and used camera to click various events and activities in the city. They submitted their stories with their own clicks.

Students voluntarily made a documentary on the nearby village Chenushta for the competition announced by the Ministry of Panchayat Raj. They focused on the development of the village. Along with this, they also made a short film of three minutes to take part in the competition announced by one of the media institutes in Mumbai. It was made in 36 hours as required by the competition rules.

As a part of television, students produced three documentaries in groups. They covered subjects like migrants in the city, traditional pottery business and local cuisine *Mande*. Everything including research, shooting, editing, recording was done by the students. For Radio practicals, students produced bulletins.

Five of the students participated in an International conference organized by Rashtrasant Tukdoji Maharaja Nagpur University, Nagpur in March 2017. They presented their papers based on new media. As a part of development journalism, the students visited a village called Bambarda in Washim district. They interacted with farmers, members of Krishi Samiti and entrepreneurs working in the field of irrigation. Later, they published an issue based on this visit.

For New Media, students prepared small stories using their mobile phones and learnt how to run a blog and use social networking sites for news.

As every year, students visited Chikhaldara, the nearest hill station and Sevagram on Oct 2nd as an extracurricular activity.

Activities at IIMC's Jammu Campus

Along with the theory classes, the students at IIMC's Jammu Campus were taken for field visits for practical exercises. Panel discussions and interactive sessions were also organised for the benefit of students. Special classes were conducted by industry experts on news writing for Radio and Television, language journalism, reporting from conflict zones, TV News Production and Breaking News etc. Editing workshops were also conducted for practical hands on training.

In the memory of Late Prof. K.M. Shrivastava, a panel discussion was held on 'Conflict Reporting'. "Is the media biased or objective?" President of Press Club of Jammu and the Bureau Chiefs of leading news channels in Jammu i.e., Times Now, Aaj Tak, Zee News, PTI, besides PRO Defence, Assistant Professor of National Security studies / Department of Journalism, students from Central University and IIMC Jammu participated in the discussion which was moderated by Sh. Rahul Jalali, President, Press Club of India.

The students participated in a wide range of discussions with the Chief Electoral Officer of J&K, on various election related issues. The role of Election Commission of India especially towards larger participation of eligible voters in the election process and model code of conduct etc. were elaborated by the CEO.

Northern Regional Campus of IIMC, Jammu celebrated the International Yoga Day on 21st June, 2017 in collaboration with 'Morning Walkers Association' of 'Ever Green Park' Channi Himmat, Jammu. The event was organised at Panch Mandir, Channi Himmat, Jammu with full zeal and dedication

despite bad weather. The participants including women appreciated the initiative taken by IIMC in this regard. It was announced that the celebrations of International Yoga Day in association with 'Morning Walkers Association' of Ever Green Park will be a regular feature in future. The event was widely covered by the press through local newspapers.

Visit of Director General, IIMC to Jammu Campus: Director General, IIMC Sh. K.G.Suresh visited IIMC Jammu Campus in February, 2017. During his interaction with the faculty and the students, he shared his reporting experiences. He emphasized upon the field reporting after verifying the facts & interviewing the source with utmost care. He also interacted with local media and visited the site of the new permanent campus coming up at Keran Bantalab. He reviewed the progress of the work at the site.

The State Government has allotted over 15 acres of land, the possession of which has been taken over by IIMC through Higher Education Department of J&K Government. The work of construction of boundary wall measuring around 1800 metres has been taken up through Civil Construction Wing of I&B Ministry. It was desired by the Director General to frame the proposals keeping in view the aesthetic look of the state / area. Later on Sh. K.G. Suresh held a meeting with Minister of State Smt. Priya Sethi and subsequently with Commissioner / Secretary to Government, Higher Education Department, Dr. Asgar Hassan Samoon, and Divisional Commissioner, Sh. Pawan Kotwal who agreed to provide every possible support to IIMC for setting up the permanent campus.

On the occasion of the Gandhi Jayanti, a cleanliness drive was undertaken in the Institute campus as well as hostel and its surroundings. The team consisting of faculty, staff and students met the members of the surrounding areas and requested them to keep the area neat & clean. Large heaps of garbage were removed from the surrounding areas. The action taken by IIMC was well appreciated by all.

Activities at IIMC's Kottayam Campus

The year 2016-17 was a robust year for IIMC Kottayam which saw new initiatives on the academic front, speeding up of building construction and fruitions in terms of students' placements. Experts and veterans from the industry supplemented the classes conducted at the campus.

The fourth batch of English Journalism students came out with flying colours after the placement week at IIMC, New Delhi. About 46 per cent of the students were placed in PTI headquarters itself. Students were also placed in The Times of India Group, APN etc. About 86 per cent of the students (from 1st April 2016 to 31st March 2017), who participated in the campus placement drive held at Delhi, got placed.

Journalism Mentorship Initiative: The success of the Journalism programme at IIMC Kottayam, can be attributed to strong practical focus and industry interface. Journalism Mentorship Initiative (JMI), at IIMC Kottayam, makes sure that the students are prepared for industry. This is done before the placement season in Delhi. It has been found to be beneficial in boosting students' confidence. During the period of report, students are sent to *The Hindu*, Outlook Magazine and *The New Indian Express*. JMI (modeled on the Guru-Sishya tradition) is a unique opportunity for the students to get their news stories published in the mainstream national media by aligning with a mid-career working professionals.

New IIMC Campus at Pampady, Kottayam: The year 2016-17 witnessed speedy construction activities at the site of new campus at Pampady, near Kottayam. Around 55 per cent of the construction activities are over during the period of report. The IIMC Regional Campus is expected to move to the sprawling 10 acre landscaped scenic campus soon.

DIPLOMA COURSE IN DEVELOPMENT JOURNALISM

The course is organized under the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) and Special Commonwealth African Assistance Plan (SCAAP) programmes of the Ministry of External Affairs, Government of India. The course, which is of four months' duration, is organized twice a year from January to April and again from August to November every year. In the academic session 2016-17, total 45 mid-career journalists and communication professionals successfully completed the training programme. So far, nearly 1524 journalists from 127 different countries have benefited from this training programme. The Diploma Course is highly sought after by middle level working journalists in Africa, Asia, Latin America and Eastern Europe. The average intake of scholars is 25. The Development Journalism programme is designed to upgrade the skills of working journalists and communication professionals and to theoretically equip them to deal with the challenges they face in communicating about developmental and economic issues.

The course is broadly designed to illuminate the linkages between development and communication. The objective is met through classroom lectures by IIMC faculty, eminent scholars and media and development professionals.

During 2016-17, 66th Diploma Course in Development Journalism was conducted from 1st August to 27th November, 2016 with 22 journalist scholars, from 14 different countries. The course was inaugurated by Shri K. G. Suresh, Director General, IIMC. He also interacted with the scholars. The valedictory function was held on 22nd November 2016 in which General (Dr) V. K. Singh (Retd), Hon'ble Minister of State for External Affairs was the Chief Guest.

67th Diploma Course in Development Journalism was conducted from 2nd January to 30th April 2017, with 23 Journalist scholars from 19 different countries (two new countries viz. Libya and Montenegro joined the training programme). The Course was inaugurated by Union Minister of Information and Broadcasting Shri M. Venkaiah Naidu on 17th January 2017 at PIB, Conference Hall, Shastri Bhavan, New Delhi.

SHORT-TERM COURSES, WORKSHOPS, SEMINARS & CONFERENCES

With a view to contributing towards better understanding of different issues pertaining to media and mass communication in the context of India and other developing countries and in order to enhance the awareness of personnel from different fields concerning emerging trends and techniques and sharpening their skills, the Institute has been organizing a variety of short-term courses, workshops, seminars and conferences on various themes related to communication.

The Institute runs regular short-term academic programmes for personnel from different Media Units of the Ministry of Information and Broadcasting. A number of specialized short-term courses are also conducted for meeting the professional training needs of Defence officials, Police officers of various states and for those working in various media and publicity organizations of the Central and State Governments, as well as in Public Sector Enterprises.

During the year 2016-17, the Institute successfully completed seven such courses, including five courses for Defence Services officials. A total of 163 officers / trainees benefited from these courses, which included Defence Services Officers of the rank of General. A list, along with details of short courses conducted during the year 2016-17, is incorporated at **Appendix 'A'.**

Since its inception, the Institute has organized a total of 688 such courses, and trained over 14,414 personnel from India and abroad.

DEPARTMENT OF COMMUNICATION RESEARCH

Research Activities during the Financial Year 2016-2017

Department of Communication Research (DECORE) focuses on systematic study of communication as an integral part of the Institute's academic pursuit. Being a premier Institute in the field of teaching and training in journalism and mass communication, research efforts are directed to analyse and understand the reach and impact of mass media and communication programmes on salient development issues. DECORE has established a benchmark of research in communication in last 50 years with more than 200 research studies on various subjects and themes ranging from health, elections, multimedia campaigns, social justice and empowerment, non conventional energy, environment, film censorship, HIV/AIDS, out-migration, empowering Panchayati Raj and more. The evaluation of media campaigns launched by media units of the Ministry of I&B is a constant feature of DECORE's research activities.

DECORE primarily works through a system of collaboration with professional communicators, academicians and researchers—who collaborate on research initiatives, educational offerings, and the establishment of standards and best practices.

1. PROJECTS AND TRAINING WORKSHOPS

A) NATIONAL RESEARCH PROJECTS

1) **Devising a Communication Strategy for Empowering Panchayati Raj Institutions**

(Commissioned by Ministry of Panchayati Raj, Government of India)

IIMC has developed local/region specific communication strategy for MoPR to identify areas and gaps therein with suitable changes in its communication messages, choice of media in addressing communication needs at different levels as course correction in the short-run. The overall focus of the communication strategy was to develop a comprehensive plan of promotion of KAP that is in tune with PRIs stated vision of attaining decentralised and participatory local self-government for empowering, enabling and establishing accountability for an inclusive development. In order to explore the bottlenecks and strengths of the communication system and communication ecology, fieldwork was carried out in states of Rajasthan and Chhattisgarh. Additional field-work was conducted to observe 'Gram Uday Campaign' in Pataudi Block in Haryana and Jammu and Udhampur Districts of J&K**.**

B) NATIONAL TRAINING PROGRAMME

1) **Participatory Communication Approach & Use of New Media Tools for Effective Drinking Water and Sanitation Programme Management**

(Funded by Ministry of Drinking Water and Sanitation, Government of India)

IIMC as a **Key Resource Centre for Capacity Building in Communication** for Ministry of

Drinking Water and Sanitation, GOI organised 3 days training workshop for the participants from Punjab, Haryana, Jharkhand, Odisha and Uttarakhand. The trainings focused on:

- Participatory monitoring and evaluation of DWS programme
- Interpersonal Communication Skills for improving quality of communication
- New Media/Digital Tools for community mobilization and participation

Development of Training Material for the Trainees of Drinking Water and Sanitation Programme: It covered-

- Development of booklet on Community Radio
- Communication Needs Assessment and Situation Analysis
- Problem Tree and Solution Tree
- Participatory Research Approach Module: Techniques on Field
- Digital Media: Looking Beyond the Conventional IEC Method

C) NATIONAL PROJECTS (CURRENT)

1) **Consumer Empowerment and Behavioural Change: Impact Assessment of Jago Grahak Jago Media Campaign**

(Commissioned by Ministry of Consumer Affairs, Government of India)

The research study aims to assess the effectiveness of the *Jago Grahak Jago* communication campaign, launched on diverse media for generating consumer awareness, increasing motivation, and influencing behavioural practices with concomitant affect on the grievance redress system. The study will investigate the saliency of the campaign/messages, respondents' attitudes/intentions, self efficacy of the consumers, and procedural constraints.

The findings will be particularly relevant in drawing the media plan and strategy for the next phase of the campaign in both urban and rural areas, the latter of which is emerging as a new market hub in the country.

2) **Drafting a National Communication Policy**

DECORE is engaged in drafting a National Communication Policy paper in accordance with the demand for a comprehensive communications policy to be positioned within the mandate of the Constitution. The draft policy paper will analyse policies existing in other countries to understand the ecosystem of government and media communication, and propose customized provisions for India. Focus on communication in the rapidly transforming technological landscape will provide ample scope for a forward-looking policy.

3) **Dedicated Volume on 50 Years of Communication Research**
A Compendium of 50 years of IIMC Research Studies from 1965- 2015 is being prepared in the digitised format.

D) SPECIAL PROGRAMMES

INTERNATIONAL COLLABORATIONS AND CONFERENCES

1) IIMC partnered with **East West Centre, Hawai, USA**, for organising the **World Media Conference on** 8-11 September, 2016 in Delhi. Director General, IIMC Sh. K.G. Suresh was a speaker in the plenary session. Professor Gita Bamezai, DECORE, IIMC was the panelist in the following sessions:

- Trends and Challenges in Journalism Education
- Language Journalism in India: Exploring New Frontiers And Emerging Challenges

During the Conference, a session was organised by IIMC on "Language Journalism in India: Exploring New Frontier and Emerging Challenges". Sh. Mayank Agrawal, ADG, Sh. Shivaji Sarkar, Associate Professor, Smt. Shashwati Goswami, Associate Professor and Ms. Rinku Pegu, Assistant Professor were the Panellists from IIMC and Dr. Anand Pradhan, Associate Professor was the Moderator of the programme. The session was very well received at the conference.

2) **Experiential workshop on "Public Health Journalism" in University of Oxford from September 19-21, 2016**

Director General, IIMC Sh. K.G. Suresh and Prof. Gita Bamezai, DECORE, IIMC attended experiential workshop on **Public Health Journalism** in University of Oxford, UK on September, 19-21, 2016 to discuss modalities of scaling CASP for students of journalism and mid-level journalists in India.

Objectives of the workshop were:

- ❖ Fine tuning the CASP Course on Public Health Journalism
- ❖ Replicate Thomson Reuters Mentorship strategy for Indian context
- ❖ Developing Online/e-courses
- ❖ Evaluation method for tracking media coverage on health
- ❖ Follow up plan to gauge impact in long-term.

PROPOSED: Post Graduate Diploma in CAS Programme (2017-19): Proposal to Scale CASP for students of Journalism and mid-level journalists in India with following major areas as the focus of the Course

1. Course on development Issues with focus on Public health

2. Critical Appraisal Skills

3. Course on Practice-based Research

4. Field-work and Dissertation

3) Prof. Gita Bamezai, IIMC participated in SWAN's (South Asian Women's Network) Eighth Annual conference in Yangon on 25-26th October, 2016

4) IIMC participated in a Workshop organised by the Ministry of Environment, Forest and Climate (MoEF&CC) and Biotech Consortium India Limited (BCIL) on 15th March 2017 to implement the UNEP/GEF supported Phase II Biosafety Capacity Building Project with an objective to strengthen the bio-safety management system in India.

- IIMC participated in the exhibition and showcased the outcome of the project "Capacity Building in Communicated Science and Bio-safety".

- Prof. Gita Bamezai, DECORE, IIMC participated in a "Regional Conference on Strengthening the Biosafety Capacity in India and Sharing of Experiences in the Region" as part of the UNEP-GEF supported Phase-II Capacity Building Project on Biosafety being implemented by Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC) from April 7-8, 2016.

E) INTERNATIONAL RESEARCH PROGRAMMES (PROPOSED)

1) **Regional (South Asia) Project on Women in Media in South Asian Region: UNESCO-SWAN-IIMC in collaboration with** Nepal, Bangladesh, Pakistan, Maldives, Afghanistan, Sri Lanka, Myanmar, and Bhutan

The proposed project aims to:

- Examine the portrayal of women in media, and gender issues: Whether absent, neglected or negatively projected

- Map the situation of women working in the media in terms of job opportunities, roles and working conditions

- Measure gender sensitiveness of media organisations and advertising agencies

- Assess gaps in gender sensitive policy and guidelines in media organisations

- Develop a Gender Sensitivity Barometer for implementation in the 9 participating countries

F) OTHER ACADEMIC ACTIVITIES

1) Preparation of skill-sets pertaining to Media and Entertainment Industry related positions/jobs and

required skill-sets for the Ministry of Information &Broadcasting and Ministry of Skill Development & Entrepreneurship.

OTHER INTERNATIONAL PARTICIPATIONS BY IIMC FACULTY:

1. Dr. Anubhuti Yadav, Head of the Department, New Media & IT participated in the panel discussion on Formal and Informal Teacher Professional Development organized by the Edmodo in August, 2016 at Sam Mateo, California.

2. Dr. Surbhi Dahiya, Associate Professor presented a paper at a conference on Safety of Indian Journalists on the World Press Freedom Day on 3rd May, 2016 at Helsinki, Finland. She also chaired a session on "Journalism Education" and presented a paper on "Ethical Issues in Journalism" at IAMCR conference held from 27th July to 31st July 2016 at Leicester, UK.

ADMISSION TO POST-GRADUATE DIPLOMA/ DIPLOMA COURSES

The process of admission to the following Post-Graduate Diploma Courses for the Academic Year 2016-17 commenced with the publication of advertisement for the same in leading newspapers in the month of March 2016, the last date prescribed for the receipt of application forms was 10th May 2016. The PG Diploma Courses are:

1) Post-Graduate Diploma Course in Journalism (Hindi) at Delhi

2) Post-Graduate Diploma Course in Journalism (English) at Delhi, Dhenkanal, Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam

3) Post-Graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations at Delhi

4) Post-Graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism at Delhi

5) Post-Graduate Diploma Course in Journalism (Odia) at Dhenkanal

6) Diploma Course in Journalism (Urdu) at Delhi (later upgraded to PG Diploma level)

A total of 4733 candidates applied for the Entrance Examinations for the above mentioned PG Diploma Courses. The course-wise breakdown of the 4733 candidates who applied for admission is: Journalism (Hindi) and (English)- 1945, Radio & TV Journalism – 1229, Advertising and Public Relations – 1496, Odia Journalism – 51 and Urdu Journalism 12.

The All India Entrance Examinations for the above courses (except for Odia Journalism) was conducted on 29th May 2016. The Entrance Examination was held across the country at the following centres: New Delhi, Ahmedabad, Lucknow, Patna, Kolkata, Guwahati, Bhubaneswar, Bangalore, Mumbai, Nagpur, Aizawl, Bhopal, Chennai, Jammu, Kochi, Raipur, Ranchi and Hyderabad. The Entrance Examination for the PG Diploma Course in Journalism (Odia) was held at Bhubaneswar and for Diploma Course in Urdu Journalism was held in New Delhi on 30th May 2016.

The Entrance Examination was followed by Interviews/ Group Discussions held in June-July, 2017. The

admission process for the academic year 2016-17 was completed successfully and the session began at New Delhi and all Regional Campuses on 1st August 2016 with the Orientation Lectures.

49th ANNUAL CONVOCATION

The 49th Annual Convocation of all PG Diploma Courses for the academic year 2015-16 was held on 15th September 2016 at the IIMC. Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Union Minister for Information and Broadcasting, Urban Development, Housing and Urban Poverty Alleviation was the Chief Guest and delivered the Convocation Address.

A total of 341 students of different Post-graduate Diploma Courses were awarded their Diplomas, while students who excelled were also presented with awards.

The details of the Awards won by the students of different courses are given at **Appendix "B".**

PLACEMENTS

IIMC organised placement fortnight from 15th February to 27th February, 2016. In all, 71 companies came for campus placements. 245 students got recruited, 19 got paid internships, 16 were offered internships and four students were offered off campus placements.

51st ANNUAL DAY CELEBRATIONS

The Institute celebrated its 51st Annual Day on August 17, 2016, which was also the 52nd Foundation Day of IIMC. The celebrations held at the New Delhi Campus of the Institute consisted of sports activities, marathon race, cricket match, musical chair etc. as well as a tree plantation drive and cultural programme organised by the students and the staff. Senior TV Journalist, Shri Rajat Sharma delivered the Foundation Day Lecture. Secretary, I&B and Chairman, IIMC Shri Ajay Mittal presided over the function.

INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS:

The 70th Independence Day was celebrated with great zeal and enthusiasm at IIMC's Delhi Campus on 15th August, 2016. Director General Sh. K.G. Suresh hoisted the tricolor and exhorted the students to inculcate a sense of ownership with regard to the society and the nation, as a whole. A patriotic movie - "The Legend of Bhagat Singh" was screene for students. A cultural extravaganza with students performing on patriotic songs was organized to mark the occasion.

NATIONAL YOUTH DAY CELEBRATIONS:

A special gala event was organized to commemorate the birthday of Swami Vivekananda also celebrated as the National Youth Day on 12th January, 2017. IIMC in association with SAM organized the event that featured performance from fusion band – 'Eternal Bliss', a ballet on the life of Swami Vivekananda and a show stopper performance by noted singer and choreographer Shraey Khanna,.

REVIVING GOLDEN JUBILEE LECTURES

Reviving Golden Jubilee Lectures at IIMC, Professor of International Communication and founder and

Co-Director of India Media Centre at the University of Westminster in London**,** Prof Daya Thussu, was invited to deliver a lecture on '*Communicating India's Soft Power: Buddha to Bollywood'* on 19th August 2016.

A talk on Cyber Safety: Campaign for Women and Children was held on 2nd September, 2016. The session was organized in collaboration with India Foundation for Rural Development Studies (INFORDS). Ms Parry Aftab, an American cyber lawyer, known for her work in the emerging field of Internet law addressed the students.

Renowned author and columnist, Ms. Pushpa Girimaji was invited to deliver a special lecture on 'Media & Consumer Issues' on 18th November, 2016. During her talk, she motivated students to undertake journalism in the fields of consumer rights and shared experiences from her three decades long journey in this field. As part of the Golden Jubilee Lecture Series, Shri Swapan Dasgupta, Sr Journalist and Member of Parliament (Rajya Sabha) spoke on 'The State of Indian Media' on 9th December 2016.

Dr Kalinga Seneviratne, Chulalongkorn University, Bangkok visited IIMC on 13th December 2016. He held an interactive session on 'Mindful Communication: A New Buddhist Paradigm in Journalism Education' in which officers, faculty, trainees and students of the Institute were present. Dr Seneviratne also held a half day workshop for Development Journalism Scholars on 14th March 2017.

Hazrat Syed Babar Ashraf noted Sufi Scholar delivered lecture on Sufism: The Essence of Islam in continuation of Golden Jubilee Lecture Series on 6th January 2017 at IIMC.

'*Acamedia Jugalbandi'*: IIMC in collaboration with Dr. APJ Abdul Kalam Study Circle organized *'Acamedia Jugalbandi'* – an interactive session moderated by Sh. K G Suresh, Director General, IIMC on 10th February, 2017. Prof. Chintamani Mahapatra, Rector, JNU and Sh. Shyam Bhatia, Author & Journalist were invited to share their experiences with students as part of the session.

Ms Bhawana Somaaya, Noted Film Journalist Author and Historian interacted with student and faculty at IIMC on 17th February 2017.

A special lecture by award-winning American storyteller, journalist and writer of Indian descent, Mr. Aman Ali was organized on 1st March 2017.

On the occasion of International Women's Day on 8th March, 201, a special lecture by Ms. Advaita Kala, award-winning author, columnist and scriptwriter of Kahaani fame was organised.

FIRST NATIONAL PRESS DAY LECTURE

IIMC organised the first ever National Press Day Lecture at its Delhi Campus. The lecture was delivered by veteran journalist and Chairman of IGNCA Shri Ram Bahadur Rai on 15th November, 2016.

OTHER SIGNIFICANT ACTIVITIES

Visit of a delegation from Bangladesh Cinema & Television Institute (BCTI): A delegation of 17 students led by Mr. M Hamid, Team Leader, BCTI, Mr. Jakir Hossain Vice-Chairman, Bangladesh Film Censor Board and Joint Secretary, Ministry of Information GoB, Ms. Ummal Khair Fatima, Assistant Director, BCTI visited IIMC Delhi Campus on 24th June, 2016.

Setting up a Photo Exhibition in collaboration with Women Feature Services: IIMC in collaboration with Women Feature Services and Girl Count organized a photo exhibition, 'Each Click Counts' at its Delhi Campus on 26th August, 2016. This visual journey on gender issues focused on the importance of girl-child in India, and aimed to generate awareness regarding the declining child sex ratio and gender based discrimination.

Teachers' Day Celebrations: A programme was organized on the occasion of Teachers Day on 5th September, 2016. One of the senior most Professors of Mass Communication, Sh. N.N. Pillai was invited by IIMC as the Chief Guest on the occasion. He shared his experiences as a teacher, with IIMC students. Students showcased their talent in a cultural programme to mark the occasion.

Photography Competition: A photography competition was organized on 30th September, 2016. 'Street Life' was chosen as the topic of the competition. The photo entries were judged by a panel of an external and internal member. The four winners were awarded cash prizes.

IIMC team wins 2nd prize at Skit Competition organized by Indian Oil: A talented team of IIMC students were sent to participate in Skit Competition organized by Indian Oil as part of the Vigilance Week celebration by Indian Oil Corporation on 25th October, 2016. The IIMC skit team brought laurels to the institute by winning the second prize in the competition. Along with the 2nd Prize trophy, the team also won Rs. 50,000 as cash prize.

Visit of students & faculty from Rutgers University, USA: Prof. Jill Capuzzo and students from Rutgers University, the State University of New Jersey, USA visited IIMC's Delhi Campus as part of their educational off-site on 14th March, 2017. The foreign students were undertaking a course based around India, titled "Inside India: Exploring the Country's History, Culture and Mass Media". They interacted with IIMC students and faculty regarding their research topics related to India.

SPIC MACAY Event: IIMC in collaboration with SPIC MACAY organized a concert by Josh Feinberg, sitar player from Maihar Gharana on 17th March, 2017.

USE OF OFFICIAL LANGUAGE

In accordance with the Government policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work were made during the year. The employees of the Institute were extended requisite training and incentives for encouraging greater use of Hindi in their functioning. Hindi workshops were arranged for the officers/employees in order to remove hesitation to work in Hindi.

Hindi Pakhwara (Hindi Fortnight) was observed at the Institute from 1st -15th September 2016 during which different activities were organized, in which the faculty, staff and students of the Institute participated. The Dhenkanal Regional Campus celebrated Hindi Saptah (Hindi Week) from 1st -7th September 2016. The Regional Campuses of IIMC at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam also celebrated Hindi Diwas (Hindi Day) on 14th September, 2016.

BUILDING ON STRENGTHS: INFRASTRUCTURE, SUPPORT & SERVICES

The Institute strives continuously for the creation of adequate and suitable infrastructure support for enabling its students to face the emerging challenges in the field with confidence. Owing to the rapid changes taking place in view of the IT revolution, there is a constant need to upgrade and strengthen the infrastructure created for the purpose. The use of these different contemporary tools and facilities imparts greater effectiveness to teaching.

TEACHING AIDS/FACILITIES

In consonance with its reputation of being one of the premier national-level institutes for imparting quality education and undertaking research in the field of media, mass communication and journalism, the Institute has well-defined and adequate facilities which encompass an entire spectrum of infrastructure needed for classroom and practical orientation in communication education. Constant up-gradation of these facilities is undertaken.

Global networks are converging towards a single integrated platform for voice, video and data. To keep pace with the developments in the fast-changing technology in the field of Information and Communication and its application in different areas of education and research, the Institute has acquired the latest computers with internet facility, which facilitates round-the-year connectivity for its students and faculty. This equipment and connectivity is the backbone of the educational tools and teaching aids for training students in electronic news editing, web journalism, multimedia, designing, publishing and graphics. A combination of state-of-the-art desktop machines facilitates the training of students in the areas of multimedia, computer graphics, desktop publishing, etc.

IT TOOLS

During 2011-12, IIMC joined the National Knowledge Network (NKN), a state-of-the-art, multi-gigabit, pan-India broadband network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge-related institutions in the country. Being part of the National Knowledge Network, IIMC receives broadband internet seamlessly at speeds of 1Gbps or higher. The purpose of such a knowledge network goes to the very core of the country's quest for building quality institutions with requisite research facilities and creating a pool of highly-trained professionals. The high speed NKN enables scientists, researchers, communicators and students from different backgrounds and diverse geographies to work closely for advancing human development in critical and emerging areas for generation and dissemination of knowledge in various fields.

The Institute also has a back-up 2Mbps broadband internet connection through the NIC, state-of-the-art computers with the latest configurations and software for imparting instruction to its students and trainees.

These facilities provide learning opportunities for the students of the Institute and *inter-alia* include three Workplaces – several Computer Labs, Multimedia and DTPs available to different groups at a time. The Website of the Institute, providing useful information about its programmes and other activities, can be accessed at *www.iimc.gov.in*.

TV AND VIDEO PRODUCTION

With a view to developing a high impact and good knowledge base amongst its students and trainees in the field of electronic journalism, the Institute has a modern production studio, equipped with digital cameras with synch and special effects generators. The editing consoles comprise iMac, FCP Mac-Pro digital video editing systems and on-line digital video editing.

The Institute has partially upgraded its analogue tape-based equipment to modern digital technology. This provides students with hands-on experience on digital cameras and non-linear editing that are universally employed in T.V. channels today.

For strengthening the infrastructure available with the Institute, it has acquired high-end FCP Mac Pro video edit machines for a network-based digital non-linear video editing system at New Delhi, with

stand-alone, non-linear edit systems and a high-end digital graphic support system for T.V. and print media. Digital still cameras, along with accessories, were also acquired for sufficiently strengthening the training in audio-visual and print areas. Digital video and still cameras, teleprompter machines and iMacs for non-linear editing have also been procured for Regional Campuses at Aizwal, Amravati, Jammu and Kottayam.

RADIO

For radio transmission, the Institute has separate sound recording, FM and voice-over studios, which are used for imparting training in Radio and TV technology. The Institute is equipped with the requisite facilities for radio news-gathering: professional tape and digital recorders, microphones and other accessories. The sound studio has reasonably comprehensive facilities:

- YAMAHA 03D full track console recorder.
- Sony 8 channel Audio Mixer MXP-290 for standby recording.
- A six channel On-Air console with specialization facilities.
- Portable Sony IC recorders that record directly into MP3 and WAV Sound formats.
- Shure Microphones SM 58.
- Adobe Audition Software units with Editing and Recording facilities for programme production.
- Multitrack TASCAM containing a minidisk player, CD player, cassette player for transmission
- Specialised Broadcast Equipment.

COMMUNITY RADIO STATION (APNA RADIO 96.9 FM)

Apna Radio has been running as a Community Radio of IIMC, New Delhi since 2005. Over the last four years, initiatives have been taken to re-vitalise this Community Radio Station. Apna Radio goes on air for seven hours a day.

In August 2014, it started a daily Live Show 'Apne Aas Paas' and gradually increased its duration to 60 minutes. This show has now become a Flagship programme of Apna Radio. In this programme, topics of the day are discussed and subject-experts are invited, either in the studio or on phone or for Phone-in Programmes in order to engage listeners and interact with them live.

Teen Talk Season - 1 in 2016 was a programme on teenagers' issues. The success of this series inspired to go for Season - 2 in 2017. This has become a shining example of community participation and involvement.

COMMUNITY RADIO EMPOWERMENT AND RESOURCE CENTRE:

A Community Radio Empowerment and Resource Centre is functional at IIMC's New Delhi campus since March, 2017 with the objective to impart training on establishing, operationalising and managing

community radio stations. It is a dynamic hub for diverse professional, practical and research activities on community radio. The first training programme for the volunteers from nine stations was conducted in March, 2017..

In association with South Delhi Legal Services Authority, Phone-in programmes / interviews for the benefit of domestic workers, child labourers, victims of domestic violence, senior citizens, etc. were broadcast. The participation of the urban villages and JJ clusters of the community has shown a marked increase due to the programmes such as 'Apni Chaupal' and 'Apni Basti' in which the public of these areas communicate to the authorities.

Apna Radio has been inviting to doctors of AIIMS, Max Hospital, Fortis Hospital, Batra Hospital, BLK Super Specialty Hospital and LNJP Hospital on various health issues concerning the community.

Apna Radio has elicited the participation of some NGOs of the area from time to time, such as Chetna, Society for the Promotion of Youth and Masses (SPYM), Can Support, Senior Citizens Welfare Association, (SCWA), Force, Centre for Science and Environment (CSE), Haq, Muskaan, Dastkar and Indus Action.

Similarly some Schools, Experts and RWAs of the area have also been engaged with on different social issues.

PHOTOGRAPHY

In view of the growing prominence of visual communication and for meeting requirements of the industry in this regard, the Institute has incorporated a module on Photo-journalism in all the courses being run by it. For imparting training in this field, the Institute has a fully equipped digital photo lab, besides having a wide assortment of cameras, ranging from the vintage to the most modern digital SLRs. All the studios and classrooms are also equipped with an extensive range of training aids such as LCD projectors, Overhead Projectors, T.V. Monitors, L.C.D. screens, etc.

PRINTING PRESS

An automated printing press and graphics wing at the Institute provides facilities for graphic design, offset and silk-screen printing, besides imparting training in printing techniques and desktop printing to the students of the Institute.

The printing press is also equipped with processing and binding facilities. All question papers for the All-India Entrance Examination, all the End-Semester Examination question papers and most publications of IIMC are printed at the in-house printing press.

INFORMATION RESOURCE CENTRE & PUBLICATIONS

The Institute has the largest specialized library of mass communication in the country. It has collected about 33,968 volumes of books and bound Journals on different aspects of mass communication and allied subjects such as print media, broadcasting, advertising, communication, communication research, public relations, radio and television, films, information technology and traditional media.

The library subscribes to over 82 journals/magazines and 32 leading newspapers. It has also been providing a newspapers-clipping service to its users, including complete record of news items and leading articles on Mass Communication published in various leading professional journals and periodicals.

The library is fully computerized and has automated its housekeeping and service operations through the latest version of Library software LIBSYS 7, On-line public access catalogue (OPAC) and Online Journals are available for students and faculty members.

Library has also developed a state of the art Multimedia and reference section for students and faculty.

IIMC JOURNALS

The English peer-reviewed academic journal "Communicator" (ISSN: 0588-8093) was relaunched by Hon'ble Union Minister of Information and Broadcasting Shri M. Venkaiah Naidu on January 17, 2017. Volume LI(3), October-December 2016 and Volume LII(1) January to March 2017 were published.

The Hindi peer-reviewed academic journal "Sanchar Madhyam" (ISSN: 2321-2608) was also relaunched as quarterly and Volume 29, January to March 2017 issue was published.

PLAN SCHEMES

The Plan Scheme 'Upgradation of IIMC to International Standard' was included in the 11th Five Year Plan and approval was accorded for a total amount of Rs.62.00 crores, out of which the Government grant support is pegged at Rs.51.50 crores. The proposals of the scheme include upgradation of IIMC i.e. construction of additional floors on the existing main building and lecture block at the IIMC Campus, New Delhi, construction of new buildings on the vacant land at the IIMC Campus, New Delhi and construction of new buildings at the IIMC Campus, Dhenkanal, as well as the starting of four new Regional Campuses of IIMC in the states of Maharashtra, Mizoram, Kerala and Jammu & Kashmir.

Construction of additional floors at the New Delhi Campus was completed in 2011. Construction of new buildings at Dhenkanal has been completed in December 2014. Construction of new buildings on the vacant plot at Delhi Campus is still pending due to non-clearance of the building plans by various civic authorities. At present clearance is awaited from Ridge Management Board, Govt. of NCT Delhi.

Two new Regional Campuses at Amravati and Aizawl became operational from August, 2011 while two more Regional Campuses at Jammu and Kottayam became operational from August, 2012. All four new Regional Campuses are presently located in temporary premises provided by the respective State Governments / Universities free of cost.

The Plan Scheme 'Opening of New Regional Campuses of IIMC' was included in the 12th Five Year Plan and approved for an amount of Rs.94.00 crores, out of which the Government grant support is Rs.90.00 crores. Proposals under this scheme include construction of permanent campuses for the four new Regional Campuses of IIMC on land to be provided by the respective State Governments free of cost.

At Aizawl, around 8 ½ acres of land has been leased to IIMC free of cost by Mizoram Central University. IIMC had entered into MoU with CPWD for construction of buildings. CPWD has awarded the contract to M/s Tribeni Constructions Ltd at their tendered amount of Rs.17,99,68,473/- and the work had commenced in last week of September, 2015. About 80% of the work has been completed by the end of March 2017.

At Kottayam, Government of Kerala has allotted around 10 acres of land free of cost at village Pampady, Kottayam Distt. to IIMC for setting up its Regional Campus. The Taluk Office, Kottayam has also issued a Patta transferring ownership of the land to IIMC. IIMC has entered into an MoU with CPWD for

construction of buildings at Kottayam as deposit work. CPWD has awarded the contract to M/s. N.J. Thomas & Company at their tendered amount of Rs.9,85,50,318/- and the work commenced during 2016-17. It is expected that 80% of the work will be completed by end of March 2017.

At Jammu around 15 acres of land was allotted free of cost to IIMC by State Government of J&K during 2016 at village Keran, Jammu. Pre-construction activities such as topographical survey, etc. has been done. Consultant for the project has been appointed for preparing architectural and structural designs/drawings, bill of quantities/estimates etc. The work for construction of permanent campus has been entrusted to CCW-AIR, Ministry of I&B as deposit work. At present construction of boundary wall, shifting of nallah to reclaim the plain land is almost complete. There is some delay due to litigations involving one side of the land. Construction of buildings is expected to commence by the end of fourth quarter of 2017.

At Amravati, around 15 acres of land was allotted free of cost to IIMC by State Government of Maharashtra at Badnera near Amravati. IIMC has already appointed Consultant for preparing Project Report, preparation of structural drawings, bill of quantities, etc. The enabling works, viz. topographical survey of the land, soil investigation etc. shall commence shortly.

ESTABLISHMENT OF NATIONAL CENTRE OF EXCELLENCE FOR ANIMATION, VISUAL EFFECTS, GAMING AND COMICS IN MUMBAI (NCOE-AVGC)

Animation, Visual Effects, Gaming and Comics (AVGC) are at the nascent stage of development in India. Keeping in view the growth and development and great potential for expansion and job creation in these fields which will boost the AVGC industry in India, the Government of India has decided to set up the National Centre of Excellence for Animation, Visual Effects, Gaming and Comics (NCoE-AVGC) as part of IIMC to impart world class education in UG, PG and Doctoral levels in different disciplines of AVGC sector at affordable cost. The Centre will also organize short term courses in the above disciplines.

NCoE-AVGC is proposed to be set up in Mumbai. The SFC proposal for setting up the Centre was approved on 1st November 2016. The State Government of Maharashtra has identified about 20 acres of land in Film City, Mumbai for the proposed Centre.

It is planned to operate with a student capacity of around 1480 with 60 per cent of the students in the UG Programme. It will have tie-ups with the industry and international institutes of repute for academic excellence. The total estimated cost of the project is Rs. 167.70 Crores which is to be incurred over a period of seven years. The proposed scheme envisages meeting the expenditure towards the infrastructure at an estimated cost of Rs.102.70 crores which is to be incurred over a period of four years. In addition, a corpus fund of Rs.65 crores is proposed to be provided to meet pre-operation expenses and operational expenses during initial years.

IIMC has already taken up the process of establishing the proposed NCoE-AVGC.

SWACHH BHARAT MISSION

Indian Institute of Mass Communication has been committed to keep the IIMC Campus clean and to take the Swachhta (Cleanliness) initiative forward. In 2016-17, Swachhta activities & cleanliness drives were conducted in the campuses of IIMC across the country which covered the campus and nearby areas in order to create awareness amongst local residents for keeping the roads and other infrastructure

clean. IIMC had successfully conducted a special drive for 5 days during October 2016. The activities undertaken by IIMC were as follows:

Special Radio Campaign comprising symposiums, jingles and debates on IIMC's Community Radio Station (96.9 FM) such as Clean Community Campaign, Garbage Management, Clean Rivers, issue of illegal construction waste, role of RWA's in Swachhta Abhiyan, biomedical waste management etc.

Experts and guests were invited in these programmes to disseminate the Swachhta message and other cleanliness information to the general public and nearby locals.

In the cleanliness activities led by DG, IIMC along with ADG, IIMC and all staff, faculty members and students, many dustbins were installed in various parts of campus area, tree plantation activities were carried out and pledge for Swachhta was taken by the faculty and staff of IIMC. Many old files and electronic waste were disposed off during this time. Brooming and mopping up the IIMC office premises, gardening activities in IIMC and removal of scrap items were also the part of these campaigns. .

INTERNATIONAL YOGA DAY

The Director General, IIMC Shri K. G Suresh inaugurated International Yoga day event organized in IIMC on 21st June, 2016. A Yoga Session was organized on the day and IIMC staff, officer trainees joined enthusiastically. Since then, regular Yoga sessions are organized in the institute for the benefit of staff, faculty, officers trainees and students. A part time yoga teacher has also been engaged at IIMC.

WELLNESS CENTRE

Wellness Centre is functional at Delhi Campus where Allopathic, Ayurvedic and Homeopathic doctors visit from Monday to Saturday. A clinical psychologist also visits the Centre. The doctors also visit the Dhenkanal Campus while emergency medical facilities are made available at all campuses.

RENAMING OF IIMC DELHI BUILDINGS AFTER NATIONAL ICONS

In order to inculcate spirit of nationalism and promote Indian culture and values, academic, administrative and hostel blocks have been renamed after national icons as follows:

1.	Main Manch (Auditorium)	:	Mahatma Gandhi Manch
2.	Academic Block	:	Chanakya Block
3.	Mini Auditorium	:	Lokmanya Bal Gangadhar Tilak Mini Auditorium
4.	Hostel-1	:	Rani Gaidinliu Girls Hostel
5.	Hostel-2	:	Baba Saheb Dr. Bhim Rao Ambedkar Hostel
6.	Officers Guest House	:	Dr. APJ Abdul Kalam Guest House
7.	Park near Canteen	:	Swami Vivekanand Smarak Shila

The Amphitheatre has been renamed as Meghdoot Amphitheatre

CITIZENS' CHARTER & GRIEVANCES REDRESSAL MECHANISM

The New Citizens' Charter has been prepared as per the new guidelines and placed on the IIMC Website. As per this, Citizens' Charter, any citizen can address and seek redressal of his/her grievance pertaining to the Institute. An officer from the Institute has been nominated as Public Grievance Officer. Grievances received are examined by the Institute and redressed with the approval of the Competent Authority. The address of the Grievance Officer of the IIMC is:-

Additional Director General
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110 067

Any person not satisfied with any service of IIMC, or aggrieved by any action of the Institute, may seek redressal of his/her grievances by addressing the Grievance officer. Every such person shall be entitled to be informed about the action taken on his/her grievance within a period of 30 days from the date on which the complaint is received.

If any member of the Public/Institute desires to meet the Grievance Officer in connection with his/her Grievances, he/she can do so without any prior appointment on all working days between 3 to 4 p.m. in the office.

INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE

A six member Internal Complaints Committee has been set up in IIMC with one non-official member, as part of the Grievances Redressal mechanism in terms of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013.

Steps to spread awareness

- A Seminar on sexual harassment in the workplace was organized.
- A poster making competition on the issue was organized.
- Posters on 'Zero Tolerance' have been displayed at all important areas in the campus and at all campuses of IIMC.

GRIEVANCES REDRESSAL CELL

There is a Grievances Redressal Cell in IIMC to address the grievances.

RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

So far as Implementation of the Right to Information Act 2005 is concerned, Deputy Registrar IIMC has been nominated as CPIO, Additional Director General as the Appellate Authority and Director General as the Transparency Officer under the RTI Act.

CODE OF CONDUCT

IIMC is an institute of excellence in the field of professional media training and as such is required to ensure the highest standards of discipline and conduct to allow time bound and rigorous administration of professional courses in the field of media. Therefore, the Code of Conduct and disciplinary policies for the students of Indian Institute of Mass Communication have been formulated to provide a clear and transparent statement of the Institute's expectations from students in respect of academic matters and individual behavior. The Code of Conduct applies to all students of IIMC, New Delhi and its Regional Centres, in respect of all actions and activities relating to or impacting on the Institute or its students and employees. It is available on IIMC website.

DISCIPLINARY COMMITTEE

A disciplinary committee has been constituted at the Institute do deal with the matters pertaining to disciplinary cases involving students of IIMC.

Annexure "A"

SHORT COURSES/ WORKSHOPS/SEMINAR CONDUCTED DURING 1st April 2016 to 31st March 2017

S.No.	Name of Course	Date	Course Director	No. of participants
1	Media Communication Course for Officers & Staff Appointments/PRO/ Instructor	6th June to 24th June 2016	Prof. Vijay Parmar	15
2	Videography Course for JCO's and NCO's	6th June to 1st July 2016	Dr Anand Pradhan	15
3	Training Programme for Assistant Directors, Senior Assistant Directors for I&PR Department of Govt. of Karnatakka	6th June to 17th June 2016	Dr Anubhuti Yadav	16
4	Media Communication Course for Senior Officer (Brig/Col/Equiv)	19th to 30th September 2016	Prof. Vijay Parmar	13
5	Media Communication Course for Middle Level Officers (Maj/Lt.Col/Equiv)	9th-20th January 2017	Prof. Vijay Parmar	16
6	Public Relations Course for NDRF Officers	16th-20th January 2017	Dr Surbhi Dahiya	12
7	Media Communication Course for Officers & Staff Appts/PRO	6th-23rd February 2017	Prof. Vijay Parmar	15
8	Public Relations Course for NDRF Officers	13th-17th February 2017	Dr Surbhi Dahiya	13
9	Media Communication Workshop for Senior Officers (Major General and above)	6th-10th March 2017	Prof. Vijay Parmar	14
10	Students of Mass Communication/Journalism from Kanya Maha Vidyalaya, Jalandhar	8th-10th March 2017	Dr Surbhi Dahiya	25
11	Special Course for the Public Relations Officers of the Govt. of Assam	20th-24th March 2017	Dr Surbhi Dahiya	9

Appendix "B"

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
AWARD LIST OF PG DIPLOMA COURSES 2015-16

(1) **Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), New Delhi**

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Devika Sharma
2.	The Hindu Award	Mr Mukesh Rawat
3.	Deccan Herald Award	Ms Maanya Sachdeva

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Dhenkanal campus

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Aradhana Lamichhane
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Joy Tirkey
3.	NALCO Award	Mr Hrushikesh Mishra

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Aizawl campus

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Shubhra Shalini

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Amravati campus

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr Sparsh Mudgal

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Jammu campus

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr Abhishek Chaturvedi

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Kottayam campus

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Nivedita Kumari Singh

¼2½ i=dkfjrk esa LukrdksRrj fMIyksek ikB~;dze ¼fgUnh½

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	पी टी आई पुरस्कार	श्री अंकित ओझा
2.	पं. बनारसी दास चतुर्वेदी पुरस्कार	सुश्री जया पाण्डेय
3.	आई आई एम सी पुरस्कार	श्री अविनाश द्विवेदी
4.	श्री अशोक जी पुरस्कार	श्री शंकर पंडित

(3) **Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism**

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Arshia Dhar
2.	ZEE TV Award	Ms Arya Harikumar
3.	TV Today Award	Mr Paras
4.	CNN Award	Ms Lipi Upadhyay
5.	ZEE TV Award	Ms Anita Shahu
6.	Prasar Bharati Award	Ms Sneha Dipika Nancy Barjo
7.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms Neha Chandra

(4) **Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations**

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	Shri Achin Ganguly Memorial Award	Ms Khushboo N Parmar
2.	IIMC Award	Mr Ishaan Misra
3.	Shri Anil Basu Memorial Award	Ms S Kavya
4.	PRSI Award	Mr Shubham Saurav Singh
5.	PSPRF Award	Ms Chandreyee Bhattacharya

(5) **PG Diploma Course in Odia Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)**

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr Tarun Kumar Sahu
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms Sanghamitra Mallick
3.	Dr Harekrushna Mahtab Memorial Award	Mr Litun Kumar Sahu

(6) **Diploma Course in Urdu Journalism, New Delhi**

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Md. Hussain

APPENDIX 'C'

THE FACULTY
New Delhi

Director General
Shri K.G.Suresh

Additional Director General
Shri Mayank Kumar Agrawal

Deputy Registrar
Shri P.V.K. Raja

Professors

1.	Dr. J Jethwaney (Retired on 31.10.2016)	Advertising & Public Relations
2.	Shri Vijay Parmar	Oral and Visual Communication
3.	Dr. Gita Bamezai	Communication Research
4.	Dr H K Joshi	Hindi Journalism
5.	Shri Mukul Sharma	Development Journalism

Associate Professors

1.	Shri Shivaji Sarkar	English Journalism
2.	Dr. Anand Pradhan	Feature Communication/Writing
3.	Dr. Sunetra Sen Narayan	Publications
4.	Ms. Shashwati Goswami	Radio Journalism
5.	Dr Anubhuti Yadav	New Media
6.	Ms Surbhi Dahiya	English Journalism

Assistant Professor

1.	Ms. Rinku Pegu	Indian Information Service

Dhenkanal

Professor

1.	Dr Mrinal Chatterjee	Communication

वार्षिक लेखा
ANNUAL ACCOUNTS
2016-17

प्रबंधन की टिप्पणियों सहित लेखा परीक्षक की स्वतंत्र रिपोर्ट

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	सदस्यगण, भारतीय जन संचार संस्थान **वित्तीय विवरणों की रिपोर्ट** हमने भारतीय जन संचार संस्थान के 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए इसी समय के संलग्न तुलन पत्र और आय-व्यय लेखे तथा प्राप्तियों और भुगतानों के लेखें तथा महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के संक्षेप और अन्य स्पष्टीकरण सूचना की जांच कर ली है। **वित्तीय विवरणों की जिम्मेदारी प्रबंधन की** वित्तीय मानकों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का उत्तरदायित्व प्रबन्धन का है जो संस्थान की वित्तीय स्थितियों, वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का सही और उचित आकलन दर्शाते हैं। इस उत्तर दायित्व में वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबद्ध आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रखरखाव सम्मिलित हैं जो इनका सही और निष्पक्ष मत दर्शाते हैं और धोखा या गलती के कारण वस्तुपरक गलत विवरण से मुक्त हैं। **लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी** हमारी जिम्मेदारी हमारे द्वारा किए गए लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर मत प्रकट करना है। हमने भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किये गए मानकों के आधार पर लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के अनुसार हमारी जिम्मेदारी यह देखने की है कि वित्तीय विवरणियों में कोई गलत सूचना न हो हमें देखना है और उचित भरोसा देना है कि वे नैतिक एवं आवश्यकताओं के अनुसार हों।	

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	लेखा परीक्षा में, वित्तीय विवरणियों में सभी मदों का खुलासा करने के लिए लेखा प्रमाणों एवं निष्पादन प्रक्रिया को दर्शातें है। यह चयन प्रक्रिया लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती है जिसमें धोखे या गलती से वित्तीय विवरणियों में दी गई गलत जानकारी के जोखिम का मूल्यांकन भी शामिल है। लेखा परीक्षक संस्थान की परिस्थितियों के लिए उपयुक्त लेखा परीक्षा को डिजाइन करने के लिए वित्तीय विविरणों के सही प्रस्तुतीकरण और निर्माण के लिए, जोखिम का निर्धारण करते समय संस्थान से संबंधित आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखता है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा किये गए प्राक्कलनों के औचित्य को भी शामिल किया जाता है। हमने संस्थान से वे सभी सूचनाएं और सपष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।	कोई टिप्पणी नहीं
	2. <u>उपयुक्त मत के आधार</u> (i) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार स्थायी परिसंपत्तियों की जांच होनी चाहिए, लेकिन उनका प्रत्यक्ष सत्यापन ऑडिट के तहत कवर किए गए वर्ष के दौरान नहीं किया गया है; जो जीएफआर नंबर 192 के अनुसार अनिवार्य है। इस नियम के अनुसार, स्थायी परिसंपत्तियों को वर्ष में कम से कम एक बार सत्यापित किया जाना चाहिए लेकिन संस्थान की तरफ से इसमें अनियमितताएं हैं। जीएफआर 192 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। आडिट के प्रत्यक्ष सत्यापन का संचालन करने के लिए फर्म की नियुक्ति के लिए निविदा 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए अभी तक जारी नहीं की गई है। पिछले वर्ष 2015-16 में भी संस्थान और नियुक्त फर्म द्वारा अत्यधिक देरी हुई थी। वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए कोटेशन के लिए 3 फरवरी 2017 को निविदाएं बंद की गई थीं जो अपने आप में काफी विलंबित था। इसके बाद, मैसर्स आर	**<u>उपयुक्त मत के आधार</u>** (i) यह सत्य् है कि 31.3.2017 को समाप्त वर्ष के लिए फिक्स्ड एसेट्स के प्रत्यक्ष सत्यापन के लिए प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है। इसका एक कारण यह है कि 31.3.2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष सत्यापन के लिए सीए फर्म द्वारा रिपोर्ट अक्टूबर 2017 में प्रस्तुत की गई है और अब इसे स्वीकृति के लिए रखा गया है। 31.3.2017 को समाप्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रक्रिया अब शुरू हो जाएगी। जैसा कि ऑडिट द्वारा बताया गया है भविष्य में स्थायी परिसंपत्तियों के प्रत्यक्ष की प्रक्रिया समय से शुरू हो।

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	आर कांत गुप्ता एंड एसोसिएट्स की नियुक्ति 17 फरवरी, 2017 को 2 महीने की अवधि के भीतर कार्य के पूरा होने की शर्त के साथ की गई थी, लेकिन फर्म ने 12 अक्टूबर, 2017 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके लिए भी कंपनी द्वारा उल्लिखित 6 महीने की देरी के कारण का औचित्य नहीं है। पिछले वर्ष भी ऐसा ही हुआ था। वित्तीय वर्ष 2015-16 की परिसंपत्तियों का आडिट मार्च 2017 में करना व्यावहारिक नहीं है क्योंकि परिसंपत्तियों को तिथि के अनुसार सत्यापित किया जाना चाहिए। संस्थान को इसके लिए और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है और जब वह फर्म की नियुक्ति और कार्य के पूरा होने की बात आए तो तेजी से काम करे। आज की तिथि में, ऑडिट के तहत कवर किए गए वर्ष के लिए हमारे पास स्थायी परिसंपत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की कोई रिपोर्ट नहीं है।	
	(ii) पुस्कातलय की पुस्तकों के प्रत्यक्ष सत्यापन की रिपोर्ट, जो जीएफआर 194 की एक अनिवार्य आवश्यकता है, अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। संस्थान के पुस्तकालय में 35,000 से ज्यादा किताबें हैं, जीएफआर नं 194 के अनुसार इनका सत्यापन तीन वर्ष की अवधि में कम से कम एक बार किया जाना चाहिए। पिछला सत्यापन 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए जून 2013 में किया गया था, इसलिए इसे 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाना चाहिए था। इसके लिए 17 फरवरी, 2017 को फर्म की नियुक्ति की गई थी। हालांकि, संस्थान को अभी तक फर्म द्वारा इसकी रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। स्थायी परिसंपत्तियों के समान, हमने पुस्तकालय की पुस्तकों के प्रत्याक्ष सत्यापन में भी अत्यधिक देरी देखी है।	(ii) लेखा परीक्षक ने स्वयं कहा है कि पुस्तकालय की पुस्तकों के सत्यापन के लिए एक सीए फर्म 17.02.2017 को नियुक्त की गई जिसकी रिपोर्ट संस्थान को अब तक प्राप्त नहीं हुई है। हम रिपोर्ट को प्राप्त करने के लिए ऑडिटर से लगाकार संपर्क में हैं।
	(iii) कैंटीन वेंडर और संस्थान के बीच कोई मूल समझौता नहीं मिला। कैंटीन वेंडर किसी भी समझौते के बिना पिछले कई वर्षों से संस्थान के परिसर में काम कर रहा है। पिछले साल अंततः दो पार्टियों के बीच एक समझौता किया गया था।	(iii) कैंटीन वेंडर और आईआईएमसी के बीच एग्रीमेंट काफी पहले हुआ था, लेकिन उसकी प्रति वेंडर या आईआईएमसी के पास उपलब्ध नहीं है। पहले हुआ एग्रीमेंट एस्टेट अनुभाग के पास से नहीं मिल

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	हालांकि, यह एक अनियमित समझौता था क्योंकि इसकी वैधता की कोई समय सीमा नहीं है। इसके अलावा कैंटीन के आवंटन से पहले कोई निविदा/कोटेशन आमंत्रित नहीं किया गया था। इसके अलावा, संस्थान द्वारा बिजली और पानी के शुल्क नहीं लिए जा रहे हैं क्योंकि यह समझौते में लिखा गया है कि अलग-अलग जल और बिजली मीटर स्थापित होने पर इन शुल्कों लिया जाएगा। लेकिन संस्थान की लापरवाही और देरी के कारण, यह अभी तक स्थापित नहीं हुआ है, भले ही समझौते की तिथि से 11 माह से अधिक समय बीत गए हों।	पा रहा है। हालांकि 2016 में एक नया एग्रीमेंट हुआ था जो ऑडिटर को दिखाया गया था। हम कैंटीन के लिए एक अलग बिजली और पानी का मीटर स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।
	(iv) उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, संस्थान के पास बैंक के साथ रेंट एग्रीमेंट नहीं है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया संस्थान के परिसर में बिना किसी समझौते के दो दशकों से अधिक से कार्य कर रहा है। इस संबंध में, परिसर के उपयोग लिए संस्थान को बैंक से सिर्फ 1 रूपया प्रति माह मिल रहा है। शुरुआत से ही संस्थान और बैंक के बीच कोई औपचारिक समझौता नहीं है।	(iv) भारत सरकार के एस्टेट कार्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक किराए का दावा किया जा चुका है और बैंक द्वारा अप्रैल 1, 2017 से इसे स्वीकार कर लिया गया है। इसे लेखा परीक्षक को दिखाया गया था। हालांकि, बैंक ने अप्रैल 2017 से पहले बकाए को माफ करने का अनुरोध किया था लेकिन आईआईएमसी ने इसे अस्वीकृत किया है। पहले का समझौता एस्टेट अनुभाग के पास से नहीं मिल पाया है इसलिए आईआईएमसी बैंक के साथ एक नया समझौता करेगा।
	(v) जैसा कि डीजीसीए रिपोर्ट में उल्लिखित है, संस्थान ने मैसर्स सीएस कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड से परिसमापन शुल्क वसूल नहीं किया है। इस अनुबंध में मई 2012 में प्राप्त होने की तारीख से 14 महीनों के अंदर पूरा करने की शर्त के साथ प्रवेश किया गया था। हालांकि, यह काम अंततः 31 मार्च, 2015 को पूरा हुआ जिसमें निर्धारित तारीख से 20 महीनों की देरी हुई। संस्थान को कुल राशि का 10% रोकने का अधिकार था जो कि रु 59 लाख होता है। लेकिन संस्थान द्वारा ऐसा नहीं किया गया और पूरी राशि रु 59 करोड़ का भुगतान ठेकेदार को कर दिया गया। संस्थान ठेकेदार द्वारा दिए गए सामान्य कारणों से संतुष्ट था और इसलिए उसने पूरा भुगतान कर दिया।	(v) सीएस कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा काम मार्च 2015 में पूरा हुआ था और जिसका बिल 2015-16 में पेश किया गया। वैधानिक लेखापरीक्षा का अवलोकन डीजीएसीई के लेखापरीक्षा पैरा पर आधारित है और इस अवधि के तहत शामिल नहीं है। डीजीएसीई के पैरा का उचित रूप से उत्तर दिया गया है और उसके फैसले के बारे में सूचित किया जाएगा। अनुबंध के नियम और उचित धाराओं के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ठेकेदार द्वारा दिए गए कार्य के पूरा होने के लिए समय बढ़ाने के कारणों से संतुष्ट नहीं हैं, तो समझौते राशि का अधिकतम 10% दंड लगाया जा सकता है। मैसर्स सीएस कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए समय बढ़ाने के मामले में परियोजना सलाहकार, ठेकेदार, वित्तीय सलाहकार, तकनीकी परामर्शदाता, आर्किटेक्ट और एक स्वतंत्र परामर्शदाता सुश्री सोमी टंडन आईडीएएस (सचिव रक्षा वित्त

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	लेकिन हमारे लेखापरीक्षा ने अवलोकन किया कि ठेकेदार द्वारा दिए गए सभी कारण पूरी तरह से निराधार और सामान्य थे और ऐसा कोई कारण नहीं था जो 20 महीने की देरी को सही ठहरा पाए। ठेकेदार के तरफ से यह पूरी तरह लापरवाही जिसके लिए संस्थान को 59 लाख रुपये की राशि को जब्त करना चाहिए था। ठेकेदार द्वारा निम्नलिखित कारण दिए गए:	सेवानिवृत्त) के साथ बड़े पैमाने पर चर्चा की गई थी। परियोजना सलाहकार और वित्तीय सलाहकार के परामर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि ठेकेदार द्वारा होने वाली देरी के कारण सही थे और ठेकेदार के नियंत्रण से परे थे। जुर्माने का फैसला सक्षम प्राधिकारी के विवेकाधिकार पर निर्भर करता है कि वह शून्य हो या समझौते राशि का अधिकतम 10% हो। वर्तमान मामले में, किसी भी मुआवजे के बिना समय बढ़ाने का निर्णय लिया गया था क्योंकि सक्षम प्राधिकारी ने महसूस किया कि ठेकेदार द्वारा दी गई देरी का कारण वास्तविक और ठेकेदार के नियंत्रण से परे था। लेखापरीक्षा में यह उल्लेख किया गया है कि ठेकेदार द्वारा दिए गए कार्य के पूरा होने में देरी के कारण केवल सामान्य हैं और अप्रत्याशित घटना (Force Majeure) के तहत कवर नहीं किए गए हैं। Force Majeure को समझौते में अनुच्छेद 46 में परिभाषित किया गया है जो कि निम्नानुसार है : अगर कोई भी पार्टी को समझौते के तहत अपनी दायित्व की पूर्ति के कार्यान्वयन में देरी हो जाती है, जैसे कि एक्ट ऑफ गॉड, प्रकृति के संचालन, राज्य का कार्य, युद्ध, गृहयुद्ध, क्रांति, विद्रोह, सैन्य या प्रभावित सत्ता, विस्फोट आग, महामारी संगरोध, बाढ़, भूकंप या अन्य भौतिक आपदा, माल ढुलाई, जब्ती, सरकारी आदेश या प्रतिबंध या किसी भी कारण जो प्रभावित पार्टी के उचित नियंत्रण से परे हो या किसी भी तरह की घटनाओं जिनका अनुमान लगाने में पार्टी उचित रूप से आगाह न हो सके, या उसे रोकने में असमर्थ है, फिर इससे उत्पन्न होने वाली कोई भी देरी पर विचार किया जा सकता है। ठेकेदार द्वारा दिए गए देरी के कारण हैं: - 1. लगातार बारिश 2. नक्सली खतरे के कारण सामग्री की खरीद में देरी 3. खुदाई में कड़ी चट्टानों का निकलना। 4. सड़क कार्य की मात्रा में वृद्धि 5. स्टाफ क्वार्टर के पीछे दीवार को बनाए रखने के निर्माण के लिए अतिरिक्त कार्य

क्र सं	ठेकेदार द्वारा दिए गए कारण	लेखा परीक्षक की टिप्पणी
1.	लगातार वर्षा	पहाड़ी इलाकों में लगातार वर्षा होना सामान्य है और यह कोई अपवाद नहीं है। इसलिए इसे किसी Force Majeure रूप में नहीं माना जा सकता।
2.	सामग्री की खरीद में देरी	यह न तो एक प्राकृतिक आपदा थी और न ही संस्थान से संबंधित कोई समस्या थी। यह पूरी तरह से ठेकेदार की गलती थी।
3.	सड़क कार्य में वृद्धि	ठेकेदार को अपने कार्यभार का आकलन करना चाहिए और उसके बाद ही केवल अगले कार्यों को स्वीकार करना चाहिए था ताकि पहले से चल रहा काम समय पर पूरा हो सके।
4.	खुदाई में कड़ी चट्टान का होना	ठेकेदार को पहले से ही इस मुद्दे के बारे में पता होना चाहिए। आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में कड़ी चट्टानें पाई जाती हैं। यह मुद्दा सामान्य है और 20 महीनों की देरी का इसमें औचित्य नहीं है।
5.	स्टाफ क्वार्टर के पीछे दीवार के निर्माण का अतिरिक्त काम	ठेकेदार को अपने कार्यभार का आकलन करना चाहिए और उसके बाद ही केवल अगले कार्यों को स्वीकार करना चाहिए था ताकि पहले से चल रहा काम समय पर पूरा हो सके।

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>विवरण</th><th>की गई कार्रवाई</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>यह देखा जा सकता है कि ठेकेदार द्वारा दिए गए कारण ठेकेदार के नियंत्रण से बाहर थे और Force Majeure की परिभाषा के अनुसार थे।</td></tr>
<tr><td></td><td>(vi)संस्थान नकद में छात्रों को धरोहर राशि को वापस करता है। मगर हमने छात्रों के हस्ताक्षरों में अंतर पाया है। मामलों में हमने देखा कि रसीद में छात्रों के हस्ताक्षर उनके प्रवेश फार्मों पर उनके संबंधित हस्ताक्षर अलग अलग हैं। हम धरोहर राशि की वापसी में किसी भी प्रकार की विसंगतियों से बचने के लिए संस्थान को ऐसे मामलों में डिजिटल भुगतान विधि को अपनाने का सुझाव देते हैं। धरोहर राशि की वापसी के लिए निर्णायक साक्ष्य के अभाव में यह पता नहीं लगाया जा सकता है।</td><td>(vi) इस सलाह का भविष्य में अनुपालन किया जाएगा।</td></tr>
<tr><td></td><td>(vii) निम्नलिखित मामलों में व्यय के लिए कोई निविदा आमंत्रित नहीं की गई थी।

<table><tr><th>क्र सं</th><th>व्यय के प्रकार</th><th>वेंडर</th><th>राशि (रूपये)</th></tr><tr><td>1.</td><td>फ्लेक्स, साइनबोर्ड, मग आदि</td><td>ईशा ग्राफिक</td><td>2,30,979</td></tr><tr><td>2.</td><td>समाचार पत्र और पत्रिकाएं</td><td>सेंट्रल न्यूसज एजेंसी</td><td>15,40,636</td></tr></table></td><td>(vii) फ्लेक्स, साइनबोर्ड उनकी आपूर्ति और फिक्सिंग, और मग इत्यादि को संस्थान में होने वाले विभिन्न अवसरों पर इस्तेमाल किया गया था लेकिन इसे ऑडिटर द्वारा 2,30,979/- रूपए की एक ही राशि के रूप में माना गया है। चूंकि यह एक एकल आर्डर/ व्यय नहीं है इसलिए इसके लिए निविदा प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है। मैसर्स सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मामले में ऑडिट का निर्देश भविष्य में अनुपालन के लिए माना जाता है।</td></tr>
<tr><td></td><td>(viii) आईआईएस अधिकारियों के परिवहन के उद्देश्य के लिए संस्थान ने रुपये 17,00,000 लगभग में एसयूवी टोयोटा क्रिस्टा (पेट्रोल) वाहन खरीदा है। इस खरीद पर हमारी टिप्पणियां हैं:

1. अधिकारियों के परिवहन के लिए संस्थान मारुति सुजुकी एर्टिगा जैसे कुछ सस्ते विकल्प का चुनाव कर सकते थे जिसका दाम एसयूवी से लगभग आधा है।
2. इस एसयूवी को खरीदने को कोई लागत लाभ विश्लेषण मौजूद नहीं है।</td><td>(viii) आईआईएमसी ने टोयोटा इनोवा क्रिस्टा मॉडल खरीदने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि संस्थान को एक वाहन की आवश्यकता थी जिसका उपयोग न केवल आईआईएस अधिकारियों / परिवीक्षार्थियों के परिवहन के लिए किया जा सकता था, बल्कि विदेशी गणमान्य व्यक्तियों/राजनयिकों और सम्मानित व्यक्तित्वों को ले जाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है जो संस्थान में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में, अधिकारियों प्रशिक्षुओं और विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को व्याख्यान देने आते हैं। इसके साथ ही, यह योजना बनाई गई थी कि आईआईएमसी के अध्यक्ष द्वारा भी इस वाहन की उपलब्धता के अनुसार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि वह भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मारुति सुजुकी एर्टिगा के मुकाबले इस वाहन</td></tr>
</table>

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
		में ज्यादा जगह और बेहतर सुरक्षा मानदंड शामिल हैं जैसे यात्रियों के लिए एंटी ब्रेकिंग सिस्टम और एयर बैग भी हैं। ये सुविधाएं एर्टिगा में उपलब्ध नहीं थीं। यह वाहन डीजीएसएंडडी रेट कांट्रेक्टी पर उपलब्ध था और सरकारी विभागों द्वारा खरीद के लिए स्वीकार्य है।
	(ix) संस्थान में सामग्री के लिए कोई गेट प्रवेश प्रणाली नहीं है, जो संस्थान द्वारा खरीद प्रक्रियाओं के नियंत्रण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।	(ix) चूंकि सामग्रियों के सभी रिकॉर्ड भंडार विभाग द्वारा रखे जाते हैं और प्राप्त सामग्री के लिए उचित पहचान संख्या दी जाती है। हालांकि, बाहर जाने वाली सामग्री के लिए गेट पर एक रजिस्टर बनाकर रखा जाता है।
	(x) संस्थान का लेखांकन नकद आधार पर होता है और खर्च सीधे आय और व्यय खाते में भुगतान किए बिना (पार्टी के नाम के माध्यम से राशि का भुगतान किया जाता है या किया गया था) के जरिए किया जाता है, जो कि उपयोगी जानकारी को छुपाता है और लेनदेन को ढूंढने में कठिनाइयों का निर्माण करता है।	(x) इस सलाह का भविष्य में अनुपालन किया जाएगा।
	(xi) मौजूदा लेखा सॉफ्टवेयर पर नियंत्रण और सुरक्षा सुविधाओं का कोई उपयोग नहीं है: - संस्थान अपने लेखा के लिए टैली सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है जिसे संपादित किया जा सकता है और किसी भी समय जोड-तोड़ किया जा सकता है; इसलिए खातों में हेरफेर का खतरा हो सकता है। लेखांकन ट्रेल की अनुपस्थिति में हम वित्तीय वर्ष के दौरान लेखा प्रविष्टियों में किए गए परिवर्तनों पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं। हमारे विचार में, संस्थान को मौजूदा लेखांकन सॉफ़्टवेयर के लेखांकन सुविधाओं की सभी नियंत्रण और सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग करना चाहिए या किसी अन्य लेखा सॉफ्टवेयर को अपनाना चाहिए जिसमें अच्छे नियंत्रण एवं सुरक्षा सुविधाएं हों और संस्थान की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित भी किया जा सकता हो। **<u>मत</u>** हमारे मत से और हमारी सूचना के अनुसार तथा हमें दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार क्वालीफाइड ओपिनियन पैराग्राफ में वर्णित सामग्री के आधार के प्रभाव के अलावा, वित्तीय विवरण अधिनियम के अनुसार अपेक्षित रूप में आवश्यक सूचनाएं	(xi) जैसा कि लेखा परीक्षक द्वारा सलाह दी गई है, आईआईएमसी उपयुक्त लेखा सॉफ्टवेर पैकेज के लिए उपयुक्त लागत पर और संस्थान की आवश्यकता के अनुसार छानबीन करेगा।

क्र.सं.	विवरण	की गई कार्रवाई
	देते हैं तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों की पुष्टि के लिए सही और निष्पक्ष स्थिति दर्शाते हैं: (i). तुलनपत्र के मामले में 31 मार्च 2017 को संस्थान के कार्यकलापों की स्थिति एवं (ii). आय और व्यय लेखे के मामले में वर्ष के दौरान इस तारीख को उपगत व्यय एवं आय की अधिकता। **अन्य न्यायिक और नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट** हम सूचित करते हैं किः- क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे। ख) ऊपर दिए गए क्वालीफाइड ओपिनियन पैराग्राफ में संबंधित आधारों को छोड़कर हमारे मत में संस्थान में कानून द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां सही तरीके से रखी गई हैं। यह उनकी जांच से पता चलता है। ग) तुलनपत्र, आय और व्यय का विवरण जिनका इस रिपोर्ट में वर्णन है लेखा पुस्तकों के अनुसार है। घ) हमारे मत में, तुलनपत्र, आय और व्यय विवरण तथा प्राप्ति और भुगतान लेखे मानक लेखे के अनुसार है। **कृते एमएनआरएस एंड एसोसिएट्स** सनदी लेखाकार पंजीकरण संख्याः 018340 एन **नीरज कुमार अग्रवाल, एफ सी ए** भागीदार सदस्यता संख्याः 503441 स्थानः नई दिल्ली, भारत तिथिः 8 नवम्बर 2017	

Independent Auditor's Report Along with Management Comments

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	To, The Members, Indian Institute of Mass Communication **Report on the financial statements** We have audited the accompanying financial statements of Indian Institute of Mass Communication ('the Institute') which comprise the balance sheet as at March 31, 2017, the statement of Income and Expenditure account for the year ended on that date and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. **Management's Responsibility for the Financial Statements** Management of the Institute is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Institute in accordance with the Accounting Policies generally accepted in India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error. **Auditor's Responsibility** Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.	

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Institute's preparation of the financial statements that give a true & fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Institute has in place an adequate internal financial control system over financial reporting and operating effectiveness of such control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.	
	2. <u>Basis for Qualified Opinion</u> (i) Fixed Assets should be verified at least once in every financial year but physical verification of Fixed Assets has not been conducted during the year covered under audit; which is an essential requirement of GFR No. 192. As per this rule, fixed assets should be verified at least once in a year but there exists irregularities at the end of the Institute, Non-compliance of GFR No. 192 has been a regular practice.	(i) **Management Reply** **It is true that processing for Physical Verification of Fixed Assests for the year ending 31.03.2017 has not been initiated so far. It is for the reason that report for the Physical Verification for the year ending 31.03.2016 has been submitted in the month of October 2017 by the CA firm and the same has been put up**

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	The tender for appointment of the firm which will conduct physical verification of audit for the year ended on 31 March, 2017 has not been issued yet. Even in the previous year 2015-16, there was excessive delay by the Institute as well as the appointed firm. Tenders were closed on 3 Feb 2017 for the quotations for F.Y. 2015-16 which in itself was quite delayed. Subsequently, M/s R. Kant Gupta & Associates were appointed on 17th Feb, 2017 with the condition of completion of the job within a period of 2 months but the firm has submitted its report on 12th Oct, 2017 and even the reason for late submission mentioned by the firm doesn't justify the delay of 6 months. Same practice has been witnessed in the previous year too. This is impracticable to audit assets for F.Y. 2015-16 in March 2017 as assets must be verified as on date. Institute needs to be more proactive and shall act fast when it comes to appointment of firm and completion of job. As on today, we have no report of physical verification of fixed assets for the year covered under audit.	**for acceptance. Process for Physical Verification for the year ending 31.03.2017 will start now, when the result of Physical Verification of Fixed Assets in future will be started well in time as pointed out by audit.**
	(ii) Report of Physical verification of library books, which is an essential requirement of GFR No. 194, has not been received yet. The Institute is having more than 35,000 books in its library and as per GFR No. 194, verification should be done at least once in three years . Previous verification was done on June 2013 for financial year ending March 31, 2013 hence it has to be mandatorily conducted for the year ended on 31st March, 2016. The firm was appointed on 17th Feb, 2017 for this purpose. However, report for the same has not been received yet by the institute. Similar to fixed assets, we have witnessed excessive delay in the physical verification of library books.	(ii) **Management Reply** **Auditor himself have stated in the observation that a CA firm has been appointed on 17.02.2017 for the physical verification of library books but the report has not been submitted so far. We are pursuing the matter with the auditor for submission of the report.**

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	(iii) No original agreements was found between the Canteen vendor and the institute. Canteen vendor has been operating from the institute premises for past so many years without having any agreement. Last year, and agreement was eventually prepared between the two parties. However it was an irregular agreement since it's validity had no time limit Moreover no tender/ quotation was invited before allotment of canteen. Also no electricity and water charges will be collected by the institute as it is written in the agreement that these charges will be collected once separate water and electricity meters will be installed. But due to negligence and delay from the institute the same has not been installed yet even though more than 11 months have passed from the date of agreement.	(iii) **Management Reply** **Though the agreement between canteen vendor and IIMC were drawn long back, the same is available neither with the vendor nor with IIMC. The earlier agreement was not tracable with the estate section.** **However a fresh agreement was drawn in 2016 which was shown to the auditor. We are in the process of installing a separate Electric & Water meter the canteen.**
	(iv) As per information provided the institute is not having rent agreement with Bank Central Bank of India has been operationg within the institute premises for more than two decades without any agreement. In this regard institute is getting only Re 1 per month for the use of premises. There is no formal agreement available between the institute and the Bank since beginning.	(iv) **Management Reply** **Rent as per guidelines of Estate Office of government of India have been claimed from bank and the same has been accepted by the bank from the April, 1 2017 which was shown to auditor. However the Bank has requested for waiving the arrears before April 2017 and the same has been denied by the IIMC. The earlier agreement was not traceable with the estate section. However, IIMC shall enter into a fresh agreement with the Bank.**
	(v) As mentioned in the DGCA report Institute has not recovered liquidation charges from M/s. C.S. Constructions Pvt. Ltd. The contract was entered in May 2012 with a condition of completing the work in 14 months from the date of award. However the work was eventually completed on 31st March, 2015, which was delayed by 20 months from the scheduled date of completion. Institute had the right to withhold upto 10% of the total amount which amounted to Rs 59 Lakhs. But the same was not done by	(v) **Management Reply** **Extension of time for completion of the work by CS contruction pvt. Ltd. was completed in March 2015 and bill was finalized in 2015-16. The observation of Statutory audit is based on the audit para of DGACE and not covered under the period.** **The para of DGACE has been replied suitably and decision will be intimated.**

<table>
<tr><th>S.No</th><th>Auditor's Report</th><th>Action Taken (Management Comment)</th></tr>
<tr><td></td><td>the institute and whole amount of Rs. 5.9 Cr. was paid to the contractor. The institute was satisfied with the general reasons given by the contractor and hence, it passed the payment.

But our audit observed that all the reasons given by the contractor were completely baseless & general and no reason can justify the delay of 20 months. It was complete negligence and carelessness at the end of the contractor and the institute should have forfeited the sum of Rs. 59 Lakhs. Following are the reasons given by the contractor.
<table>
<tr><th>S. No.</th><th>Reason given by the contractor</th><th>Auditors View</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Incessant Rain</td><td>Incessant rain in hilly areas is usual. It is not an exception, so it cannot be counted as a force majeure.</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>Delay in Procurement</td><td>This was neither a natural calamity nor an issue related to the institute. This was entirely the fault of contractor.</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>Increase in Road Work</td><td>Contractor should have assessed his work load and then only accepted further jobs so that the job-at-hand could have been completed on time.</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>Hard Rock Encountered Excavation</td><td>Contractor must have already known about this issue. Hard rocks are generally found in hilly areas. Again this point is general and doesn't justify 20 months delay</td></tr>
</table></td><td>As per Rule & Relevant clauses of the agreement, in case competent authority is not satisfied with the reasons given by the contractor for extension of time for completion of the work, the maximum penalty may be imposed upto 10% of the agreement amount. In the case of M/s. C.S. Constructions Pvt. Ltd. The case for extension of time was discussed at large with the Project Consultant contractor, Financial Consultant, technical Consultant, Architect and an independant Consultant Ms Somi Tandon IDAS (Secretary Defence Finance Retired). After advise of the Project Consultant & Financial Consultant, it was decided that the reasons for delayed completion given by the Contractor were correct and beyond the control of the Contractor. It is the discretion of the Competent Authority to decide the penalty which may be Nil or maximum upto 10% of the agreement amount.
In the present case, it was decided to grant extension of time without levy of any compensation as the Competent Authority felt that the reason for delay given by the contractor are genuine & beyond the control of the Contractor. Audit has pointed out that the reasons for delay in completion of the work, given by the Contractor are just general and are not covered under Force Majeure. Force Majeure has been defined in the Article 46 in the agreement which is as under. If the either party gets delayed in implementation of the fulfillment of its obligation under the agreement by reasons of force majeure, such as act of God, operation of force of nature, act of state, war, civil war, revolution, rebellion, military or disaster, freight embargo, confiscation, expropriation, governmental orders or restrictions or the lke or similar events due to any cause beyond the reasonable control of the party affected and which such party could not have reasonably foreseen and guarded against and which by exercise of reasonable care and diligence, such party is unable to prevent, then any delay directly arisng there from shall constitute and excusable delay provided.</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>S.No</th><th>Auditor's Report</th><th>Action Taken (Management Comment)</th></tr>
<tr><td></td><td>
<table>
<tr><td>5.</td><td>Additional work of construction of wall behind staff quarters</td><td>Again, contractor should have assessed his work load and then only accepted further jobs so that the job-at-hand could have been completed on time.</td></tr>
</table>
</td><td>The reasons for delay given by the Contractor are:-
i. Incessant rains.
ii. Delay in procurement of material due to Naxal Menace.
iii. Hard Rock encountered in excavation.
iv. Increase in volume of Road work.
v. Additional work for construction of retaining wall behind staff quarters.
It may be seen that the reasons given by the Contractor were beyond the control of the Contractor and by the definition of Force Majeure.</td></tr>
<tr><td></td><td>(vi) The institute gives refunds of its security to students in cash. However, we have found discrepancies in the signatures of students. In many cases, we observed, that signature of students in the receipt were not in agreement with their respective signature taken on their admission forms. We do hereby; suggest the institute to adopt digital payment method in such cases in order to avoid any sort of discrepancies in the refund of securities. In the absence of conclusive evidence genuineness of security refund cannot be ascertained.</td><td>(vi) Management Reply

It is advisory and noted for future compliance please.</td></tr>
<tr><td></td><td>(vii) Following are the cases where no tender was invited for expenditures.
<table>
<tr><th>S. No.</th><th>Type of Expenses</th><th>Vendor</th><th>Amount (Rs.)</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Flexes, signboards, mugs etc.</td><td>Isha Graphic</td><td>2,30,979</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>Newspapers and periodicals</td><td>Central News Agency</td><td>15,40,636</td></tr>
</table>
</td><td>(vii) Management Reply

Preparation, Supply and Fixing of Flex, Signboard and Mugs were got done in various occasion but the same has been considered as a single amount of Rs. 2,30,979/- by the auditor. As such since it is not a single order/expenditure it needs no tender process. In the case of M/s Central News Agency instruction of the audit is hoted for future compliance.</td></tr>
<tr><td></td><td>(viii) The Institute has purchases one SUV Toyoto Crysta (Petrol) for Rs. 17,00,000 approx for the purpose of transporting of IIS officers. Following are our observations in this purchase:</td><td>(viii) Management Reply

IIMC took a considered decision to purchase Toyota Innova Crysta model as the Institute required a vehicle which could be used not only to transport IIS officers/probationers but</td></tr>
</table>

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	1. For transportation of the officers, the institute can use some cheaper option like Maruti Suzuki Ertiga etc. which cost almost half of this SUV. 2. No cost benefit analysis was available for buying this SUV.	**also could be used for carrying foreign dignitaries/diplomats and esteemed personalities who frequently visit the Institute for various functions and deliver special lecturesfor officers trainees, International scholars of Development Journalism programme etc. Simultaneously, it was planned that the vehicle could also be used by the Chairman, IIMC as per its availability as he is a very senior functionary of Govt. of India. The other point which went in favour of this vehicle over Maruti Suzuki Ertiga was its superior features like more space and improved safety standards. This vehicle has Anti Braking System and Air Bags for passengers. These features were not available in Ertiga. The vehicle was available on DGS&D rate contract and therefore very much permissible for purchase by Govt. Departments.**
	(ix) No gate entry systems of in material in the institute exist, which can have a negative impact on the controls of purchase procedures by the institute.	(ix) **Management Reply** **As such all records for in materials are maintained by the Store Department and proper identification numbers are given for the materials received. However, a register is maintained at the gate for the outgoing materials.**
	(x) The accounting of Institute is on cash basis and expenses are booked directly in Income & Expenditure account without raising payable (through party name to which amount is to be paid or was paid) which hides the useful information and create difficulties in tracing the transactions.	(x) **Management Reply** **It is advisory and noted for Future compliance.**
	(xi) No use of control and safety features existing Accounting Sofware- The Institute is using Tally software for its accounting which is as of now editable and can be manipulated at any point of time; hence the risk of manipulation in accounts exists. In the absence of accounting trail we are unable to comments on the changes made in accounting entries during the financial year. In our opinion, institute should use all control and safety features of	(xi) **Management Reply** **As adviced by the Auditors, IIMC will explore for suitable accounting soft ware package at a reasonable cost and in accordance to the need of the Institute.**

S.No	Auditor's Report	Action Taken (Management Comment)
	accounting features of the existing accounting software or can adopt any other accounting software which has good control and safety features and also can be customizes according to the requirements of the Institute. **Qualified Opinion** In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the possible effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, the approved financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India: (i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the Society as at 31 March 2017; (ii) In the case of the statement of Income and Expenditure Account, of the excess of the income over expenditure for the ended on that date; **Report on Other Legal and Regulatory Requirements** We report that: (a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belied were necessary for the purpose of our audit; (b) Except for the possible effects of the matter described on the basis for qualified opinion paragraph above, in our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the institute so far as appears from our examination of those books. (c) The Balance Sheet, Statement of Income and Expenditure dealt with by this report are in agreement with the books of account. (d) In our opinion, the Balance Sheet, Statement of Income and Expenditure and the Receipt & Payments comply with the Accounting Standards. ***For* MNRS & ASSOCIATES** Chartered Accountants FRN: 018340N **Neeraj Kumar Agarwal, FCA** *Partner* M. No.: 503441 Place : New Delhi, India Date: 8 November, 2017	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समग्र/पूंजीगत निधि			
CORPUS/CAPITAL FUND	1	75,45,91,776.00	62,69,34,799.00
आरक्षित एवं अधिशेष			
RESERVE AND SURPLUS	2	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधि			
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	9,61,98,532.00	1,06,98,270.00
सुरक्षित कर्ज एवं उधार			
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
असुरक्षित कर्ज एवं उधार			
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
आस्थगित जमा देयताएँ			
DEFFERED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
चालू देयताएँ एवं प्रावधान			
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	1,84,40,455.00	1,26,25,093.00
कुल **TOTAL**		**86,92,30,763.00**	**65,02,58,162.00**
परिसम्पत्तियाँ **ASSETS**			
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
FIXED ASSETS	8	75,36,43,453.00	62,59,86,476.00
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश			
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	15,62,713.00	14,09,340.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश-अन्य INVESTMENT-OTHERS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	10	-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज, अग्रिम इत्यादि CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC		11	11,40,24,597.00	2,28,62,346.00
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENDITURE *(बट्टे खाते में न डाली गई या समायोजित)* *(To the extent not written off or adjusted)*			-	-
कुल **TOTAL**			**86,92,30,763.00**	**65,02,58,162.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25	-	-
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)
Sd/-
(Neeraj Kumar Agarwal)
भागीदार
Partner
M. NO - 503441

हस्ताक्षर/-
के.जी. सुरेश
Sd/-
K.G. Suresh
महानिदेशक
Director General

हस्ताक्षर/-
मयंक कुमार अग्रवाल
Sd/-
Mayank Kumar Agrawal
अतिरिक्त महानिदेशक
ADG

हस्ताक्षर/-
किरण सिंह
Sd/-
Kiran Singh
उप कुलसचिव
Assistant Registrar

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 तक आय और व्यय लेखा (गैर-योजना)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017 (Non-plan)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय			
INCOME			
विक्रय एवं सेवाओं से आय			
INCOME FROM SALES/SERVICES	12	1,54,35,877.00	1,56,07,701.00
अनुदान/आर्थिक सहायता			
GRANTS/SUBSIDIES	13	18,82,90,570.00	11,82,00,000.00
शुल्क/अभिदान			
COURSE FEES/SUBSCRIPTION	14	2,51,44,626.00	2,49,78,189.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट अ.भ.नि. को छोड़कर अक्षय निधि से निवेश पर आय)			
INCOME FROM INVESTMENTS (from earmarked/endowment funds)	15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
INCOME FROM SALE OF APPLICATION FORM & PUBLICATION ETC.	16	56,90,224.00	65,40,496.00
प्राप्त ब्याज			
INTEREST EARNED	17	33,09,701.00	38,09,318.00
अन्य आय (शुद्ध अं.भ.नि. आय)			
OTHER INCOME	18	-	-
तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/(कमी)			
INCREASE/(DECREASE) IN FINISHED GOODS AND WIP	19	-	-
कुल (क)			
TOTAL (A)		**23,78,70,998.00**	**16,91,35,704.00**
व्यय			
EXPENDITURE			
स्थापना खर्च			
ESTABLISHMENT EXPENSES	20	9,91,69,861.00	10,66,82,625.00
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि			
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21	5,96,95,681.00	5,93,74,624.00
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च			
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBIDIES ETC	22	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय लेखा (गैर-योजना)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017 (Non-Plan)

(राशि रुपये) / (Amount-Rs.)

		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	गत वर्ष Previous Year
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध जोड़- तालिका 8 के अनुसार) DEPRECIATION (Net total at the year end-corresponding to schedule 8)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**			**15,88,65,542.00**	**16,60,57,249.00**
शेष व्यय से आय की अधिकता होने पर (ग) **EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (C)**			**7,90,05,456.00**	**30,78,455.00**
विशेष PRIOR PERIOD ITEMS		24	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक स्पष्ट करें) TRANSFER TO SPECIAL RESERVE (specify each)			-	-
सामान्य रिजर्व से/को स्थानांतरण TRANSFER TO/FROM GENERAL RESERVE			-	-
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			30,92,390.00	30,69,025.00
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (गैर-योजना) UNSPENT BALANCE OF GRANT-IN-AID (NON-PLAN)			7,59,13,066.00	9,430.00
सम्रग/पूंजीगत निधि में डाली गई अ.भ.नि के तौर पर शेष BALANCE BEING CPF INCOME CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND				
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)	के.जी. सुरेश	मयंक कुमार अग्रवाल	किरण सिंह
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Neeraj Kumar Agarwal)	**K.G. Suresh**	**Mayank Kumar Agrawal**	**Kiran Singh**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	उप कुलसचिव
Partner	**Director General**	**ADG**	**Assistant Registrar**
M. NO - 503441			

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा(योजना)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017 (Plan)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय/INCOME			
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES	13	14,36,00,000.00	9,00,00,000.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
योजना के तहत कोई आय ANY OTHER INCOME UNDER PLAN	13	34,78,576.00	21,27,918.00
कुल (क) \TOTAL (A)		**14,70,78,576.00**	**9,21,27,918.00**
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21 A	1,36,54,453.00	1,22,83,973.00
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND	21 A	12,45,68,185.00	7,54,32,621.00
कुल (ख)/TOTAL (B)		**13,82,22,638.00**	**8,77,16,594.00**
अनुदान सहायता (योजना) का अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Plan) (A-B)		**88,55,938.00**	**44,11,324.00**

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)	के.जी. सुरेश	मयंक कुमार अग्रवाल	किरण सिंह
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Neeraj Kumar Agarwal)	**K.G. Suresh**	**Mayank Kumar Agrawal**	**Kiran Singh**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	उप कुलसचिव
Partner	**Director General**	**ADG**	**Assistant Registrar**
M. NO - 503441			

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2017

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष **I. OPENING BALANCES**			**1. असमान्य योजना के तहत खर्चे** **I. EXPENSES UNDER NON PLAN**		
क) नकद			क) स्थापना खर्च		
a) Cash in Hand	91,858.00	51,045.00	a) Establishment Expenses	2,05,79,394.00	3,20,39,116.00
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक खर्च		
b) Bank Balances			b) Administrative Expenses	3,21,47,577.00	2,08,21,976.00
1) चालू खाते में			ग) वेतन के आलावा स्त्रोत पर आयकर		
I) In Current Accounts	-	-	c) TDS other than salary	8,45,852.00	-
2) सावधि जमा खाते में			घ) विविध व्यय		
II) In Deposits Accounts	-	-	d) Sundry Payable		-
3) बचत खाते में			ड.) अन्य खर्चे		
III)Saving Accounts	2,01,21,839.00	2,16,01,141.00	e) Other Expense	29,67,846.00	5,11,080.00
ग) डाक टिकट			**2. समान्य योजना के तहत व्यय**		
c) Postage Stamps	-	-	**II. EXPENDITURE UNDER PLAN**		
			क) सामान्य योजना		
			a) Plan General	60,47,240.00	64,23,270.00
			ख) संपत्ति की निर्माण योजना		
			b) Plan Creation of Assets	12,37,37,435.00	6,56,33,258.00
			ग) एनसीओइ		
			c) NCOE	8,63,334.00	-
2. प्राप्त अनुदान **II. GRANTS RECEIVED**			**3. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के लिए निधियों से किया गया खर्च** **III. PAYMENTS MADE UNDER PROJECTS & SHORT COURSES**		
क) भारत सरकार से (गैर-योजना)			परियोजनाओं के तहत भुगतान		
a) From GOI (Non-Plan)	13,04,90,570.00	11,82,00,000.00	Payment under Projects	5,16,388.00	13,81,945.00
सरकार से (योजना)			लघु पाठ्यक्रम के तहत भुगतान		
From Government (Plan)	14,36,00,000.00	9,00,00,000.00	Payment under Short Courses	60,97,079.00	29,26,528.00
ख) राज्य सरकारों से					
b) From State Government	-	-			
ग) अन्य स्रोतों से					
c) From Other Sources	-	-			

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2017

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
3. निवेश से आय **III. INCOME ON INVESTMENTS FROM**		*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	**4. निवेश और जमा** **IV. INVESTMENTS AND DEPOSITS MADE**		
क) समग्र/पूंजीगत निधियों से a) Earmarked/Endow Funds	-	6,89,271.00	क) उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से a) Out of Earmarked/Endowment Funds	-	5,56,713.00
ख) निजी निधियों से b) Own Funds	-	-	ख) निजी निधियों से (निवेश-अन्य) b) Out of Own Funds (INVESTMENTS-OTHERS)	-	-
4. प्राप्त ब्याज **IV. INTEREST RECEIVED**			**5. स्थायी परिसम्पत्तियां पर व्यय** **V. EXPENDITURE ON ASSETS**		
क) बैंक जमा पर a) On Bank Deposits	41,82,270.00	37,67,795.00	क) गैर-योजना के तहत अचल सम्पत्तियाँ a) Fixed Assets Under Non-Plan	27,53,713.00	28,28,199.00
ख) कर्ज, अग्रिम पर b) Loans, Advances	3,67,755.00	-	ख) अग्रिम, ऋण और जमा b) Advance, Loan & Deposits	33,40,929.00	1,64,81,668.00
5. अन्य आय **V. OTHER INCOME**			**6. अधिशेष राशि/कर्ज की वापसी** **VI. REFUND OF SURPLUS MONEY/LOANS**		
क) शिक्षा शुल्क			क) भारत सरकार को		
a) Tution Fee	2,56,37,305.00	2,38,53,369.00	a) To the GOI	-	14,93,186.00
ख) प्रकाशनों/आवेदन पत्रों की बिक्री b) Sale of Application Form/Publications	56,90,384.00	65,42,176.00	ख) राज्य सरकार को b) To the State Government		
ग) छात्रावास/सभागार शुल्क c) Hostel/Auditorium Fee	42,63,791.00	38,42,289.00	ग) अन्य निधि दाताओं को C) To the Other Providers of Funds		
घ) विविध प्राप्तियों d) Misc. Office Receipt	9,03,945.00	4,34,484.00			
6. निधि और देनदारियों के तहत प्राप्तियां **VI. RECEIPTS UNDER FUNDS & LIABILITIES**			**7. निवेश में वृद्धि** **VII. INCREASE IN INVESTMENT**		
योजना के तहत विविध प्राप्तियां Miscelleneous Receipts under plan	9,600.00	-	जमा में गलत डाले गए निवेश INVESTMENT WRONGLY ACCOUNTED IN DEPOSITS	-	-
प्रतिभूतियों, जमा और अन्य वर्तमान देनदारियों की प्राप्ति Receipts of Securities, Deposits and Other Current Liabilities	31,11,000.00	38,75,564.00			
पुरस्कार एवं छात्रवृति के अंतर्गत प्राप्तियां Receipts Under Awards & Scholorship	7,15,121.00	33,315.00			
छात्र कल्याण निधि/पूर्व छात्र निधि के अंतर्गत प्राप्तियां			*(अग्रेनीत)* *(Carried over)*		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2017

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
Receipts Under Students Welfare Fund/			*(अग्रानीत)*		
Alumini Funds	-	10,62,000.00	*(Brought forward)*		
7. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के तहत प्राप्तियां			**8. निधियों और देनदारियों के तहत भुगतान**		
VII. RECEIPTS UNDER PROJECTS & SHORT COURSES			**VIII. PAYMENTS UNDER LIABILITIES & FUNDS**		
-योजनाओं के तहत प्राप्ति			जमा सहित मौजूदा देनदारियां		
-Receipt under Projects	86,28,576.00	27,04,625.00	Current Liabilities including Deposits	10,74,62.878.00	12,09,29,809.00
-लघु पाठ्यक्रमों के तहत प्राप्ति			पुरस्कार और छात्रवृत्ति		
-Receipt under Short-Courses	1,41,80,912.00	1,35,75,562.00	Awards & Scholarship	2,18,000.00	1,78,964.00
			छात्र कल्याण निधि		
			Students Welfare Fund	1,43,792.00	65,850.00
8. संपत्ति की प्राप्ति			**9. अंत शेष**		
VIII. RECEIPTS OF ASSETS			**IX. CLOSING BALANCES**		
ऋण, अग्रिम एवं जमा की प्राप्तियां			क) नकद		
-Receipts of Loan, Advances & Deposits	15,31,499.00	21,30,665.00	a) CASH IN HAND	65,447.00	91,858.00
-परिपक्व निवेश			ख) फ्रेंकिग मशीन के टिकट		
-Investment Matured	-	-	b) STAMP IN FRANKING MACHINE	-	-
			ग) बैंक जमा		
			c) BANK BALANCES		
			1) चालू खाते में		
			I) IN CURRENT ACCOUNTS	-	-
			2) सावधि जमा खाते में		
			II) IN DEPOSITS ACCOUNTS	-	-
			3) बचत खाते में		
			III) SAVINGS ACCOUNTS	5,59,38,791.00	2,01,21,839.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2017

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
9. अन्य प्राप्तियां					
IX. OTHER RECEIPTS	1,99,271.00	1,21,958.00			
कुल TOTAL	36,37,25,696.00	29,24,85,259.00	कुल TOTAL	36,37,25,696.00	29,24,85,259.00

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)	के.जी. सुरेश	मयंक कुमार अग्रवाल	किरण सिंह
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Neeraj Kumar Agarwal)	**K.G. Suresh**	**Mayank Kumar Agrawal**	**Kiran Singh**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	उप कुलसचिव
Partner	**Director General**	**ADG**	**Assistant Registrar**
M. NO - 503441			

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 1-समग्र/पूंजीगत निधि :		
SCHEDULE 1-CORPUS/CAPITAL FUND:		
वर्ष के आरम्भ में शेष		
Balance at the beginning of the year	62,69,34,799.00	54,84,34,128.00
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में योगदान		
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	12,76,56,977.00	7,85,00,671.00
जोड़ें/(घटायें) : आय और व्यय लेखे से अंतरित शुद्ध आय/(व्यय) शेष Add/(Deduct): Balance of net CPF income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	-	-
वर्ष की समाप्ति पर शेष **BALANCE AS AT THE YEAR END**	**75,45,91,776.00**	**62,69,34,799.00**
तालिका 2 आरक्षित एवं अधिशेषः		
SCHEDULE 2-RESERVES AND SURPLUS:		
1. पूंजीगत रिजर्वः		
1. Capital Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्वः		
2. Revaluation Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती	*(अग्रेनीत)*	
Less: Deduction during the year	*(Carried over)* -	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
3. विशेष रिजर्व:	*(अग्रानीत)*	
3. Special Reserve:	*(Brought forward)*	
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
4. सामान्य रिजर्व:		
4. General Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		आवर्ती निधि Revolving Fund		पुरस्कार निधि Award Fund	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) निधियों की रोकड़ जमा (योजना) a) Opening balance of the funds (Plan)	44,11,324.00	14,48,680.00	-	-	-	-
गैर योजना (Non-Plan & Other Funds)	9,430.00	44,506.00	46,95,375.00	45,92,019.00	15,82,141.00	15,66,925.00
1) दान/अनुदान प्राप्ति (गैर योजना) i. Donations/Grants Received (Non Plan & Other Funds)	18,82,90,570.00	11,82,00,000.00	-	-	-	-
2) दान/अनुदान (योजना) ii. Donations/Grants (Plan)	14,36,00,000.00	9,00,00,000.00	-	-	-	-
3) निधि लेखे के निवेश से प्राप्त आय iii. Income from investments made on account of funds	-	-	4,79,253.00	1,03,356.00	4,72,807.00	1,61,429.00
4) अन्य परिवर्धन (स्पष्ट करें) iv. Other Additions (Specify)						
योजना स्कीम के तहत आय Receipt under plan Scheme	34,78,576.00	21,27,918.00				
कमी और अतिरेक Short & excess	-	-				
अं.भ.निधि की आय से अतिरिक्त अन्य आय (गैर-योजना) Other Income (Non Plan)	4,95,80,428.00	5,09,35,704.00	-			
5) अं.भ.निधि की आय में जमा v) Addition to CPF income	-	-	-		-	-
कुल TOTAL	**38,93,70,328.00**	**26,27,56,808.00**	**51,74,628.00**	**46,95,375.00**	**20,54,948.00**	**17,28,354.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ख) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय **b) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds**		*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*				
1) पूंजीगत व्यय i. Capital Expenditure						
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (गैर योजना) -Fixed Assets including advances (non-plan)	30,92,390.00	30,69,025.00	-	-	-	-
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (योजना) -Fixed Assets including advances (Plan)	12,45,68,185.00	7,54,32,621.00				
2) राजस्व खर्च (गैर योजना) ii. Revenue Expenditure (Non-Plan)			-	-	-	-
-वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि -Salaries, Wages and Allowances etc.	9,91,69,861.00	10,66,82,625.00	-	-	-	-
-किराया/पूर्व अवधि वस्तु -Rent/Prior Period item	-	-	-	-	-	-
-अन्य प्रशासनिक खर्च -Other Administrative Expenses	5,96,95,681.00	5,93,74,624.00	-	-	2,20,802.00	1,46,213.00
3. राजस्व खर्च (योजना) iii. Revenue Expenditure (plan)	1,36,54,453.00	1,22,83,973.00				
4. अनुदान वापसी (योजना) iv. Grant refunded (plan)	-	14,48,680.00				
(गैर-योजना) (Non-Plan)	-	44,506.00				
कुल (ख) Total (b)	**30,01,80,570.00**	**25,83,36,054.00**				
वर्ष की समाप्ति पर शेष (क-ख) NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a+b)	**8,91,89,758.00**	**44,20,754.00**	**51,74,628.00**	**46,95,375.00**	**18,34,146.00**	**15,82,141.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
		(अग्रानीत) *(Brought forward)*				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष Unspent Balance of Grant-in-Aid (Plan)	1,32,67,262.00	44,11,324.00				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (गैर-योजना) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Non Plan)	7,59,22,496.00	9,430.00				
उद्दिष्ट निधियाँ का समूहीकरण - तालिका 3 **GROUPING FOR EARMARKED FUNDS...SCHEDULE 3**						
उद्दिष्ट/अक्षय निधियां **Earmarked/Endowment Funds**						
1. आवर्ती निधि का अंत शेष 1. Closing Balance of Revolving Fund	51,74,628.00					
2. अनुदान का शुद्ध अप्रयुक्त शेष 2. Net Unspent Balance of Grants	8,91,89,758.00					
3. पुरस्कार निधि की जमा शेष 3. Closing Balance of Award Funds	18,34,146.00					
कुल/Total	**9,61,98,532.00**					

टिप्पणियां/Notes

1) प्रकटन अनुदान से जुड़ी शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अंतर्गत किये जाएँ ।
1) Disclosure shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.

2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को पृथक निधियों के रूप में दर्शाया जाए तथा किसी अन्य निधि के साथ न मिलाया जाए ।
2) Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.

3) वर्ष 2015-16 के दौरान योजना और गैर-योजना के अनप्रयुक्त शेष की आंरभिक राशि वापस कर दी गई है।
3) Opening Balance of Unspent Balances of Non-plan and Plan have been refunded during the financial year 2016-17.

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 4-सुरक्षित कर्ज एवं उधारः **SCHEDULE 4-SECURED LOANS AND BORROWINGS:**		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं 3. Financial Institutions		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
ख) प्रोद्भूत एवं देय ब्याज b) Interest Accrued and Due	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
5. डिबेंचर एवं बांड 5. Debentures and Bonds	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 5- असुरक्षित कर्ज एवं उधार:		
SCHEDULE 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार		
1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)		
2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं		
3. Financial Institutions	-	-
4. बैंक :		
4. Banks:		
क) सावधिक कर्ज		
a) Term Loans	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें)		
b) Other Loans (specify)	-	-
5. अन्य संगठन एवं एजेंसियाँ		
5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)		
6. Others (Specify)	-	-
कुल		
TOTAL	-	-

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 6-अस्थगित ऋण देयताएँ:		
SCHEDULE 6-DEFFERED CREDIT LIABILITIES:		
क) पूंजीगत उपकरणों तथा अन्य परिसम्पत्तियों के मालबंधन द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ		
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
कुल		
TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 7-चालू देयताएँ एवं प्रावधानः SCHEDULE 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
क. चालू देयताएँ A. CURRENT LIABILITIES		
1. स्वीकृतियाँ 1. Acceptances	-	-
2. विविध लेनदार 2. Sundry Creditors		
क) वस्तुओं के a) For Goods	-	
ख) अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के अप्रयुक्त शेष) b) Others (Unspent balance of project/courses)	1,01,19,454.00	63,11,745.00
3. प्राप्त अग्रिम 3. Advances Received	-	-
4. प्रोद्भूत ब्याज पर निम्नलिखित पर देय नहीं 4. Interest accrued but not due on:		
क) सुरक्षित कर्ज/उधार a) Secured Loans/Borrowings	-	-
5. ढेंकानाल विप्रेषण खाता 5. Dhenkanal Remittance A/c	-	-
6. कानूनी देयताएँ: 6. Statutory Liabilities:		
क) अतिशेष (अं.भ.नि शेष) a) Overdue (CPF Balance)	-	-
ख) अन्य b) Others	-	-
7. अन्य चालू देयताएँ 7. Other Current Liabilities	83,21,001.00	63,13,349.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**1,84,40,455.00**	**1,26,25,093.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रावधान **PROVISIONS**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
1. कराधान हेतु 1. For Taxation		-	-
2. उपदान 2. Gratuity		-	-
3. अधिवर्षिता/नकद पाना 3. Superannuation/Encashment		-	-
4. संचयी छुट्टी नकदीकरण 4. Accmulated Leave Encashment		-	-
5. व्यापार आश्वस्ति/दावे 5. Trade Warranties/Claims		-	-
6. अन्य 6. Others		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**		-	-
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**1,84,40,455.00**	**1,26,25,093.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)
GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
(चालू वर्ष) Current Year

क) जमानती राशियों से प्राप्ति	
A) SECURITY DEPOSITS RECEIVED	
1. पुस्कालय जमानती राशि (मुख्यालय)	
1. LIBRARY SECURITY (HEAD OFFICE)	21,02,700.00
2. पुस्कालय जमानती राशि (ढेंकानाल)	
2. LIBRARY SECURITY (DHENKANAL)	1,64,300.00
3 छात्रावास जमानती राशि (आइजोल)	
3. LIBRARY SECURITY (AIZAWL)	5,000.00
4. छात्रावास जमानती राशि (मुख्यालय)	
4. HOSTEL SECURITY (HEAD OFFICE)	6,34,000.00
5.छात्रावास जमानती राशि (ढेंकानाल) मुख्यालय में	
5. HOSTEL SECURITY (DHENKANAL) AT H.O	1,60,000.00
6. छात्रावास जमानती राशि ढेंकानाल में	
6. HOSTEL SECURITY AT DHENKANAL	-
7. छात्रावास जमानती राशि जम्मू में	
7. HOSTEL SECURITY AT JAMMU	24,000.00
8. छात्रावास जमानती राशि अमरावती में	
8. HOSTEL SECURITY AT AMRAVATI	33,000.00
9. छात्रावास जमानती राशि कोट्टायम में	
9. HOSTEL SECURITY AT KOTTAYAM	22,000.00
10. जमानती राशि (ढेंकानाल)	
10. SECURITY DEPOSIT (DHENKANAL)	1,23,428.00
11. प्रतिधारण राशि जमा	
11. RETENTION MONEY DEPOSIT	9,06,575.00
12. पेरागी/बयान (मुख्यालय)	
12. EARNEST MONEY DEPOSIT (HEAD OFFICE)	4,29,940.00
ख) अन्य देयताएँ	
B. OTHER LIBILITIES	
पुरस्कार (प्रायोजित)	
AWARD (SPONSORED)	15,000.00
छात्रवृत्ति	
SCHOLARSHIP	7,09,530.00
विविध देय	
SUNDRY PAYABLE	-
छात्र कल्याण निधि	
STUDENT WELFARE FUND	15,01,076.00
वॉक्स पॉप 2014	
VOX POP 2014	4,000.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
रोक लगाई रकम (रमेश पांडे)		
WITHHELD AMOUNT (RAMESH PANDEY & Kishan Lal)	*(अग्रानीत)*	1,20,000.00
टीडीएस देय	*(Brought forward)*	
TDS PAYABLE		3,51,089.00
बमलेर कानून		
BALMER LAWRIE		18,713.00
एस आत समायोजन		
S R ADJUSTMENT		5,000.00
सीपीएफ को भुगतान		
PAYABLE TO CPF		9,91,650.00
कुल TOTAL		**83,21,001.00**
परियोजनाओं एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों का अनप्रयुक्त शेष		
UNSPENT BALANCE OF PROJECTS & SHORT COURSES:		
परियोजनाएँ (मुख्यालय)		
PROJECTS (H.O)		
एनसीओइ		
NCOE		29,66,666.00
पेयजल और स्वच्छता		
DRINKING WATER AND SANITATION		5,89,487.00
जागो ग्राहक जागो		
JAGO GRAHAK JAGO		29,30,780.00
अल्पावधि पाठ्यक्रम		
SHORT COURSES		
आसाम प्रो कोर्स		
ASSAM PRO COURSE		38,575.00
भारतीय सूचना सेवा आधार पाठ्यक्रम		
IIS OFFICERS COURSES		1,91,290.00
आइटेक		
ITEC		24,60,497.00
आर्मी के लिए मीडिया कम्यूनिकेशन कोर्स		
MEDIA COMM COURSE FOR ARMY		2,71,798.00
मीडिया कम्यूनिकेशन कोर्स		
MEDIA COMM COURSE		9,000.00
एनडीआरएफ		
NDRF		44,844.00
स्कैप		
SCAAP		6,16,517.00
कुल TOTAL		**1,01,19,454.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	लागत/मूल्यांकन वर्ष के अंत में Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
क. स्थाई परिसम्पत्तियाँ:										
A. FIXED ASSETS:										
1. भूमि:										
1. Land:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर										
b) Leasehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन										
2. Building				-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर										
a) On Freehold Land	11,03,71,659.00	-	-	11,03,71,659.00	-	-	-	-	11,03,71,659.00	11,03,71,659.00
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
b) On Leasehold Land	20,10,78,902.00	16,92,286.00	-	20,27,71,188.00	-	-	-	-	20,27,71,188.00	20,10,78,902.00
ग) फ्लैट/परिसरों का स्वामित्व										
c) Ownership Flats/Premises	-			-	-	-	-	-	-	-
घ) गैरमालिकाना भूमि पर अधिरचना										
d) Superstructures on land not belonging to the entity	-			-	-	-	-	-	-	-
3. प्लांट, मशीने एवं उपकरण										
3. Plant, Machinery & Equipment	8,47,28,653.00	67,04,983.00	-	9,14,33,636.00	-	-	-	-	9,14,33,636.00	8,47,28,653.00
4. वाहन										
4. Vehicles	30,10,046.00	16,50,129.00	-	46,60,175.00	-	-	-	-	46,60,175.00	30,10,046.00
5. फर्नीचर और फिक्सचर										
5. Furniture & Fixtures	1,84,06,187.00	2,09,904.00	-	1,86,16,091.00		-	-	-	1,86,16,091.00	1,84,06,187.00
6. कम्प्यूटर संबंधी										
6. Computer Peripherals	2,74,55,303.00	2,12,453.00	-	2,76,67,756.00	-	-	-	-	2,76,67,756.00	2,74,55,303.00
7. पुस्तकालय की पुस्तकें										
7. Library Books	1,31,72,388.00	3,60,741.00	3,598.00	1,35,29,531.00	-	-	-	-	1,35,29,531.00	1,31,72,388.00
8. ट्यूबवेल एवं जल वितरण										
8. Tubewells & W. Supply	-	-	-		-	-	-	-	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान कुल योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
9. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ 9. Other Fixed Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल योग (क) **TOTAL OF CURRENT YEAR(A)**	**45,82,23,136.00**	**1,08,30,496.00**	**3,598.00**	**46,90,50,034.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**46,90,50,034.00**	**45,82,23,136.00**
ख. पूंजीगत कार्य में प्रगति **B. CAPITAL WORK IN PROGRESS**										
1. सी.सी.डबल्यु. (आकाशवाणी) एवं अन्य को भवन परियोजना हेतु अग्रिम 1. Advance to CCW(AIR) & others for Building Project	16,77,63,340.00	11,76,00,000.00	7,69,921.00	28,45,93,419.00	-	-	-	-	28,45,93,419.00	16,77,63,340.00
2. उपकरणों इत्यादि की खरीद हेतु अग्रिम 2. Advance for purchase of Equipments & etc.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. एफ.एम. रेडियो हेतु अग्रिम 3. Advance for FM Radio	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल योग (ख) **TOTAL OF CURRENT YEAR(B)**	16,77,63,340.00	11,76,00,000.00	7,69,921.00	28,45,93,419.00	-	-	-	-	28,45,93,419.00	16,77,63,340.00
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**	**62,59,86,476.00**	**12,84,30,496.00**	**7,73,519.00**	**75,36,43,453.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**75,36,43,453.00**	**62,59,86,476.00**

टिप्पणियां/Notes :

1. प्लांट एवं मशीनों में प्रिंटिंग प्रेस उपकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण एवं ऑफिस उपकरण शामिल हैं ।
1. Plant & Machinery includes printing press equipments, audio visual equipments, office equipments.
2. "परिसम्पतियों को प्लान में डालना" का विभाजन भवन, कम्प्यूटर्स एवं सहायक उपकरण, फर्नीचर एवं फिक्चर, प्लांट, मशीनों एवं उपकरण में किया गया है।
2. "Plan creation of assets" has been bifurcated into building, computers & perpherals, furniture & fixtures, plant, machinery & equipment.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

स्थायी परिसम्पत्तियाँ/अग्रिम
FIXED ASSETS/ADVANCES (ADDITIONS DURING THE YEAR)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	योजना Plan	अग्रिम से नियोजन Adjustment of Adv.	गैर-योजना Non-Plan ढेंकानाल Dhenkanal	कुल Total मुख्यालय At H.O.	कुल Total गैर-योजना Non-Plan	योजना+गैर योजना Plan+Non-Plan	लोप Deletions	शुद्ध राशि Net Amount
1. भवन 1. Building	9,22,365.00	-	-	-	-	9,22,365.00	-	9,22,365.00
2. फर्नीचर एवं फिक्सचर 2. Furniture & Fixtures	64,000.00	-	85,101.00	60,803.00	1,45,904.00	2,09,904.00	-	2,09,904.00
3. पुस्तकें 3. Books	-	-	18,769.00	3,41,972.00	3,60,741.00	3,60,741.00	3,598.00	3,57,143.00
4. कम्प्यूटर 4. Computers	-	-	-	2,12,453.00	2,12,453.00	2,12,453.00	-	2,12,453.00
5. वाहन 5. Vehicles	-	-	-	16,50,129.00	16,50,129.00	16,50,129.00	-	16,50,129.00
6. प्लांट,मशीनरी एवं उपकरण 6. Plant, Machinary & Equipment	59,81,820.00	-	55,585.00	6,67,578.00	7,23,163.00	67,04,983.00	-	67,04,983.00
7. सी सी डबल्यु (आकाशवाणी) और अन्य को भवन निर्माण हेतु अग्रिम 7. Advance to CCW(AIR)& Others For building Project (Dhenkenal)	11,76,00,000.00	-	-	-	-	11,76,00,000.00	-	11,76,00,000.00
8. उपकरणों, आदि की खरीद हेतु अग्रिम 8. Advance for purchase of Equipments & etc.	-	-	-	-	-	-	-	-
9. एफ एम रेडियो हेतु अग्रिम 9. Advance for FM Radio	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल **TOTAL**	**12,45,68,185.00**	**-**	**1,59,455.00**	**29,32,935.00**	**30,92,390.00**	**12,76,60,575.00**	**3,598.00**	**12,76,56,977.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous
तालिका 9-उद्दिदष्ट/अक्षय निधियों से निवेश SCHEDULE 9- INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में 1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में 2. Other Approved Securities	15,62,713.00	14,09,340.00
3. शेयर 3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड 4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम 5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य 6. Others	-	-
कुल TOTAL	**15,62,713.00**	**14,09,340.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 10-निवेश-अन्य SCHEDULE 10- INVESTMENT-OTHERS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सरकारी प्रतिभूतियों में 1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में (अनुसूचित बैंको में सावधि जमा) 2. Other Approved Securities (Fixed Deposit at Scheduled Banks)		-
3. शेयर 3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड 4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम 5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य 6. Others	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समुहों में तालिका 9 निवेश **GROUPING OF SCH-9 INVESTMENT FROM EARMARKED FUNDS**		
1. बैंको मे सावधिक जमा (पुरस्कार राशि)		
1. Fixed Deposit with Bank (Award Fund)	-	-
क) मुख्यालय		
A) Head Office	12,12,713.00	12,12,713.00
ख) ढेंकानाल		
B) Dhenkanal	3,50,000.00	1,96,627.00
कुल **TOTAL**	**15,62,713 .00**	**14,09,340.00**
समुहों में तालिका 10 निवेश एंव अन्य **GROUPING OF SCH-10 INVESTMENT OTHERS**		
1. पी.डब्ल्यू.डी मे सावधिक जमा		
1. Fixed Deposit at PWD	-	-
2. अल्पावधि सावधिक जमा		
2. Short Term Fixed Deposits	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 11 चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज और अग्रिम इत्यादि SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ETC.		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क. चालू परिसम्पत्तियाँ			
A. CURRENT ASSETS:			
1. वस्तु सूची			
1. Inventories			
क. भंडार एवं अतिरिक्त			
a) Stores and Spares		-	-
ख. माल व्यापार में			
b) Stock-in-Trade		-	-
- तैयार माल			
- Finished Goods			
-कार्य में प्रगति			
-Work-in-Progress			
- कच्चा माल			
- Raw Materials			
2. विविध देनदार			
2. Sundry Debtors:			
क. छः महीने से अधिक अवधि का बकाया कर्ज			
a) Debts outstanding for a period exceeding six months		-	-
ख. अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों की वसूलने योग्य अनुदान/निधियाँ)			
b) Others (Grants/Funds for project/courses recoverable)		11,75,678.00	9,34,395.00
ग. नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)		59,318.00	81,457.00
4. बैंक शेष:			
4. Bank Balances:			
क. अनुसूचित बैंकों में:			
a) With Scheduled Banks:			
- चालू खाते में			
- On Current Accounts		-	-
- सावधि खाते में (मार्जिन राशि सहित)			
- On Deposit Accounts (includes margin money)		-	-
- बचत खाते में			
- On Saving Accounts			
- प्रधान कार्यालय (सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया)			
- Head Office (CBI)		5,06,25,130.00	1,84,36,149.00
- सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया - पुरस्कार निधि			
- Central Bank of India-Award Fund		-	-
- ढेंकानाल बैंक			
- Dhenkenal Bank		18,77,429.00	7,56,758.00
- अं.भ.नि बैंक	*(अग्रेनीत)*		
- CPF Bank Balance	*(Carried over)*	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year	
5. आईसीएसएसआर फेलोशिप पुरस्कार खाता (रिंकू पेगु) 5. ICSSR Felloship Award A/c (Rinku Pegu)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	26,948.00		26,948.00	
6. अवकाश यात्रा भत्ता अग्रिम 6. LTC Advance		-		1,800.00	
7. स्रोत्र पर कर कटौती वापसी 7. TDS Refund		14,48,343.00		3,96,879.00	
8. अनुदान प्राप्त करने योग्य 8. Grant Receivable		5,78,00,000.00		-	
कुल (क) **TOTAL (A)**		**11,30,12,846.00**		**2,06,34,386.00**	
ख. कर्ज, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियाँ **B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS** 1. कर्ज : 1. Loans:					
क) कर्मचारी (आवर्ती निधि) a) Staff (Revolving Fund)		62,000.00		4,60,217.00	
ख) गतिविधियों/उद्देश्यों में लगे हुए अन्य तत्त्व जो उन तत्त्वों के समान हों b) Other entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity		-		-	
ग) अन्य c) Others		-		-	
2. नकद या माल के रूप में या प्राप्त मूल्य हेतु वसूलने योग्य अग्रिम या अन्य राशियाँ 2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received					
क) पूंजीगत लेखे रूप में a) On Capital Account		-		-	
ख) पूर्व भुगतान b) Prepayments	1,31,922.00		1,31,922.00		
ग) अन्य c) Others	3,54,467.00	4,86,389.00	6,61,792.00	7,93,713.00	
3. प्रोद्भूत आय 3. Income Accrued:					
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर (अं.भ.नि. के प्रोद्भूत ब्याज) a) On Investment from Earmarked/Endowment Funds (Accrued interest of award fund)	57,666.00		34,695.00		
ख) निवेश/अन्य (संस्थान की पुरस्कार निधि एवं खजाना पर प्रोदभूत ब्याज) b) On Investments-Others	-	57,666.00	-	34,695.00	
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*				

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	(अग्रानीत) *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year
ग) अन्य (अप्राप्य देय राशि शामिल हैं रु.)				
c) Others (includes income due unrealised-Rs.)		-		-
4. कोट्टायम विप्रेषण खाता				
4. Kottayam Remittance A/c	77,425.00	-	1,41,499.00	-
5. अमरावती विप्रेषण खाता				
5. Amravati Remittance A/c	69,373.00		1,33,408.00	
6. जम्मू विप्रेषण खाता				
6. Jammu Remittance A/c	1,71,628.00		4,68,444.00	
7. आइजोल विप्रेषण खाता				
7. Aizwal Remittance A/c	87,271.00	4,05,696.00	1,95,984.00	9,39,335.00
8. विद्यार्थी कल्याण कोष खाता				
8. Student Welfare Fund A/c		-		-
9. अंतरराष्ट्रीय मीडिया विश्वविद्यालय का प्रगत कार्य (योजना)				
9. International Media University (Plan) (work in progress)		-		-
कुल (ख) **TOTAL (B)**		**10,11,751.00**		**22,27,960.00**
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**11,40,24,597.00**		**2,28,62,346.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year
वर्तमान परिसम्पत्तियों का समूह (तालिका 11)	
GROUPLING OF CURRENT ASSETS (SCHEDULE 11)	
परियोजनाओं/अल्पकालिक पाठ्यक्रमों पर अधिखर्च शेष (31.03.2016)	
OVERSPENT BALANCE OF PROJECTS/ SHORT COURSES (31.3.2016)	
बीपीआरडी कार्यशाला खाता	
BPRD Workshop A/c	73,155.00
वॉटसन परियोजना	
Watson Project	8,34,688.00
पंचायती राज सशक्तीकरण	
Empowering Panchayati Raj	2,67,835.00
कुल	
TOTAL	**11,75,678.00**
नकद शेष	
CASH BALANCES	
मुख्यालय	
Head Office	51,129.00
ढेंकानाल	
Dhenkanal	8,189.00
फ्रेंकिग मशीन में टिकट	
Stamps in Franking Machine	-
कुल	
TOTAL	**59,318.00**
बैंक शेष	
BANK BALANCES	
1.मुख्यालय	
1.Head Office	
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	
Central Bank of India	4,75,88,464.00
2.एनसीओइ	
2. NCOE	30,36,666.00
3.ढेंकानाल	
3.DHENKANAL	18,77,429.00
कुल	
TOTAL	**5,25,02,559.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष **Current Year**
क) आवर्ती निधि	*(अग्रानीत)*	
A) REVOLVING FUND	*(Brought forward)*	
आवर्ती निधि से अग्रिम का इतिशेष		
Closing Balance of Revolving fund Advances		**62,000.00**
ख) नकद या वस्तुओं के रूप में (अन्य) अग्रीमों की वसूली		
B) ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR KIND (Others)		
मुख्यालय		
HEAD OFFICE		
भारत दर्शन अध्ययन दौरा		
Bharat Darshan Study Tour		53,403.00
एफ एम रेडियो के लिए अग्रिम		
Advance For FM Radio		25,000.00
खाते से अग्रिम (खरीद)		
On A/c Advance (Purchase)		41,485.00
खाते से अग्रिम (एनपी)		
On A/c Advance (NP)		-
खाते से अग्रिम (प्रायोजक)		
On A/c Advance (Sponsor)		-
पर्व अग्रिम		
Festival Advance		64,640.00

NCOE Receivable Account		1,28,334.00

Receivable From Pratibha Sharma		19,584.00
कुल (क)		
TOTAL (A)		**3,32,446.00**
ढेंकानाल		
DHENKANAL		
ओ वाई टी जमा		
OYT Deposit		7,964.00
कर्मचारियों को अग्रिम		
Advances to employees		14,057.00
कुल (ख)		
TOTAL (B)		**22,021.00**
कुल (क+ख)		
TOTAL (A+B)		**3,54,467.00**
	(अग्रेनीत)	
	(Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year
नकदी या वस्तु के रूप में मीडिया में अग्रिमों की वसूली **ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR IN KIND**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
1.पूर्व भुगतान, प्रतिभूतियाँ का भुगतान **1.Prepayments, Security Deposits Paid**		
मुख्यालय Head Office		49,110.00
ढेंकानाल Dhenkanal		82,812.00
कुल **TOTAL**		**1,31,922.00**
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 12- बिक्री/सेवाओं से आय **SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES**		
1. बिक्री से आय		
1. Income from Sales		
क) तैयार माल की बिक्री से		
a) Sale of Finished Goods	-	-
ख) कच्चे माल की बिक्री से		
b) Sale of Raw Material	-	-
ग) कबाड़ की बिक्री से		
c) Sale of Scraps	-	-
2. सेवाओं से आय		
2. Income from Services		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
a) Labour and Processing Charges	-	-
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
b) Professional/Consultancy Services		-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
ड.) अन्य (स्पष्ट करें)		
e) Others (Specify)		
-छात्रावास किराया		
-Hostel Rent	77,71,726.00	68,95,859.00
-विविध प्राप्तियाँ		
-Misc Receipt including Short Courses & Projects	74,19,581.00	85,88,002.00
-सभागार का किराया		
-Rent of Auditorium	2,44,570.00	1,23,840.00
ढ) आईआईएमसी पुरस्कार पर प्राप्त ब्याज		
f) Interest received on award IIMC	-	-
कुल **TOTAL**	**1,54,35,877.00**	**1,56,07,701.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

समूहों में तालिका 12 GROUPLING OF SCHEDULE 12	चालू वर्ष Current Year
आवर्ती निधि **HOSTEL RENT**	
अधिकारीयों के अतिथि गृह का किराया Officers Guest House Rent	45,66,146.00
छात्र छात्रावास किराया Student Hostel Rent	23,62,140.00
मकान किराया योगदान House Rent Contribution	1,06,940.00
छात्रावास सीट का किराया (ढेंकानाल) Hostel Seat Rent (Dhen.)	7,36,500.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**77,71,726.00**
सभागार/सम्मेलन कक्ष/लाउंज का किराया **RENT OF AUDITORIUM/CONFERENCE ROOM/LOUNGE**	
खाते से अग्रिम (खरीद) Booking of Auditorium	2,44,570.00
खाते से अग्रिम (प्रायोजक) Booking of Lounge	-
मिनी सभागार से पूर्व अग्रिम Booking of Mini Auditorium	-
कुल (क) **TOTAL (A)**	**2,44,570.00**
विविध प्राप्ति **MISC. RECEIPT**	
विविध कार्यालय प्राप्ति Misc. Office Receipt	74,17,931.00
वेतन के विरूद्ध प्राप्ति Receipt against Salary	1,650.00
विविध कार्यालय रसीद (ढेंकानाल) Misc. Office receipt (Dhenkenal)	-
ओआईएस अधिकारी का प्रशिक्षण (ढेंकानाल) Training of OIS Officer (Dhenkenal)	-
कुल (क) **TOTAL (A)**	**74,19,581.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 13-अनुदान/आर्थिक सहायता SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
(प्राप्त अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता) (Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1. केन्द्र सरकार (गैर-योजना) 1. Central Government (Non-Plan)	18,66,90,570.00	11,62,00,000.00
2. केन्द्र सरकार (पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए गैर योजना) 2. Central Government (Non-Plan for capital assets)	16,00,000.00	20,00,000.00
कुल (1+2) **TOTAL (1+2)**	**18,82,90,570.00**	**11,82,00,000.00**
3. केन्द्र सरकार (योजना) 3. Central Government (Plan)	14,36,00,000.00	9,00,00,000.00
4. राज्य सरकार 4. State Governments	-	-
5. सरकारी एजेंसियाँ 5. Government Agencies	-	-
6. संस्थाएं/कल्याण निकाय 6. Institutions/Welfare Bodies	-	-
7. अंतरराष्ट्रीय संगठन 7. International Organisations	-	-
8. अन्य (विविध योजना के तहत प्राप्ति) 8. Others (Misc. receipt under Plan)	34,78,576.00	21,27,918.00
कुल **TOTAL**	**33,53,69,146.00**	**21,03,27,918.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs

तालिका 14- शुल्क/चंदा SCHEDULE 14-FEE/SUBSCRIPTION	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. प्रवेश शुल्क 1. Entrance Fee	-	-
2. वार्षिक शुल्क/चंदे 2. Annual Fees/Subscriptions	2,51,44,626.00	2,49,78,189.00
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 3. Seminar/Program fees	-	-
4. परामर्श शुल्क 4. Consultancy Fees	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें) 5. Others (specify)	-	-
कुल TOTAL	**2,51,44,626.00**	**2,49,78,189.00**

तालिका 14 समूहों का GROUPING OF SCHEDULE 14	(राशि-रुपये)(Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year
वार्षिक शुल्क/चंदा ANNUAL FEES/SUBSCRIPTIONS	
शिक्षा शुल्क (मुख्यालय) TUTION FEES (HEAD OFFICE)	2,17,76,185.00
शिक्षा शुल्क (ढेंकानाल) मुख्यालय में TUTION FEES (DHEN) AT HEAD OFFICE	-
शिक्षा शुल्क (ढेंकानाल) TUTION FEE (DHENKANAL)	19,92,000.00
आइटेक एवं स्कॉप पाठ्यक्रम ITEC & SCAAP COURSES	13,76,441.00
कुल **Total**	**2,51,44,626.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 15-निवेशों से आय SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS	उद्दिष्ट निधि से निवेश Investment from Earmarked Fund		अन्य निवेश Investment-Others	
(उद्दिष्ट/अक्षय से स्थानांतरित निधि से निवेश पर आय) (Income on Invest. from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. ब्याज 1. Interest				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर a) On Govt. Securities	-	-	-	-
ख) अन्य बांड एवं डिबेंचर b) Other Bonds/Debentures	-	-	-	-
2. लाभांश 2. Dividends:				
क) शेयरों पर a) On Shares	-	-	-	-
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर b) On Mutual Fund Securities	-	-	-	-
3. किराया 3. Rents				
4. सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में निवेश पर ब्याज 4. Interest on Investment with CBI	-	-	-	-
5. अन्य (अल्पावधि जमा ब्याज) (मुख्यालय) 5. Others (Interest on Short Term Deposit) (Head Office)	-	-	-	-
6. अल्पावधि जमा ब्याज (ढेंकानाल) 6. Interest on Short Term Deposit (Dhenkanal)	-	-	-	-
कुल **TOTAL**	-	-	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में स्थानांतरित Transferred to Earmarked/Endowment Funds	-	-	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. रॉयल्टी से आय 1. Income from Royalty	-	-
2. प्रकाशन से आय 2. Income from Publications	56,90,224.00	65,40,496.00
3. अन्य (स्पष्ट करें) 3. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	**56,90,224.00**	**65,40,496.00**
तालिका 16 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 16		
प्रकाशनों से हुई आय INCOME FROM PUBLICATION		
आवेदन पत्रों की बिक्री SALE OF APPLICATION FORM		56,81,497.00
प्रकाशनों की बिक्री SALE OF PUBLICATION		8,727.00
कुल **TOTAL**		**56,90,224.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका 17-अर्जित ब्याज SCHEDULE 17- INTEREST EARNED	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सावधि जमाः		
1. On Term Deposits:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	15,53,032.00	34,85,072.00
ढ़ेकानाल		
Dhenkenal	-	-
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) संस्थाओं में		
c) With Institutions	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
2. बचत खातों मेंः		
2. On Saving Accounts:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	16,94,392.00	2,82,723.00
ढ़ेकानाल		
Dhenkenal	62,277.00	41,523.00
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) डाकखाने में बचत खाते		
c) Post Office Savings Accounts	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
3. कर्ज परः		
3. On Loans:		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
a) Employees/Staff	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
4. पुरस्कार खाते पर ब्याज		
4. Interest on Award A/c	-	-
कुल **Total**	**33,09,701.00**	**38,09,318.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 18-अन्य आय SCHEDULE 18-OTHER INCOME	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. बिक्री पर लाभ/परिसम्पत्तियों का निपटान: 1. Profit on Sale/Disposal of Assets:		
क) निजी परिसम्पत्तियाँ a) Owned Assets	-	-
ख) निधियों से अर्जित या मुफ्त प्राप्त परिसम्पत्तियाँ b) Assets acquired out of grants or received free of cost	-	-
2. निर्यात प्रोत्साहन वसूली 2. Export Incentives Realized	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क 3. Fees for Miscellaneous Services	-	-
4. विविध आय (अं.भ. निधि से आय) 4. Miscellanous Income (Income of CPF)	-	-
कुल TOTAL	-	-

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 19-स्टॉक तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/कमी SCHEDULE 19-INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP		
क) अन्तिम स्टॉक a) Closing Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-चल रहे कार्य -Work-in-Progress	-	-
ख) घटाए : प्रारंभिक स्टॉक b) Less: Opening Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-कार्य में प्रगति -Work-in-Progress	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क-ख) NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]		

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20-स्थापना खर्चे SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) वेतन एवं मजदूरी a) Salaries and Wages	2,81,70,640.00	3,13,27,559.00
ख) भत्ते एवं बोनस b) Allowances and Bonus	4,88,46,429.00	4,99,24,361.00
ग) भविष्य निधि/एनपीएस में अंशदान c) Contribution to Provident Fund/NPS	39,31,255.00	41,75,769.00
घ) अन्य निधियों में अंशदान d) Contribution to Other Fund	-	-
ड.) कर्मचारी कल्याण खर्चे e) Staff Welfare Expenses	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभों पर खर्च f) Expenses on Employees' Retirement and Terminal Benefits	1,35,82,601.00	1,71,00,688.00
छ) अन्य g) Others	46,38,936.00	41,54,248.00
कुल TOTAL	**9,91,69,861.00**	**10,66,82,625.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20	चालू वर्ष Current Year
तनख्वाह एवं मजदूरी SALARIES & WAGES	
मुख्यालय एवं ढेंकानाल के खाते BOOKS OF HEAD OFFICE & DHENKANAL	
अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन Pay to Officers/Staff	1,87,91,202.00
संकाय का वेतन Pay to Faculty	90,20,438.00
कर्मचारियों को मानदेय Hon. to Staff	3,59,000.00
कुल **Total**	**2,81,70,640.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

	(अग्रानीत) *(Brought forward)*	(राशि-रुपये) **(Amount-Rs.)**
तालिका 20 के समूह **GROUPING OF SCHEDULE 20**		चालू वर्ष **Current Year**
भत्ते एवं बोनस **ALLOWANCE & BONUS**		
मंहगाई भत्ता DA		3,58,83,773.00
मकान दर भत्ता HRA		70,42,957.00
अन्य भत्ते Overtime Allowances		1,21,106.00
परिवहन भत्ते Transport Allowances		49,26,405.00
धुलाई भत्ते Washing Allowances		23,400.00
बोनस Bonus		8,48,788.00
कुल **Total**		**4,88,46,429.00**
अं.भ.नि और नई पेंशन योजना के लिए अंशदान **CONTRIBUTION TO PROVIDENT FUND AND NEW PENSION SCHEME**		
मुख्यालय Head Office		18,01,463.00
ढेंकानाल Dhenkanal		-
नई पेंशन योजना New Pension Scheme		21,29,792.00
कुल **Total**		**39,31,255.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ *(अग्रानीत)* **EXPENSES ON EMPLOYEES RETIREMENT & TERMINAL BENEFITS** *(Brought forward)*	
ग्रेच्युटि Gratuity	73,46,608.00
अवकाश वेतन एवं सेवा निवृत्ति अंशदान Leave Salary & Pension Contribution	9,85,932.00
अवकाश भुगतान Leave Encashment	52,50,061.00
जमा से संबद्ध बीमा योजना Deposit Linked Insurance Scheme	-
कुल **Total**	**1,35,82,601.00**
अन्य **OTHERS**	
चिकित्सा खर्च Medical Expenses	34,01,703.00
यात्रा खर्च (एलटीसी) Travelling Expenses (LTC)	5,03,155.00
शिक्षा शुल्क वापिसी Tution Fee Reimbursement	2,97,579.00
अवकाश भुगतान Leave Encashment	4,36,499.00
कुल **Total**	**46,38,936.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2017 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
क) खरीद (फोटोग्राफी सामग्री) a) Purchases (Photographic material)	-	-
ख) श्रम एवं प्रोसेसिंग खर्चे b) Labour and Processing Expenses	-	-
ग) ढुलाई एवं आवक गाड़ी c) Cartage and Carriage Inwards	-	-
घ) पावर एवं बिजली एवं पानी के खर्चे d) Electricity and Power & Water charges	93,67,197.00	1,00,05,059.00
ड.) जल प्रभार e) Water Charges	-	-
च) बीमा f) Insurance	-	-
छ) मरम्मत एवं रखरखाव g) Repair and Maintenance	89,56,671.00	72,74,640.00
ज) उत्पाद शुल्क h) Excise Duty	-	-
झ) किराया, दरें एवं कर I) Rent, Rates and Taxes	36,084.00	36,084.00
ञ) वाहन संचालन एवं रखरखाव j) Vehicles Running and Maintenance	12,08,928.00	11,13,502.00
ट) डाक टिकटें, टेलीफोन एवं संचार प्रभार k) Postage,Telephone and Communication Charges	11,07,091.00	13,82,422.00
ठ) छपाई और लेखन सामग्री l) Printing and Stationery	15,03,520.00	14,89,702.00
ड) यात्रा और वाहन पर खर्च m) Travelling and Conveyance Expenses	15,71,545.00	18,33,975.00
ण) संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर खर्च n) Expenses on Seminar/Workshop	2,12,753.00	1,49,405.00
त) अभिदान खर्च o) Subscription Expenses of News Papers & Perodical	16,29,036.00	16,32,174.00
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक सहित कानूनी और पेशेवर शुल्क पर व्यय p) Expenses on Legal and Professional Fee including auditor remuneration	5,43,462.00	5,28,436.00
ध) आतिथ्य सत्कार खर्च r) Hospitality Expenses	12,61,972.00	9,62,328.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2017 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**		**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
न) व्यावसायिक शुल्क (संकाय दौरा) s) Professional (Visiting Faculty) Fee	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	23,20,354.00	27,24,363.00
प) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान t) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances		-	-
फ) अवसूलीय शेष बट्टे खाते में डाला गया u) Irrecoverable Balances Written off		-	-
ब) पैकिंग खर्च v) Packing Expenses		-	-
भ) वितरण खर्चे w) Distribution Expenses		-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार x) Advertisement and Publicity		-	30,68,288.00
य) विविध y) Miscellaneous		35,12,265.00	23,24,278.00
र) कैजुयल कर्मचारीयों की मजदूरी z) Wages to Casual Staff		2,49,22,681.00	2,29,57,092.00
ल) अन्य - संपत्तिकर za) Property Tax		10,41,397.00	10,41,327.00
व) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इत्यादि पर खर्च zb) Expenses on computer software, etc.		4,67,359.00	3,86,893.00
श) अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संचार विश्वविद्यालय zb) International Media Communication University		-	4,64,656.00
ष) अन्य zc) Others		33,366.00	-
कुल **TOTAL**		**5,96,95,681.00**	**5,93,74,624.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year
बिजली और पानी **ELECTRICITY & WATER**	
मुख्यालय Headoffice	86,76,944.00
ढेंकानाल Dhenkanal	6,90,253.00
कुल **TOTAL**	**93,67,197.00**
मरम्मत और रखरखाव **REPAIR AND MAINTENANCE**	
क. गैर-योजना **A. NON- PLAN**	
भवन BUILDING	
मुख्यालय HO	72,73,636.00
ढेंकानाल Dhenkenal	6,29,999.00
उपकरण EQUIPMENT	
मुख्यालय HO	7,46,833.00
ढेंकानाल Dhenkenal	2,31,303.00
फर्नीचर मुख्यालय FURNITURE H.O	74,900.00
कुल **TOTAL**	**89,56,671.00**
ख. योजना **B. PLAN**	
उपकरणों की मरम्मत और पट्टा लाइनों का किराया Service Repair of Equipment and Lease Line Rent	-
कुल (योजना+गैर योजना) **TOTAL (PLAN+NON PLAN)**	**89,56,671.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2017 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
वाहन परिचालन एवं रखरखाव VEHICLE RUNNING & MAINTENANCE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
ईंधन की लागत Cost of fuel		7,98,384.00
मरम्मत एवं रखरखाव Repair and Maintenance		
मुख्यालय HO		2,74,116.00
ढेंकानाल Dhenkenal		1,36,428.00
कुल **TOTAL**		**12,08,928.00**
डाक टिकट, टेलीफोन और टेलीप्रिंटर के खर्चे **POSTAGE, TELEPHONE AND TELEPRINTER CHGS**		
क. गैर-योजना **A. NON- PLAN**		
डाक टिकट एवं तार खर्चे POSTAGE & TELEGRAPHIC CHARGES		
मुख्यालय HO		31,875.00
ढेंकानाल Dhenkenal		7,574.00
दूरभाष खर्च TELEPHONE EXPS		
मुख्यालय HO		8,14,227.00
ढेकानाल Dhenkenal		2,53,415.00
ख.योजना **B. PLAN**		-
कुल (योजना+गैर योजना) **TOTAL (PLAN+NON PLAN)**		**11,07,091.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
मुद्रण एवं लेखन सामग्री PRINTING & STATIONERY	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
क. गैर योजना A. NON PLAN		
मुख्यालय Head Office		13,97,319.00
ढेंकानाल Dhenkenal		1,06,201.00
ख. योजना B. PLAN		-
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN + NON PLAN)		**15,03,520.00**
यात्रा एवं परिवहन TRAVELLING & CONVEYANCE		
क. गैर-योजना A. NON- PLAN		
मुख्यालय HEAD OFFICE		
स्थानीय यात्रा Local Travel		4,67,529.00
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels		10,40,309.00
विदेश यात्राएँ Foreign Travel		-
ढेंकानाल Dhenkenal		63,707.00
ख. योजना B. PLAN		-
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)		**15,71,545.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

31.03.2017 को आय और व्यय तालिका
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
शैक्षिक भ्रमण एवं यात्राएँ STUDY TOUR & TRAVELS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
मुख्यालय Head Office		1,52,823.00
ढेंकानाल Dhenkenal		59,930.00
ढेंकानाल पर सेमिनार का खर्च Seminar Expense at Dhenkenal		-
कुल TOTAL		**2,12,753.00**
चंदे के खर्चे SUBSCRIPTION EXPENSES		
अखबार एवं सार्वधिक प्रकाशन NEWSPAPER & PERIODICALS		
क. गैर-योजना A. NON- PLAN		
मुख्यालय Head Office		14,61,658.00
यू.एन.आई टेलिप्रिंटर का किराया Rent of Uni Teleprinter		88,400.00
ढेंकानाल Dhenkanal		78,978.00
ख. योजना B. PLAN		-
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)		**16,29,036.00**
मनोरंजन/ आतिथ्य ENTERTAINMENT/HOSPITALITY		
मुख्यालय Head Office		12,05,473.00
ढेंकानाल Dhenkenal		56,499.00
कुल TOTAL		**12,61,972.00**
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
पेशेवर शुल्क PROFESSIONAL FEE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
क. गैर-योजना A. NON- PLAN		
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (मुख्यालय) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (H.O)		6,45,786.00
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (ढेंकानाल) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (Dhenkenal)		2,09,368.00
मुख्यालय H.O		
विज्ञापन जन संपर्क ADPR		4,14,200.00
विकास पत्रकारिता DJ		1,55,500.00
हिंदी पत्रकारिता HJ		2,41,500.00
रेडियो टीवी पत्रकारिता RTV		2,22,000.00
अंग्रजी पत्रकारिता EJ		2,76,000.00
उर्दू URDU		1,34,000.00
प्रकाशन PUBLICATION		22,000.00
ख. योजना B. PLAN		-
अतिथि संकाय को मानदेय (ढेंकानाल) Fee to Guest Faculty (Dhenkenal)		-
मानदेय/मज़दूरी Hon/Wages		-
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)		**23,20,354.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

GROUPING OF SCH-21/समूहों मे तालिका-21		Current Year/चालू वर्ष
विविध खर्चे **MISCELLENAEOUS EXPENSES**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
क. गैर-योजना **A. NON- PLAN**		
बैंक प्रभार Bank Charges		
मुख्यालय HO		11,463.00
ढेंकानाल Dhenkenal		1,244.00
विविध खर्चे Misc Exps		
मुख्यालय HO		32,96,839.00
ढेंकानाल Dhenkenal		1,41,356.00
वर्दी Liveries		58,863.00
पुरस्कार खर्च (ढेंकानाल) Award Expense (Dhenkenal)		-
सदस्यों और सदस्यता खर्चे Members & Subs. Expenses		-
छात्र कल्याण खर्च (ढेंकानाल) Student Welfare Expense (Dhenkenal)		-
फोटोग्राफी सामग्री Photography Material		2,500.00
कम और अतिरिक्त Short & Excess		-
ख. योजना **B. PLAN**		-
कुल (योजना+गैर योजना) **TOTAL (PLAN+NON PLAN)**		**35,12,265.00**
आकस्मिक कर्मचारियों की मजदूरी **WAGES TO CASUAL STAFF**		
मुख्यालय HO		2,03,77,882.00
ढेंकानाल Dhenkenal		45,35,327.00
आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बोनस Bonus to Casual Staff		9,472.00
कुल **TOTAL**		**2,49,22,681.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

तालिका 21 क योजना खर्च SCHEDULE 21 A-PLAN	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1 संपत्ति की निर्माण योजना 1 Plan Creation of Assets	12,45,68,185.00	7,54,32,621.00
2 सामान्य योजना 2 Plan General	1,36,54,453.00	1,22,83,973.00
कुल TOTAL	**13,82,22,638.00**	**8,77,16,594.00**

तालिका 22-अनुदान एवं इमदाद इत्यादि पर खर्च SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान a) Grants given to Institutions/Organisations	-	-
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई इमदाद b) Subsidies given to Institutions/Organisations	-	-
कुल TOTAL	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियाँ तथा अनुदान/इमदाद की राशि बताई जाएँ
Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 23-ब्याज **SCHEDULE 23- INTEREST**		
क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर a) On Fixed Assets	-	-
ख) अन्य कर्जों पर (बैंक प्रभार सहित) b) On Other Loans (Including Bank Charges)	-	-
ग) अन्य c) Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 24- पूर्व अवधि वस्तुओं का विवरण **SCHEDULE 24- DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS**		
क) अंशदायी भविष्य निधि का ब्याज अंतर a) Interest Differnce of CP Fund	-	
ख) परियोजना खाता स्वस्थ भारत एवं भारत निर्माण के तीव्र सहायक b) Swasth Bharat Project Account & Rapid Ass. of Bharat Nirman	-	-
ग) ढेंकानाल प्रेषण c) Dhenkanal Remittance	-	
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

तालिका-25

SCHEDULE-25

क. 31.3.2017 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Y.E. 31.3.2017):

1. लेखे मंत्रालय के दिनांक 31.8.2005 के पत्र सं. 10(1) मिसलेनियस/2005 (टीए/606) द्वारा प्रेषित नए प्रारूप के अनुसार तैयार किये गए हैं ।

1. Accounts has been provided as per new format provided by Ministry vide letter Dated 10(1) MISC/2005 (TA/606) dated 31.08.2005.

2. आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध/पुनःव्यवस्थित किया गया है ।

2. Figures have been regrouped/rearranged wherever considered necessary.

3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान, तुलनपत्र में एकीकृत आँकड़ो मे दर्शाए गए हैं हालांकि उनके पृथक विवरण मदों में विस्तार से दिए गए हैं।

3. Grants-in-Aid from the Ministry of I & B as shown at one consolidated figure in the balance sheet though separate details are given in detailed accounts under various heads.

4. सभी अंशदायी भविष्य निधि लेखे सोसाईटी की लेखा बही से अलग कर दिये गए हैं।

4. Contributory Provident Fund account has been separated from books of account of society.

5. कर्मचारियों को दिया जाने वाला उपदान और छुट्टी के बदले नकद भुगतान नकद आधार पर दर्ज किया गया है ।

5. Gratuity and Leave encashment is booked on cash basis.

6. केवल पुरस्कार निधि एवं खजाना जमा पर प्राप्त ब्याज को छोड़कर, जिन्हें प्रोद्भूत आधार पर दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखे की सभी मदें नकद आधार पर हैं ।

6. All item of income and expenditure are accounted for on cash basis except the interest on Fixed Deposits of Award fund and Khajana deposit which is accounted for on accrual basis.

7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ लागत मूल्य पर हैं और उनमें नकद आधार पर मूल्य ह्रास प्रभार नहीं लगाया गया है ।

7. Fixed Assets are stated at cost and no depreciation is accounted for on cash basis.

8. खर्च को योजना, गैर-योजना या अन्य प्रोजेक्टों में डालना गतिविधियों की प्रकृति/अनुदान की शर्तों के आधार पर है ।

8. The charging of expenses to plan, Non-plan and other projects are on the basis of nature of activities/terms of grant.

9. वर्ष के दौरान व्यय और पूंजीगत खर्च के मुकाबले आय की अधिकता को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से पूरा किया गया । उसे न तो आय और व्यय लेखे में ले जाया गया है तथा न ही मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार आरक्षित लेखे में अंतरित किया गया है ।

9. Excess of Income over expenditure and capital expenditure during the year is met out of the Grant-in-Aid received from the Government of India. The same is not routed through Income and Expenditure account and not been transferred to Reserves account as per format provided by ministry.

10. अनुदान के अप्रयुक्त शेषों को या तो सरकार को वापस कर दिया गया या सरकार द्वारा आने वाले वर्ष की अंतिम किश्त से घटा दिए।

10. Any Unutilised balances of Grants are either refunded to the government or deducted by the government from the last installment during the subsequent year.

11. परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान का अधिक प्रयुक्त/अप्रयुक्त शेष अंतिम समायोजन के आधार पर होगा ।

11. The Overspent/Unspent balance of Grants received for projects/Courses are subject to final settlement.

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2017 को आय और व्यय की तालिका

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2017

तालिका 26-आकस्मिक देयताएँ तथा लेखों पर टिप्पणियाँ

SCHEDULE-26-CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. आकस्मिक देयताएँ

1. CONTINGENT LIABILITIES

1.1 एंटीटी के दावे जिन्हें ऋण के रूप में अस्वीकृत किया गया रु. शून्य

1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts-Rs. .....NIL….

वर्ष के दौरान क्योंकि सभी बकाया मामले संस्थान के पक्ष में रहे थे, अतः कथित राशि शून्य रु. दर्शाई गई है।

During the year as all pending cases have been in favour of the Institute, hence the said amount is shown as Rs. NIL

1.2 **निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँग**

1.2 Disputed demand in respect of:

आय कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

बिक्री कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

नगरपालिका कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Income tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Sales tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Municipal Taxes……NIL……Previous year Rs……NIL….

1.3 विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पादित न किए गए दावों को संस्थान ने खारिज किया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

13 In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the entity

Rs NIL Previous year Rs. NIL

2. पूंजीगत वचनबद्धता

2. CAPITAL COMMITMENTS

पूंजीगत लेखे में निष्पादन हेतु अवशिष्ट ठेकों का अनुमानित मूल्य जिन्हें अग्रिमों की श्रेणी में नही रखा गया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for net of advances

Rs NIL Previous year Rs. NIL

3. पट्टेदारी की बाध्यता

3. LEASE OBLIGATIONS

प्लांट और मशीनरी हेतु वित्त लीज व्यवस्था के तहत भविष्य में किराये की बाध्यता शून्य रु. पिछले वर्ष शून्य रु.

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs.NIL Previous year Rs.NIL

4. चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे एवं अग्रिम

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

प्रबंधन के मत में चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे, अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूला जाएगा जो कम से कम तुलनपत्र में दिखायी गई कुल राशि के बराबर होगा ।

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realisation in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. कराधान

5. TAXATION

आयकर अधिनियम 1961, के अनुसार कर योग्य कोई आय न होने पर आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं होगा
In view of there being no taxable income under Income tax Act 1961, No provision for income tax has been considered necessary.

6. विदेशी मुद्रा लेन देन

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1	**आयात का परिकलित मूल्य सी. आई. एफ. आधार पर**	
6.1	**Value of Imports calculated on C.I.F basis:**	
	तैयार माल की खरीद	शून्य
	Purchase of Finished Goods	NIL
	पारगमन सहित कच्चा माल एवं उपकरण	शून्य
	Raw Material & Components including in transit	NIL
	पूंजीगत माल	शून्य
	Capital Goods	NIL
	भंडार, अतिरिक्त एवं उपभोज्य वस्तु	शून्य
	Stores, Spares and Consumbles	NIL
6.2	**विदेशी मुद्रा में खर्च**	
6.2	**Expenditure in Foreign Currency**	
	यात्रा	शून्य
	Travel	NIL
	वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण एवं ब्याज भुगतान	
	Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency	
	अन्य खर्चे	
	Other expenditure:	
	बिक्री पर कमीशन	शून्य
	Commission on Sales	NIL
	कानूनी एवं व्यावसयिक खर्चे	शून्य
	Legal and Professional Expenses	NIL
	विविध खर्चे	शून्य
	Miscellaneous Expenses	NIL
6.3	**आयः**	
6.3	**Earnings:**	
	एफ ओ बी आधार पर निर्यात मूल्य	शून्य
	Value of Exports on FOB basis	NIL

फार्म से संलग्न 1 से 26 तक की संलग्न तालिकाएं 31.03.2017 के तुलनपत्र के तथा आय और व्यय लेखे के अभिन्न अंग है ।
Schedules 1 to 26 are annexed to and form an integral part of the Balance sheet as at 31.03.2017 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यगण,

भारतीय जन संचार संस्थान

हमने भारतीय जनसंचार संस्थान के 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए इसी तारीख के अंशदायी भविष्यनिधि लेखे तथा आय व्यय लेखे की जाँच कर ली है जो सोसाईटी द्वारा रखे गए लेखे के अनुसार है।

वित्तीय विवरणों की जिम्मेदारी प्रबंधन की

भारतीय जन संचार संस्थान की सी पी एफ कार्यकारी समिति के वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबन्धन की जिम्मेदारी होती है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे द्वारा किए गए लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर मत प्रकट करना है। हमने भारतीय चार्टेड अकाउंटेण्ट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा-मानकों के अनुसार ही लेखा परीक्षा की है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और लेखा परीक्षा की योजना (प्लान) व निष्पादन ऐसा करें ताकि युक्ति युक्त आश्वासन प्राप्त हो। जो वित्तीय विवरण में किसी भी तरह के मैटीरियल प्रमुख त्रुटि से परे हों। लेखा परीक्षा में, वित्तीय विवरणियों में सभी मदों का खुलासा करने के लिए लेखा प्रमाणों से, निष्पादन प्रक्रिया को दर्शाता है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा किये गए प्राक्कलनों के औचित्य को भी शामिल किया जाता है। हमारा विश्वास हे कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे मत के लिए पर्याप्त आधार प्रदान करती है।

मत

हमारी राय में, और हमें उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार तथा हमें दिये गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखे अपेक्षित सूचना अपेक्षित रूप में सूचना देते हैं तथा भारत में लेखा परीक्षा के आय स्वीकृत सिद्धान्तों के अनुसार निम्नलिखित की सही और निष्पक्ष स्थिति बताते हैः

क) तुलनपत्र के मामले में 31 मार्च 2017 को सोसाइटी के अंशदायी भविष्यनिधि की स्थिति

ख) इस तारीख को समाप्त वर्ष में आय और व्यय लेखे के मामले में आय पर व्यय अतिरेक।

अन्य न्यायिक और नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

हम सूचित करते हैं कि

क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

ख) हमारे मत में संस्थान में कानून द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां सही तरीके से रखी गई हैं। यह उनकी जांच से पता चलता है।

ग) तुलनपत्र, आय और व्यय का विवरण जिनका इस रिपोर्ट में वर्णन है लेखा पुस्तकों के अनुसार है।

घ) हमारे मत में, तुलनपत्र, आय और व्यय विवरण तथा प्राप्ति और भुगतान लेखे मानक लेखे के अनुसार है।

एमएनआरएस एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

पंजीकरण संख्याः 018340 एन

-ह०-

(नीरज कुमार अग्रवाल)

भागीदार

सदस्यता संख्या 503441

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 08.11.2017

AUDITOR'S REPORT

To
The Members,
Indian Institute of Mass Communication CPF Executive Committee

Report on the financial statements
We have audited the attached Balance Sheet of Contributory Provident Fund (CPF) of Indian Institute of Mass Communication ('the society') Delhi, as at 31st March, 2017 and the statement of Income and Expenditure for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said Society.

Management's Responsibility for the Financial Statements
Management is responsible for the preparation of these financial statements of INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION CPF executive committee.

Auditor's Responsibility
Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements.

An audit includes examining, on the test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall financial statements presentation.

We believe that our audit provides reasonable basis for our opinion.

Opinion
In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the contributory Provident Fund of the Society as at 31 March 2017.

(ii) In the case of the income and expenditure account, of the excess of income over expenditure for the year ended on that date.

We report that:

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belied were

necessary for the purpose of our audit;

(b) In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept at the institute so far as appears from our examination of those books.

(c) The Balance Sheet, Statement of Income and Expenditure dealt with by this report are generally in agreement with the books of account.

(d) The balance sheet and income and expenditure account dealt with by this report are prepared in accordance with Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For MNRS & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN: 018340N

Neeraj Kumar Agarwal, FCA
Partner
M. NO. : 503441

Place: New Delhi, India
Date: 08 November 2017

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

देयताएँ LIABILITIES		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
कर्मचारी अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYEES SUBSCRIPTION BALANCE (as Per Schedule "B")		6,12,24,850.00	6,85,59,421.00
नियोक्ता अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYERS CONTRIBUTION BALANCE (as Per Schedule "A")		3,83,39,787.00	4,23,68,476.00
भुगतान योग्य अं.भ.नि. CPF PAYABLE		-	-
अदावी अं.भ.नि. UNCLAIMDED CPF		-	-
संस्थान को देय (अतिरिक्त जमा नियोक्ता अंशदान) CURRENT LIABILITIES		-	-
1.4.2014 को लाभ/हानि PROFIT/LOSS AS ON 1.4.2016	**(1,33,250.00)**	-	-
जोडें : आय की अपेक्षा खर्चे की अधिकता ADD: EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME	**16,127.00**	1,49,377.00	1,33,250.00
कुल **TOTAL**		**9,97,14,014.00**	**11,10,61,147.00**

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)
Sd/-
(Neeraj Kumar Agarwal)
भागीदार
Partner
M. NO - 503441

हस्ताक्षर/-
के.जी. सुरेश
Sd/-
K.G. Suresh
महानिदेशक
Director General

हस्ताक्षर/-
मयंक कुमार अग्रवाल
Sd/-
Mayank Kumar Agrawal
अतिरिक्त महानिदेशक
ADG

हस्ताक्षर/-
किरण सिंह
Sd/-
Kiran Singh
उप कुलसचिव
Assistant Registrar

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश (लागत पर)		
INVESTMENTS (AT COST)		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बांड		
6.05% GOI 12.06.2019	15,48,412.00	15,48,412.00
8% जीओआई बांड 11.06.2017		
8% GOI BONDS 11-06-2017	-	10,000,000.00
8% भारत सरकार बांड 06.10.2017		
8% GOI BONDS 06-10-2017	-	65,00,000.00
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉरपोरेशन 2015		
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2015	15,00,000.00	15,00,000.00
10.25% केटीडीएफसी बांड 10.12.2017		
10.25% KTDFC BONDS 10.12.2017	-	38,50,000.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 23.04.2017		
10.5% KTDFC BONDS 23.04.2017	60,00,000.00	60,00,000.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 18.03.2016		
10.5% KTDFC BONDS 18.03.2016	20,00,000.00	-
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018		
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)	80,00,000.00	-
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019		
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24.01.2019 QTRLY INTT. (171207)	80,00,000.00	-
10.5% केटीडीएफसी बांड 18.03.2017		
10.5% KTDFC BONDS 18.03.2017	-	88,00,000.00
7.5% हुडको 26.04.2017		
7.5% HUDCO 26.04.2017	-	20,00,000.00
7.5% हुडको 13.04.2019		
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	85,00,000.00	85,00,000.00
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019		
9.35% FD CBI 28.03.2019	25,00,000.00	25,00,000.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पछले वर्ष Previous Year
9.15% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 02.06.2017			
9.15% FD CBI 02.06.2017		-	40,00,000.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		1,88,55,970.00	1,88,55,970.00
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 30.08.2017			
9.25% LIC HOUSING FINANCE LTD 30-08-2017		-	2,500,000.00
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 15.03.2017			
9.25% LIC HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		-	2,000,000.00
9.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019			
9.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019		72,00,000.00	-
9.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018			
9.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018		8,00,000.00	-
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 28.06.2017			
8.25% LIC HOUSING FINANCE 28-06-2017 CUMULATIVE		8,00,000.00	-
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018			
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE		72,00,000.00	-
9.3% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 02.09.2017			
9.3% PNB HOUSING FINANCE LTD 02-09-2017		-	30,00,000.00
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		-	22,00,000.00
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 09.12.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 09-12-2017		-	31,50,000.00
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 2018			
8% ICICI UNSECURED BONDS 2018		20,00,000.00	20,00,000.00
7.75% आईसीआईसीआई गृह वित्त			
7.75% ICICI HOME FIN.		-	-
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 14.03.2016			
9.25% LIC HOUSING FINANCE LTD 14-03-2016		15,00,000.00	15,00,000.00
कुल (क)/TOTAL (A)	*(अग्रेनीत)*	**7,64,04,382.00**	**9,04,04,382.00**
प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं	*(Carried over)*		
INTEREST ACCRUED BUT NOT DUE			
6.05% सरकारी 12.06.2019			

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS	(अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
6.05% GOI 12-06-2019		22,142.00	22,142.00
8% सरकारी बांड 11.06.2017			
8% GOI BOND 11-06-2017		-	56,42,506.00
8% सरकारी बांड 06.10.2017			
8% GOI BOND 06-10-2017		-	34,10,678.00
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन 2015			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2015		28,849.00	28,849.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 18.03.2017			
10.5% KTDFC BONDS 18.03.2017		-	20,48,471.00
9.56% हुडको 13.04.2019			
9.56% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE		5,54,887.00	-
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018			
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE		1,23,877.00	-
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019			
9.35% FD CBI 28.03.2019		16,22,333.00	12,92,554.00
9.15% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 02.06.2017			
9.15% FD CBI 02.06.2017		-	7,47,972.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		1,04,520.00	1,04,520.00
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		-	9,065.00
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017			
8.25% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 CUMULATIVE		44,916.00	-
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 2018			
8% ICICI UNSECURED BONDS 2018		-	13,333.00
कुल (क)/TOTAL (A)		**25,01,524.00**	**1,33,20,090.00**
प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं INTEREST ACCRUED AND DUE BUT NOT RECEIVED	*(अग्रेनीत) (Carried over)*		

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
7.8% पंजाब राज्य विकास कार्पोरेशन 2015			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2016		4,68,000.00	3,51,000.00
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		85,497.00	-
8% हुडको			
8% HUDCO		1,64,846.00	1,70,875.00
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018			
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)		1,66,189.00	-
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		9,065.00	-
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018			
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018		13,335.00	-
कुल(ख)/TOTAL (B)		**9,06,932.00**	**5,21,875.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2017

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
चालू संपत्तियाँ **CURRENT ASSETS**			
स्रोत पर कर कटौती की वापसी TDS REFUND		2,47,618.00	2,027.00
भारतीय जन संचार संस्थान से देय DUES FROM IIMC		9,91,650.00	-
कुल TOTAL		**12,39,268.00**	**2,027.00**
बैंक शेष **BANK BALANCES**			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया STATE BANK OF INDIA		1,67,175.00	1,59,081.00
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया CENTRAL BANK OF INDIA		1,82,09,533.00	64,80,627.00
एचडीएफसी बैंक HDFC BANK		2,85,200.00	1,73,063.00
कुल (घ)/TOTAL (D)		**1,86,61,908.00**	**68,12,771.00**
कुल (क+ख+ग+घ)/TOTAL (A+B+C+D)		**9,97,14,015.00**	**11,10,61,145.00**

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)	के.जी. सुरेश	मयंक कुमार अग्रवाल	किरण सिंह
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Neeraj Kumar Agarwal)	**K.G. Suresh**	**Mayank Kumar Agrawal**	**Kiran Singh**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	उप कुलसचिव
Partner	**Director General**	**ADG**	**Assistant Registrar**
M. NO - 503441			

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2017 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017

विवरण PARTICULARS		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
आय INCOME		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि एवं देयताएँ			
INTEREST ON INVESTMENTS			
प्रथम श्रेणी FIRST CATEGORY			
6.05% सरकारी 2019 बांड			
6.05% GOI 2019 BOND		1,02,850.00	1,02,850.00
8% सरकारी बांड 10000000			
8% GOI OF INDIA BONDS 10000000		3,67,494.00	11,58,704.00
8% सरकारी बांड 65000000			
8% GOI OF INDIA BONDS 65000000		4,95,822.00	7,34,124.00
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन 2014/2016/2017			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2014/2016/2017		117,000.00	117,000.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 30.08.2015			
10.5% KTDFC BOND 30-08-2015		-	3,49,167.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 18.03.2016			
10.5% KTDFC BOND 18-03-2016		-	10,50,945.00
10.25% केटीडीएफसी			
10.25% KTDFC		2,74,951.00	3,98,004.00
8% हडको			
8% HUDCO		1,78,000.00	1,70,875.00
10.5% केटीडीएफसी बांड 23.04.2017			
10.5% KTDFC BOND 23.04.2017		6,35,528.00	6,35,528.00
7.5% हडको 13.04.2019			
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE		6,16,541.00	-
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018			
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28-06-2018 QTRLY INTT. (171207)		5,14,192.00	-
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019			
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019 QTRLY INTT. (171207)		1,28,851.00	-
द्वितीय श्रेणी SECOND CATEGORY	*(अग्रेनीत)* *(Carried over)*		
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		16,40,469.00	16,40,469.00

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28-03-2019		
9.35% CBI TERM DEPOSIT 28-03-2019	3,66,422.00	3,33,772.00
9.25% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 10.09.2015		
9.25% FD WITH CBI 10-09-2015	-	1,39,692.00
9.15% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		
9.15% CBI TERM DEPOSITS	1,12,008.00	3,99,019.00
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 30.08.2016		
9.25% LIC HOUSING FINANCE 30-08-2016	95,351.00	2,31,250.00
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 15.03.2016		
9.25% LIC HOUSING FINANCE 15-03-2016	-	1,67,767.00
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018		
8.35% LIC HOUSING FINANCE 05-04-2018 CUMULATIVE	1,23,877.00	-
9.25% राष्ट्रीय आवास बैंक 25.10.2015		
9.25% NATIONAL HOUSING BANK 25-10-2015	-	1,58,990.00
9.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 26.10.2015		
9.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 26-10-2015	-	1,89,479.00
9.3% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 2.09.2016		
9.3% PNB HOUSING FINANCE LTD 2-09-2016	1,17,715.00	2,79,764.00
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017		
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017	1,97,168.00	2,07,366.00
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018		
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018	1,60,000.00	1,60,000.00
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 09.12.2016		
9.4% PNB HOUSING FINANCE 09.12.2016	2,04,431.00	3,19,890.00
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28.06.2019 QTERLY INTT.	4,37,129.00	-
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018		
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24.01.2018 QTERLY INTT.	10,573.00	-
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017		
8.25% LIC HOUSING FINANCE 29-06-2017 CUMULATIVE	49,907.00	-
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018		
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE	1,03,749	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2017 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017

(राशि रुपये)

(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
बचत खातें और अन्य		
SAVING BANK & OTHERS		
बचत बैंक खातों दर प्राप्त ब्याज (सै.बै.ऑफ इंडिया)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK (SBI)	8,094.00	18,473.00
बचत बैंक खातों दर प्राप्त ब्याज (सै.बै.ऑफ इंडिया)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK ACCOUNTS (CBI)	11,90,729.00	5,97,098.00
एचडीएफसी बचत बैंक खातों दर प्राप्त ब्याज		
INTEREST RECEIVED ON HDFC BANK ACCOUNTS	9,287.00	4,924.00
विविध प्राप्तियाँ/कम और अतिरिक्त		
MISCELLANEOUS RECEIPTS/SHORT & EXCESS	-	-
व्यय/ EXPENDITURE		
बैंक प्रभार		
BANK CHARGES	177.00	68.00
सदस्यों को ब्याज		
INTEREST CREDITED TO MEMBERS	82,41,834.00	93,37,243.00
व्यय से आय की अधिकता		
EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE	16,127.00	2,27,841.00
कुल		
TOTAL	**82,58,138.00**	**95,65,152.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2017 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2017

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year

कृते एमएनआरएस और एसोसिएट्स
For MNRS & ASSOCIATES
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-018340N

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(नीरज अग्रवाल)	के.जी. सुरेश	मयंक कुमार अग्रवाल	किरण सिंह
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Neeraj Kumar Agarwal)	**K.G. Suresh**	**Mayank Kumar Agrawal**	**Kiran Singh**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	उप कुलसचिव
Partner	**Director General**	**ADG**	**Assistant Registrar**
M. NO - 503441			

स्थान : नई दिल्ली
Place: New Delhi
तारीख : 08-11-2017
Date: 08.11.2017

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2017

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष			1. कर्मचारी अंशदान निधि भुगतान		
I. OPENING BALANCE :			I. Payment made from Employees subscription Fund	1,50,98,433.00	1,23,03,910.00
क) नकद			2.) नियोक्ता योगदान फंड से भुगतान		
a) Cash in Hand	-	-	II) Payment made from Employer Contribution Fund	88,44,589.00	1,00,73,399.00
ख) बैंक शेष			3.) किया गया निवेश		
b) Bank Balances			III) Investment made	3,20,00,000.00	1,00,00,000.00
1) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			4.) अ.भ.नि. अग्रिम/आंशिक		
i) Central Bank of India	64,80,627.00	93,11,110.00	IV) CPF Advance/part Withdraw	83,58,000.00	94,32,000.00
2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			5.) आईआईएमसी को भुगतान		
ii) State Bank of India	1,73,063.00	1,40,608.00	V) Payale to IIMC	-	62,983.00
3) एचडीएफसी बैंक			6.) बैंक प्रकार		
iii) HDFC Bank	1,59,081.00	65,289.00	VI) Bank Charges	177.00	68.00
कर्मचारियों सीपीएफ अंशदान			6.) टीडीएस वापस		
II) Subscription of CPF by employees	1,09,94,138.00	1,25,66,446.00	VII) TDS REFUND	11,25,406.00	
नियोक्ता द्वारा सीपीएफ अंशदान			**1. जमा शेष**		
III) Contribution in CPF by employer	17,01,790.00	19,27,340.00	**I. CLOSING BALANCE :**		
निवेशों से आय			क) नकद		
IV) Income from investment	1,73,71,704.00	65,53,843.00	a) Cash In Hand		
बैंक जमा पर			ख) बैंक शेष		
A) On Bank Deposits	12,08,110.00	6,20,495.00	b) Bank Balance		
कर्ज अग्रिम पर			1) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
B) On Loan & Advances			i) Central Bank of India	1,82,09,533.00	64,80,627.00
परिपक्व निवेश			2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
VI) Investment Matured	4,60,00,000.00	1,75,00,000.00	ii) State Bank of India	1,67,175.00	1,73,063.00
कर्मचारियों द्वारा सीपीएफ अग्रिम भुगतान			3) एचडीएफसी बैंक		
VII) Repayment of CPF Adv. by employees	-	-	iii) HDFC Bank	2,85,200.00	1,59,081.00
विविध प्राप्तियों					
VIII) Miscellaneous Receipts	-	-			
आईआईएमसी से प्राप्य					
IX) Receivable from IIMC	-	-			
कुल/Total	**8,40,88,513.00**	**4,86,85,131.00**	**कुल/Total**	**8,40,88,513.00**	**4,86,85,131.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2017

NAME OF SECURITY	Amount	Due But	Accrued	Int. due	Total Int	TDS	Due & recd.	Due but	Accrued
	Invest	Not Recd. B/f	Intt. B/f				in 16-17	Not Recd.	Int. C/f
CATEGORY-I									
6.05% सरकारी बांड 12.06.2019 6.05% GOI BONDS 12-06-2019	15,48,412		22,142	1,02,850	1,24,992		1,02,850		22,142
8% सरकारी बचत बांड 11.06.2016 8% GOI SAVING BONDS 11-06-2016	10,000,000		56,42,506	3,67,494	60,10,000	6,01,000	54,09,000		
8% सरकारी बचत बांड 8% GOI SAVING BONDS	6,500,000		34,10,678	4,95,822	39,06,500	3,90,650	35,15,850		
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपेरेशन 7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP	1,500,000	3,51,000	28,849	1,17,000	4,96,849			4,68,000	28,849
10.5% केटीडीएफसी 30.08.2015 10.5% KTDFC 30-08-2015	80,00,000								
10.5% केटीडीएफसी बांड 18.03.2016 10.5% KTDFC BONDS 18-03-2016	88,00,000		20,48,471		20,48,471		20,48,471		
10.5% केटीडीएफसी बांड 12.10.2016 10.5% KTDFC BONDS 12-10-2016	38,50,000			2,74,951	2,74,951		2,74,951		
8.9% 8% हुडको 26.04.2017 8.9% HUDCO MATURE ON 26.04.2017	20,00,000	1,70,875		1,78,000	3,48,875		1,84,029	1,64,846	
10.5% केटीडीएफसी बांड 23.04.2017 10.5% KTDFC BONDS 23-04-2017, INTT. - 158882 QTR	60,00,000			6,35,528	6,35,528		6,35,528		
7.5% हुडको 13.04.2019 7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	85,00,000			6,16,541	6,16,541	61,654			5,54,887
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018 8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28-06-2018, QTRLY INTT. (171207)	80,00,000			5,14,192	5,14,192		3,48,003	1,66,189	
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019 8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019, QTRLY INTT. (171207)	80,00,000			1,28,851	1,28,851		1,28,851		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2017

CATEGORY-II									
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019 9.35% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019	25,00,000		12,92,554	3,66,422	16,58,976	36,643			16,22,333
9.25% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 10.09.2019 9.25% CBI TERM DEPOSITS 10-09-2015	30,00,000								
9.15% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 9.15% CBI TERM DEPOSITS	40,00,000		7,47,972	1,12,008	8,59,980	8,547	8,51,433		
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मे विशेष जमा 8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970		1,04,520	16,40,469	17,44,989		15,54,972	85,497	1,04,520
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 30.08.2016 9.25% LIC HOUSING FINANCE 30-08-2016	25,00,000			95,351	95,351		95,351	0	
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 15.03.2016 9.25% LIC HOUSING FINANCE 15-03-2016	20,00,000								
9.25% राष्ट्रीय आवास बैंक 25.10.2015 9.25% NATIONAL HOUSING BANK 25-10-2015	30,00,000								
9.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 26.10.2015 9.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 26-10-2015	35,00,000								
9.3% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 02.09.2016 9.3% PNB HOUSING FINANCE LTD 02-09-2016	30,00,000			1,17,715	1,17,715		1,17,715		
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017 9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017	22,00,000		9,065	1,97,168	2,06,233		1,97,168	9,065	

भारतीय जन संचार संस्थान
भविष्य निधि निवेश पर प्राप्त ब्याज का विवरण

Indian Institute of Mass Communication
INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2017

9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 09.12.2016 9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 09-12-2016	31,50,000			2,04,431	2,04,431		2,04,431		0
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018 8% ICICI UNSECURED BONDS 24-02-2018	20,00,000		13,335	1,60,000	1,73,335		1,60,000	13,335	
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 15.03.2016 9.25% LIC HOUSING FINANCE 15-03-2016	15,00,000			1,23,877	1,23,877				1,23,877
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019 8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019 QTRLY INTT.	72,00,000			4,37,129	4,37,129		4,37,129		0
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018 7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018 QTRLY INTT.	8,00,000			10,573	10,573		10,573		0
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017 8.25% LIC HOUSING FINANCE 29-06-2017 CUMULATIVE	8,00,000			49,907	49,907	4,991			44,916
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018 7.85% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 NON-CUMULATIVE	72,00,000			1,03,749	1,03,749	10,375	93,374		
Total	**13,99,04,382**	**5,21,875**	**1,33,20,092**	**70,50,028**	**2,08,91,995**	**11,13,860**	**1,63,69,679**	**9,06,932**	**25,01,524**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2017 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication

CPF FUND AS AT 31.03.2017

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

क नियोक्ता का अंशदान

A. EMPLOYERS CONTRIBUTION

1. 1.4.2015 को प्रारंभिक शेष			
1. OPENING BALANCE AS ON 1.4.2016		4,23,68,476.00	
जोड़ें : वर्ष का अंशदान			
Add : Contribution for the year		17,01,790.00	
जोडें : ब्याज			
Add : Interest		31,14,110.00	
कुल			
Total		**4,71,84,376.00**	
घटायें : व्यवस्थापन Less : Settlement			
वापस ली गई राशि Amount Withdrawn	88,44,589.00		
जब्त की गई राशि Amount Forfeited	0.00		
कर्मचारी अंशदान राशि हस्तांतरण Amount Transfer To Employees Contribution	0.00		
नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि Amount Transfer To New Pension Scheme	0.00	88,44,589.00	
कुल (क) Total (A)			**3,83,39,787.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2017 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication
CPF FUND AS AT 31.03.2017

	(अग्रानीत) (Brought forward)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
ख कर्मचारियों का अभिदान			
B. EMPLOYEES SUBSCRIPTION			
1.4.2015 को प्रारंभिक शेष			
Opening Balance as on 1.4.2016		6,85,59,421.00	
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान			
Add: 1. Subcription Received during the year	1,09,94,138.00		
2. अग्रिम की वापसी			
2. Refund of Advance	-		
3. अदाविषय अंतरित			
3. Unclaimed Transferred	0.00		
4. ब्याज			
4. Interest	51,27,724.00	1,61,21,862.00	
कुल Total			**8,46,81,283.00**
घटाएं : **Less :**			
1. अं.भ.नि. अग्रिम/व्यवस्थापन (आंशिक/अंतिम)			
1. CPF Advance/ Settlement (Part/Final)	2,34,56,433.00		
2. नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि			
2. Amount transfer to new pension scheme	-		
		2,34,56,433.00	
कुल (ख) TOTAL (B)			**6,12,24,850.00**
कुल अं.भ. निधि शेष (क+ख) **TOTAL CPF Balance (A+B)**			**9,95,64,637.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
अग्रिमों की वसूली की राशि का विस्तार
31.03.2017

Indian Institute of Mass Communication
DETAIL OF AMOUNT OF RECOVERY OF ADVANCES
31.03.2017

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
बी.के. तिवारी B.K. TIWARI	12,000.00	15,000.00
नन्दी लाल NANDI LAL	-	48,000.00
देव राज DEV RAJ	60,000.00	1,12,000.00
राजेश कुमार RAJESH KUMAR	-	11,110.00
हरपाल सिंह HARPAL SINGH	-	7,360.00
गिरीश कुमार GIRISH KUMAR	-	5,000.00
श्री राम किशोर SH. RAM KISHORE	-	48,000.00
श्री नन्द किशोर SH. NAND KISHORE	-	8,000.00
विष्णु कुमार VISHNU KUMAR	-	20,000.00
कुल **TOTAL**	**72,000.00**	**2,74,470.00**

IIMC Campuses

IIMC CAMPUSES

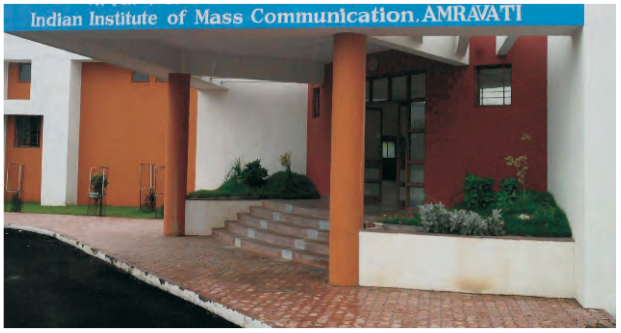

भारतीय जन संचार संस्थान
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION